जबलपुर बुधवार 23 सितंबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, द्वादशी
वर्ष 32 अंक 86 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 32.7°C
न्यूनतम तापमान 24.0 °C
सूर्योदय - 5.59 | सूर्यास्त - 6.06

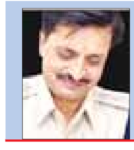

खाकी का बदला अंदाज कोठी में दिखी मानवता ... ⏩ 4

नीरू शर्मा की लाइक माँ में सोनाली कुलकणी... ⏩ 7

गणेश उत्सव में उमड़ा आस्था का ... ⏩ 9

देश की बेटियों ने एशियाई खेलों में दिलाया पहला स्वर्ण पदक

निशिन (वार्ता)। महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को आइची के निशिन में कारोजी एथलेटिक पार्क में खेले गए फाइनल में श्रीलंका को हराकर भारत को एशियन गेम्स 2026 में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। हांगझोउ 2023 के गोल्ड मेडल मैच की तरह ही इस मुकाबले में भी भारतीय महिलाओं ने 147 रनों से जीत हासिल की और एशियन गेम्स क्रिकेट चैंपियन के तौर पर अपना दबदबा बनाए रखा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। स्मृति मंधाना ने 45 गेंदों में 79 रन बनाए, जिससे भारत ने 216/3 का स्कोर खड़ा किया। जो इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट का एक रिकॉर्ड है। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 69 रनों पर समेट दिया और आसानी से जीत हासिल की। दीप्ति शर्मा ने छह रन देकर तीन विकेट लिए। एशियन गेम्स 2026 में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल है। श्रीलंका की टीम को लगातार दूसरे संस्करण में सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा, जबकि पाकिस्तान ने बंगलादेश को तीसरे स्थान के लिए हुए प्लेऑफ में हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

(विस्तृत खबर पेज 10 पर)

140 विधानसभा क्षेत्रों में होगा खेल परिसरों का निर्माण

मंत्रिपरिषद ने दी 962 करोड़ 50 लाख रूपये की स्वीकृति

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश की खेल और युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के 140 विधानसभा क्षेत्रों में खेल परिसरों के निर्माण व संचालन के लिए 962 करोड़ 50 लाख रूपये की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। इन खेल परिसरों का नामकरण मुख्यमंत्री स्पोर्ट्स काम्पलेक्स किए जाने के साथ ही मुख्य मैदान के बीच में स्थायी हैलीपैड बनाने का भी निर्णय लिया गया है। हैलीपैड बनने से पीएमश्री योजना के हैलीकाप्टर्स का आवागमन सुगम और सुचारू हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां मंत्रालय में संपन्न हुई बैठक में प्रदेश में बुनियादी ढांचे, कृषि विस्तार और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण को नई गति देने के उद्देश्य से लगभग 13 हजार 790 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट बैठक में खिलाड़ियों और खेलों के विकास, किसानों, युवाओं, न्यायिक व्यवस्था और आम नागरिकों से जुड़े कई दूरगामी व जनहितैषी निर्णय लिए गए। वित्त आयोग के तहत उच्च न्यायालय, परिवार न्यायालयों, ग्राम न्यायालयों और विधिक सहायता बोर्ड के सुचारू संचालन के लिए 4,000 करोड़ रूपये से अधिक की वित्तीय निरंतरता मंजूर की गई। इसके अलावा वाणिज्यिक कर विभाग की 6 प्रमुख योजनाओं, शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर में 13 निरंतरता के साथ ही नवीन पदों तथा नवगठित जिलों मैहर, पांढुर्णा एवं सिंगरौली में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के नए कार्यालयों व पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई। सिंचाई क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगामी पांच वर्षों 2026-2031 के लिए नीमच की महत्वाकांक्षी जावद-नीमच दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 4,197 करोड़ 58 लाख रूपये तथा राजगढ़ की सुठालिया एवं पार्वती रिन्सी परियोजनाओं के लिए क्रमशः 262 करोड़ 63 लाख रूपये और 507 करोड़ 23 लाख रूपये की निरंतरता की स्वीकृत दी गई, जिससे 88 हजार हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित होगी। इसके साथ ही प्रदेश की भविष्य की बिजली जरूरतों को सुरक्षित करने के लिए 2800 मेगावॉट ताप विद्युत क्रय करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई।

13 नवीन चिकित्सा शिक्षकों के पदों का सृजन

मंत्रिपरिषद ने दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर में प्राध्यापक के 1, सह-प्राध्यापक के 10 तथा सहायक प्राध्यापक के 02 पद इस प्रकार कुल 13 नवीन चिकित्सा शिक्षकों के पदों के सृजन की स्वीकृति प्रदान की है। अब बीडीएस पाठ्यक्रम की सीटें 63 से बढ़ाकर 100 एवं एमडीएस पाठ्यक्रम की सीटे 35 से बढ़ाकर 44 करने का लक्ष्य है। इस दृष्टि से 13 नवीन शिक्षकीय पदों के सृजन एवं इस पर प्रतिवर्ष लगभग रुपए 03 करोड़ 78 लाख का व्यय आना संभावित है।

एसआईआर : 33 लाख लोगों को नोटिस देने पर सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा। कोर्ट ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी रिकॉर्ड में गड़बड़ी के तहत मतदाताओं को नोटिस देने का आधार पूछा। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, दिल्ली की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से करीब 47 लाख नाम हटाए गए हैं। जबकि करीब 33 लाख ऐसे मतदाताओं को नोटिस दिए गए हैं, जिनके नाम ड्राफ्ट लिस्ट में बने हुए हैं। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने आयोग से यह जांचने को कहा कि कहीं बिना पर्याप्त जांच के तो नोटिस नहीं भेजे जा रहे। नोटिस में वोटर्स को आपत्ति की सही वजह बताई जा रही है या नहीं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मतदाता को नोटिस में साफ बताया जाना चाहिए कि किस जानकारी या रिकॉर्ड में अंतर मिला है और उसे क्या स्पष्ट करना है।कोर्ट ने चुनाव आयोग को अब तक उठाए गए कदमों की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

गठबंधन के तहत ही यूपी चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को साफ संकेत दिया कि वह इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित यूपी विजय संकल्प सम्मेलन के बाद में यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि कांग्रेस की जिम्मेदारी इंडिया गठबंधन को मजबूत करने और उसे संभालने की है। उन्होंने कहा कि चुनाव गठबंधन के तौर पर मिलकर लड़ा जाएगा। साथ ही उन्होंने सीट बंटवारे और गठबंधन को जल्द अंतिम रूप देने पर जोर दिया।

मणिपुर में 6 उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर। मणिपुर के इम्फाल ईस्ट और तेंगनौपाल जिलों में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 6 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां रविवार, सोमवार और मंगलवार को अलग-अलग संयुक्त अभियानों में हुईं। कार्रवाई राज्य पुलिस कमांडो, असम राइफल्स और सेना ने की।

नक्सलियों के हिसाब से नहीं बनेगा कानून

सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल और सीनियर एडवोकेट के विवाद में दिया दखल

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में मंगलवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सीनियर एडवोकेट डॉ. एस. मुरलीधर के बीच 'नक्सलाइट' वाली टिप्पणी को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई। सीजेआई की बेंच में वंदे मातरम मामले पर सुनवाई हो रही थी, इस दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि सीजेआई की बेंच को दोनों वकीलों के बीच में दखल देना पड़ गया। जब सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच में वंदे मातरम मामले पर सुनवाई चल रही थी, तब भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 'नक्सलाइट' को लेकर टिप्पणी कर दी, जिसपर एस मुरलीधर ने घोर आपत्ति की। मुरलीधर वंदे मातरम को लेकर मोदी सरकार की ओर से लिए गए हालिया फैसले और संशोधनों को चुनौती देने वाले टीएम कृष्णा की याचिका की पैरवी कर रहे थे। बेंच के सामने मुरलीधर ने दलील दी कि केंद्र सरकार ने बिना राष्ट्रीय सहमति बनाए, बिना पर्याप्त रूप से सोचे-विचारे वंदे मातरम पर संसद से संशोधन जल्दबाजी में पारित करा लिया। उनका दावा था कि संशोधन में इतना भी परिभाषित नहीं किया गया कि राष्ट्रगीत है क्या। उन्होंने दलील दी, आदर्श रूप में इन चीजों के लिए जनमत तैयार किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक कानून बनाने की प्रक्रिया ऊपर से नीचे की ओर चलना सही नहीं है। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उन्हें टोकते हुए कहा, कानून संविधान के हिसाब से बनता है। नक्सलियों की सोच के हिसाब से कानून नहीं बनाया जा सकता। मेहता की इसी टिप्पणी पर मुरलीधर ने घोर आपत्ति जताई और कहा, सॉलिसिटर ने अभी जिस उक्ति का इस्तेमाल किया है, उसे वापस लें। यह लाइव जा रहा है। मैं नहीं चाहता है कि सॉलिसिटर की यह उक्ति लाइव जाए। मैं इसपर कड़ी आपत्ति करता हूं। सॉलिसिटर वह शब्द दोहराएं, जो उन्होंने याचिकाकर्ता के लिए इस्तेमाल किए हैं।

टिप्पणी वापस लेने पर हुई बहस

इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा, मैं नहीं चाहता कि कोई सवाल उठाए...उन्होंने कहा कि उन्हें डिसिजन-मेकिंग पर आपत्ति है। यह संविधान के अनुसार है। जवाब में मुरलीधर ने कहा, ये टाल रहे हैं। मिस्टर सॉलिसिटर, प्लीज अपनी उक्ति वापस लें। इसपर जस्टिस बागची ने बीच-बचाव करते हुए कहा कि यह, बेवजह का तनाव और भावनाएं थीं। मुरलीधर नहीं रुके और कहा, उन्होंने शुरू किया। सॉलिसिटर इस तरह की उक्ति क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं? एक लॉ ऑफिसर को यह शोभा नहीं देता। मैंने कभी किसी लॉ ऑफिसर को इस तरह की अभिव्यक्ति का इस्तेमाल करते नहीं देखा। इसपर मेहता ने जवाब दिया, आप संविधान को चुनौती नहीं दे सकते।

केंद्र से हलफनामा दायर करने को कहा

इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने दखल देते हुए कहा, हम सिर्फ संवैधानिक व्याख्या के कानूनी मुद्दों की समीक्षा कर रहे हैं। हम उतने ही तक सीमित रहें। मुरलीधर फिर बोले, लेकिन,लॉ ऑफिसर से शिष्टाचार की अपेक्षा की जाती है। इस समय आकर बेंच ने याचिका पर केंद्र से काउंटर-एफिडेविट दाखिल करने का आदेश दिया। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बेंच के सामने मुरलीधर अपनी बात पर अड़े रहे और कहा, विद्वान सॉलिसिटर ने एक ऐसी उक्ति कही, जो लॉ ऑफिसर को शोभा नहीं देता। मैं अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराता हूं। इसपर जस्टिस बागची ने कहा, हमने उन टिप्पणियों को संज्ञान में नहीं लिया है। हम खुद को संवैधानिक मुद्दे तक सीमित रखते हैं। सॉलिसिटर ने दोहराया कि उन्होंने जो कुछ कहा उसपर उन्हें पछतावा नहीं है।

दूरसंचार कंपनियों को बिना डाटा वाले पैकेज भी देने होंगे

ट्राई ने जारी किया नया नियम

नई दिल्ली (वार्ता)

दूरसंचार कंपनियों को 30 दिन या उससे कम अवधि के हर वॉइस-एसएमएस-डाटा पैकेज के लिए अब बिना डाटा वाले वॉइस-एसएमएस पैकेज भी देने होंगे। भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण (ट्राई) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 30 दिन या उससे कम अवधि की वैधता वाले वॉइस-एसएमएस-डाटा पैकेजे के समकक्ष उसी अवधि का एक वॉइस-एसएमएस पैकेज भी होना चाहिए। इस पैकेज की कीमत समुचित रूप से कम होनी चाहिए। इसके अलावा, वॉइस-एसएमएस का कम से कम एक ऐसा पैकेज रखना भी जरूरी बना दिया गया है जिसका रिचार्ज हर महीने एक ही तारीख पर हो और यदि किसी महीने में वह तारीख नहीं है तो उस महीने की अंतिम तारीख को कराने की जरूरत हो। ट्राई के नये निर्देशों के अनुसार, वॉइस-एसएमएस का एक पैकेज ऐसा भी रखना अनिवार्य कर दिया गया है जिसकी अवधि 30 दिन या एक महीने से अधिक की अवधि वाले वॉइस-एसएमएस-डाटा पैकेज के समान हो। नियामक का कहना है कि इससे ग्राहकों को, विशेषकर कम आय वाले ग्राहकों को, ज्यादा विकल्प मिल सकेंगे। वे अपनी जरूरत और आर्थिक सामर्थ्य के हिसाब से रिचार्ज करा सकेंगे। कुल मिलाकर यह उन ग्राहकों के लिए काफी फायदेमंद होगा जो बिना डाटा के पैकेज चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि देश में आज भी बड़ी संख्या में लोग फीचर फोन का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें मजबूरी में डाटा का भी पैसा देना होता है जबकि वे उसका इस्तेमाल नहीं करते हैं। ट्राई ने इस संबंध में 04 अप्रैल को दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (13वां संशोधन) नियमन, 2026 का प्रारूप जारी किया था। उस पर हितधारकों से 1,132 प्रतिक्रियाएं मिली थीं। हितधारकों से मिली प्रतिक्रिया और अपने विश्लेषण के आधार पर ट्राई ने अंतिम संशोधन जारी किए हैं।

चढ़ावा चोरी के सरगनाओं को बचाने की चल रही है कार्रवाई : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने श्रीराम मंदिर में चढ़ावे चोरी के मामले में तीन महीने बाद भी आरोप पत्र दाखिल नहीं होने को सरगनाओ को बचाने की कोशिश करार देते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा की डबल इंजन सरकारें एसआईटी के नाम पर बड़े चोरों को बचाने की कार्रवाई कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि चढ़ावा चोरी के मामले में जांच शुरू हुए तीन महीने पूरे होने में सिर्फ तीन दिन शेष हैं लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है। यदि 25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई तो चढ़ावा चोरी के मामले के छोटे किरदारों को जमानत मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। श्री रमेश ने कहा कि देश की जनता को ऐसी एसआईटी और ऐसी किसी सरकारी चार्जशीट पर भरोसा नहीं है, जिसमें बड़ी मछलियों को बचाने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जो लोग कहते थे कि कुछ भी रिपोर्ट के लायक नहीं है उनकी अपनी जांच अब मान रही है कि चढ़ावे की चोरी 70 नहीं बल्कि सीसीटीवी में 105 बार सामने आ चुकी है जिसे वे चाहकर भी नकार नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार्जशीट दाखिल करने में देरी क्यों हो रही है, यह समझना मुश्किल नहीं है और मामला बड़े चोरों तथा उनके संरक्षकों से ध्यान हटाने का है। उन्होंने सवाल किया कि अयोध्या के भगवान श्रीराम मंदिर में सुनियोजित तरीके से की गई चढ़ावा चोरी के सरगनाओं को कौन और क्यों बचा रहा है। इस गंभीर मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी और चढ़ावा चोरी के आरोपियों की मदद पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं।

भारत में पहली बार एशिया का सबसे बड़ा हवाई अभ्यास

'तरंग शक्ति 2.0' में अपने एयरक्राफ्ट के साथ लेंगे हिस्सा 7 देश

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना के साल के सबसे बड़े मल्टीनेशनल अभ्यास 'तरंग शक्ति 2.0' की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। तरंग शक्ति के दूसरे एडिशन में इस बार सबकी नजरें होंगी पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट पर टिकी हैं। अमेरिका अपने एफ-35 के साथ अभ्यास में शिरकत कर रहा है। यह पहली बार होगा कि भारत में एफ-35 किसी सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रहा है। इससे पहले एयरो इंडिया में पहली बार एफ-35 शामिल हुआ था। भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बताया कि हम पहले भी एफ-35 ऑपरेट करने वाले देशों के साथ अभ्यास कर चुके हैं और उनके साथ आयोजित अभ्यासों में भाग लिया है। मेरी याददाश्त के अनुसार, ऐसे दो-तीन अभ्यास हो चुके हैं। हां, भारत में यह पहली बार है। उन्होंने पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट के संदर्भ में कहा है कि जहां तक फिफ्थ जेनरेशन के लड़ाकू विमान का सवाल है, इसके दो पहलू हैं। पहला, हम अपना पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित कर रहे हैं। इसके लिए हमारे पास आवश्यक सपोर्ट सिस्टम, कौशल और तकनीकी क्षमता भी है। दूसरा पहलू यह है कि इस क्षमता के विकास के माध्यम से हम आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित कर रहे हैं। मेरा मानना है कि यही अधिक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा कि हम इन देशों की भागीदारी और उनके द्वारा लाई जा रही क्षमताओं का लाभ उठाएंगे। आमतौर पर कुछ देश इस विशेष कॉन्स्ट्रक्ट का हिस्सा नहीं होते हैं। हम उन देशों के साथ अलग-अलग अभ्यास करते हैं, लेकिन वे इस अभ्यास का हिस्सा नहीं हैं। यह अभ्यास 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक जोधपुर एयरबेस पर आयोजित किया जा रहा है। दो हफ्ते से ज्यादा समय तक चलने वाले इस अभ्यास में पाकिस्तान सीमा के करीब मित्र देशों के लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना के साथ साझा युद्धाभ्यास करेंगे। तरंग शक्ति को लेकर ग्रुप कैप्टन टी देसवाल ने कहा कि अभ्यास एशिया का सबसे बड़ा हवाई अभ्यास होगा।

32 देश बनेंगे ऑब्जर्वर

इस अभ्यास में कुल 7 देश अपने एयरक्राफ्ट के साथ हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका के साथ-साथ बांग्लादेश भी शामिल है। इसके अलावा, 32 देश ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बताया कि 65 देशों को इन्वाइट किया गया था। इनका चयन अभ्यास के खास कॉन्स्ट्रक्ट के आधार पर किया गया है। इसी कॉन्स्ट्रक्ट के अनुसार इन देशों को चुना गया है। अभ्यास में भाग लेने वाले मित्र देशों की वायु सेनाओं के साथ हमारा एक निश्चित स्तर का इंटर-ऑपरेबिलिटी होगा। इसलिए उसी के अनुरूप अभ्यास का कॉन्स्ट्रक्ट तैयार किया गया है।

अब पर्यटन स्थलों पर आयोजित होंगे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह को पारंपरिक सम्मेलन कक्षों तक सीमित रखने के बजाय देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आयोजित किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर राष्ट्रीय कार्यक्रमों को देश के अलग-अलग हिस्सों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों को देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों तक ले जाया जाएगा। उन्होंने गुजरात के एकता नगर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह दुनिया भर में पहचान बना चुका आकर्षक पर्यटन स्थल है, जहां सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित है। राष्ट्रपति और देशभर के फिल्म जगत की प्रमुख हस्तियों के ऐसे स्थलों पर पहुंचने से अधिक लोगों को इन स्थानों को जानने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह को पर्यटन के माध्यम से और व्यापक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कमिश्नर ने जनसुनवाई में लोगों की सुनी समस्याएं एवं शिकायतें

नगर परिषद मानपुर के रोजगार सहायकों को वेतन का भुगतान करने के दिए निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने कमिश्नर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में संभाग के दूर-दराज क्षेत्रो से आएं लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में उमरिया जिले के नगर पारिषद मानपुर के रोजगार सहायक रामकुमार केवट, त्रियुगी नाथ पटेल एवं मनोज कुमार त्रिपाठी ने कमिश्नर को आवेदन करते हुए बताया कि नवगठित नगरपारिषद में रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ है हम लोगो को नगर परिषद मानपुर द्वारा 13 महीने से वेतन का भुगतान किया गया है हम लोगो को नगर परिषद से नियमित रूप से मिलता रहा है लेकिन मई 2026 से वेतन नही मिल रहा है। रोजगार सहायकों का कहना था कि कई त्यौहार निकल गए लेकिन वेतन नही मिला है जिससे हमारा परिवार आर्थिक तंगी से परेशान है। रोजगार सहायको का कहना था कि उन्हें 5 महीने का रूका हुआ वेतन दिलाया जाए। रोजगार सहायको की शिकायत पर कमिश्नर ने कलेक्टर उमरिया एवं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा रोजगार सहायको के लंबित वेतन का भुगतान शीघ्र कराने के निर्देश अधिकारियो को दिए। जनसुनवाई में उमरिया जिले के ग्राम सस्त्रा के शिवशंकर मिश्रा ने कमिश्नर को आवेदन करते हुए बताया कि उमरिया जिले के नौरोजाबाद तहसील के ग्राम सस्त्रा की शासकीय भूमि पर भू-माफियाओ द्वारा अवैध व्यावसायिक भवन का निर्माण किया गया है, वर्तमान में अवैध भूमि पर की गई कब्जे की कीमत लगभग 2 करोड रूपये है। पूर्व में हल्के में पदस्थ पटवारी द्वारा भू-माफिया के साथ मिलकर शासकीय भूमि पर आवासो का निर्माण किया गया गया है। उनका कहना था कि राजस्व विभाग द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए कोई भी कार्यवाही नही की गई है। ग्रामीण शिवशंकर का कहना था कि ग्राम सस्त्रा में बेष कीमती भूमि पर भू-माफियाओ द्वारा शासकीय भूमि पर किये गए निर्माण कार्यों को अतिक्रमणमुक्त किया जाएं। कमिश्नर ने ग्रामीण शिवशंकर मिश्रा की षिकायत का अतिगंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाली से शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण के संबंध में वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई तथा षिकायत की जांच कर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में जिले के ग्राम पंचायत लेदरा के ग्रामीण सूर्यदीन सिंह परस्ते ने कमिश्नर को आवेदन देकर बताया है कि ग्राम पंचायत लेदरा के राजस्व ग्राम डोंगरी टोला में 15 अगस्त को ग्राम सभा नही आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के सचिव पिछले कई ग्राम सभाएं अनियमित रूप से की है जिसका परिणाम ग्रामीणो पर बुरा पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणो ने ग्राम पंचायत सचिव से 15 अगस्त को ग्राम सभा करने की बात कहीं थी किन्तु ग्राम पंचायत के सचिव ने ग्रामीणो की बात टाल दी। उप सरपंच से भी ग्रामीणो से 15 अगस्त को ग्राम सभा करने के लिए कहा था लेकिन उप सरपंच ने भी टाल थी। ग्रामीण सूर्यदीन सिंह परस्ते का कहना था कि ग्राम पंचायत के विकास के लिए ग्राम सभा के निर्णय अति आवश्यक है। ग्रामीणो ने कमिश्नर ने मांग की कि ग्राम पंचायत लेदरा में निर्धारित तिथियों में ग्राम सभाओ का आयोजन कराया जाए। ग्रामीणो की षिकायत पर कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कमिश्नर ने अन्य आवेदनो पर भी सुनवाई की। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह, उपायुक्त विकास प्रेरणा सिंह, उप संचालक महिला एवं बाल विकास राकेश खरे, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेपी यादव, उपायुक्त सहकारिता सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

सिलेण्डर जांच के नाम पर घर में प्रवेश का मामला कलेक्टर से निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्यवाही की मांग

शहडोल (स्वतंत्रमत)

सोहागपुर थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-03 में सिलेण्डर जांच के नाम पर चार अज्ञात व्यक्तियों द्वारा घर में घुसकर महिलाओं से जलते हुए सिलेण्डर छीनने और घर के कमरों में सामान की तलाश करने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित परिवार ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर आरोपियों के विरुद्ध जांच कर कड़ी कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग की है। आवेदन में लक्ष्मी केशरी पति श्याम सुधीर गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक-03 सोहागपुर ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से उक्त स्थान पर निवासरत है और छह भाइयों के परिवार एक ही परिसर में रहते हैं। शिकायत के अनुसार 17 सितम्बर को दोपहर करीब 1.30 बजे चार व्यक्ति सिलेण्डर की जांच के बहाने घर में प्रवेश कर गए। उस समय घर में कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। आरोप है कि उक्त लोगों ने किचन में जल रहे सिलेण्डर महिलाओं से लेकर बाहर निकाल लिए तथा घर के अन्य कमरों में जाकर सामान की तलाश करने लगे। शिकायतकर्ता के अनुसार, संबंधित लोगों ने स्वयं को खाद्य विभाग का अधिकारी बताया, लेकिन कथित तौर पर कोई पहचान-पत्र अथवा घर में प्रवेश की अनुमति संबंधी दस्तावेज नहीं दिखाया। इस दौरान उनके साथ दो महिलाएं भी गेट के पास मौजूद थीं। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार के पुरुष सदस्य घर पहुंचे और सिलेण्डर वापस लेकर किचन में रखे। इसी दौरान कथित रूप से विवाद की स्थिति निर्मित हुई, जिसके बाद परिवार ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। आवेदन में कहा गया है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने संबंधित लोगों से पूछताछ की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके पास घर में प्रवेश करने संबंधी कोई अनुमति अथवा दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। पुलिस की पूछताछ के बाद सभी लोग वाहन में बैठकर वहां से चले गए। शिकायत में प्रदीप द्विवेदी नामक व्यक्ति के विरुद्ध पूर्व में सिलेण्डर चोरी की शिकायत किए जाने का भी उल्लेख किया गया है। आवेदक का आरोप है कि करीब दो वर्ष पूर्व उनके घर से सिलेण्डर चोरी हुआ था और सिलेण्डर वापस मांगने पर उनसे 15 हजार रुपये लिए गए, लेकिन सिलेण्डर वापस नहीं किया गया। इस संबंध में पूर्व में शिकायत एवं सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने की बात भी आवेदन में कही गई है। परिवार ने कलेक्टर से मांग की है कि छह परिवारों के सिलेण्डरों से संबंधित दस्तावेज आवेदन के साथ प्रस्तुत किए गए हैं।

स्वास्तिक गैलेक्सी में गूंजा गणपति भक्ति का उल्लास

शहडोल (स्वतंत्रमत)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वास्तिक गैलेक्सी परिवार द्वारा गैलेक्सी कम्पाउंड में विघ्नहर्ता, सुखदाता भगवान श्री गणेश की विधिवत स्थापना कर गणेशोत्सव का आयोजन भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ किया जा रहा है। 15 सितंबर को भगवान श्री गणेश की स्थापना के साथ शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालु गणपति आराधना में शामिल हो रहे हैं। गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर 19 सितंबर को भगवान श्री गणेश को 56 भोग अर्पित किया गया। संध्याकालीन महाआरती के पश्चात गणपति के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर स्वास्तिक गैलेक्सी परिवार के सदस्यों ने भक्ति भाव से नृत्य किया। इस दौरान पूरा गैलेक्सी कम्पाउंड गणपति बप्पा के जयकारों और भजनों से गूंज उठा। इसी क्रम में 20 सितंबर को रामसखा आश्रम के महंत श्री उमेश शरण जी महाराज के सानिध्य में सत्संग का आयोजन किया गया। महंत जी ने भगवान श्री गणेश की महिमा के साथ-साथ राम नाम की महिमा का वर्णन भजन, कीर्तन एवं सत्संग के माध्यम से किया। उनके आध्यात्मिक प्रवचनों से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। 21 सितंबर को महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें गैलेक्सी परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से भगवान श्री गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना गणेशोत्सव की धार्मिक श्रृंखला में 23 सितम्बर मंगलवार को सुंदरकांड पाठ किया गया ।

आरक्षण का आधार आर्थिक करने और यूजीसी प्रावधानों की समीक्षा की मांग

सवर्ण समाज एवं करणी सेना ने डिंडौरी में निकाली रैली, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिला मुख्यालय में मंगलवार को सवर्ण समाज एवं करणी सेना के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न मांगों को लेकर रैली आयोजित की गई। रैली के बाद राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित प्रावधानों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम, सभी वर्गों को समान अवसर तथा देश में समान संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। संगठन की ओर से बताया गया कि जिले के विभिन्न विकासखंडों से सवर्ण समाज एवं करणी सेना के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने कहा कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर लंबे समय से चर्चा की जा रही है। इसी क्रम में 13 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न विकासखंडों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने भाग लेकर मांगों और सुझावों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 22 सितंबर को जिला मुख्यालय में रैली निकालकर शासन तक अपनी बात पहुंचाने का निर्णय लिया गया था। ज्ञापन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित ऐसे प्रावधानों एवं नीतियों की पुनः समीक्षा किए जाने की मांग की गई है, जिनको लेकर संगठन के अनुसार समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष एवं आशंकाएं उत्पन्न हो रही हैं। संगठन ने मांग की है कि

ऐसे प्रावधानों पर व्यापक स्तर पर विशेषज्ञों और सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श किया जाए। आवश्यक होने पर संबंधित प्रावधानों में बदलाव अथवा उन्हें वापस लेने की दिशा में निर्णय लिया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि उच्च शिक्षा से जुड़े नियम एवं नीतियां विद्यार्थियों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों को प्रभावित करती हैं। इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण प्रावधान को लागू करने से पहले व्यापक चर्चा एवं सभी हितधारकों के विचारों को महत्व दिया जाना चाहिए। ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए आर्थिक स्थिति को भी प्रमुख आधार बनाए जाने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को भी शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी अवसरों में पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। संगठन ने कहा कि समाज में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार प्रत्येक वर्ग में मौजूद हैं। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अवसर उपलब्ध कराने के लिए आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। ज्ञापन के माध्यम से सरकार से इस विषय पर व्यापक स्तर पर विचार करने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित कानूनों की भी समीक्षा किए जाने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य वास्तविक पीड़ितों को संरक्षण प्रदान करना है और यह संरक्षण बना रहना चाहिए। साथ ही संगठन ने मांग की कि यदि किसी मामले में कानून के दुरुपयोग की शिकायत सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच एवं परीक्षण के लिए प्रभावी कानूनी और प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संगठन ने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से पीड़ित व्यक्तियों को कानून का संरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन किसी भी कानून के कथित दुरुपयोग की शिकायत सामने आने पर निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से उसका परीक्षण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सिंगल टोला रेलवे फाटक पर आरओबी की मांग को लेकर कांग्रेस ने नारेबाजी करते हुए सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय उमरिया के सिंगल टोला रेलवे फाटक पर लंबे समय से बनी आवागमन की समस्या को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सोमवार 21 सितंबर को जुलूस निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सिंगल टोला रेलवे फाटक पर आरओबी बनाओकृअंडरब्रिज से आवागमन शुरू करो सहित विभिन्न नारे लगाए। इसके बाद रेलवे के डीआरएम एवं जिला कलेक्टर उमरिया के नाम ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सिंगल टोला रेलवे फाटक उमरिया नगर के साथ-साथ आसपास के लगभग 50 गांवों के नागरिकों के दैनिक आवागमन का महत्वपूर्ण मार्ग है। रेलवे फाटक पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान लंबे समय तक फाटक बंद रहने से लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। इससे आम नागरिकों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों तथा अन्य यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र में तीसरी रेलवे लाइन का कार्य होने के बाद रेलवे फाटक पर आवागमन की समस्या और अधिक बढ़ गई है। वहीं चौथी रेल लाइन को भी मंजूरी मिल चुकी है। ऐसे में आने वाले समय में ट्रेनों की संख्या और रेल यातायात बढ़ने की संभावना के बीच सिंगल टोला रेलवे फाटक पर जाम और प्रतीक्षा की समस्या और गंभीर हो सकती है।

उमरिया मुख्यालय पहुंचने पर जन संकल्प यात्रा का किया गया आत्मीय स्वागत, कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से वाराणसी से रवाना होकर बड़नगर जाने वाली जन संकल्प यात्रा का मंगलवार 22 सितंबर को उमरिया पहुंचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा का घंघरी तिराहा, गांधी चौक, जय स्तंभ चौक में गाजे बाजे के साथ तिलक लगाकर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा दल के सदस्यों ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर मरीजों को फल का वितरण किया। उन्होने उपचार रत मरीजों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री जी व्दारा प्रारंभ किए गए आयुष्मान भारत योजना के संबंध में जानकारी ली तथा इसका लाभ लेने की अपेक्षा की। उन्होने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रूपये तक के निशुल्क इलाज की सुविधा है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मुक्त भारत बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे है। इस अवसर पर यात्रा दल के सदस्यों ने रक्तदान भी किया । जिला चिकित्सालय में क्षय रोग एवं सिकल सेल के उपचार से स्वस्थ्य हुए मरीजों ने प्रधानमंत्री जी को हदय से धन्यवाद देते हुए उनके सुदीर्घ जीवन की कामना की तथा कहा कि समुचित चिकित्सा उपचार से वह अब स्वस्थ्य हो चुके है। जन संकल्प यात्रा उमरिया जिला मुख्यालय स्थित गौ संस्थान पहुंची जहां यात्रा दल के सदस्यो ने गौ वंश को गौ ग्रास खिलाया। उल्लेखनीय है कि ताला में रात्रि विश्राम करने के उपरांत यात्रा परासी होते हुए बरबसपुर पहुंची थी। बरबसपुर में यात्रा दल ने ग्राम चौपाल लगाई।

पाली स्थित कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं का प्रदर्शन, कलेक्टर से मिलने की जिद पर अड़ीं

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित कन्या शिक्षा परिसर में सोमवार 21 सितंबर को उस समय स्थिति चर्चा का विषय बन गई, जब परिसर की छात्राएं अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर लामबंद हो गईं। छात्राओं ने समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए संस्थान के मुख्य गेट पर बैठकर विरोध जताया। छात्राओं की मांग थी कि उनकी समस्याएं सीधे जिला कलेक्टर के सामने रखी जाएं और उनका समाधान कराया जाए। जानकारी के अनुसार, छात्राओं ने अपनी समस्याओं को लेकर स्थानीय अधिकारियों से बातचीत करने के बजाय सीधे कलेक्टर से मुलाकात की मांग रखी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्राएं मुख्य गेट पर एकत्रित हो गईं और वहीं बैठ गईं। छात्राओं के इस विरोध के चलते परिसर की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे। बताया गया कि काफी समय तक छात्राएं गेट पर बैठी रहीं। इस दौरान प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानने का प्रयास किया गया।

जनसुनवाई में 81 आवेदन, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

मौके पर निराकरण योग्य प्रकरणों का तत्काल समाधान, पेयजल, खेत तालाब, भर्ती अनियमितता और छात्रावास से जुड़ी शिकायतें भी पहुंचीं

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। जनसुनवाई में कुल 81 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान मौके पर निराकरण योग्य प्रकरणों का तत्काल समाधान किया गया। वहीं जिन मामलों में जांच अथवा विभागीय कार्यवाही की आवश्यकता थी, उनके लिए समय-सीमा तय करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। खेत तालाब की राशि नहीं मिलने की शिकायत विकासखंड डिंडौरी के ग्राम रहंगी निवासी जेठू सिंह ने खेत तालाब की राशि का भुगतान नहीं होने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सुश्री हीरा टांडिया ने प्राथमिक शाला दपकी टोला, संकुल केंद्र मूसामुंडी में अतिथि शिक्षक वर्ग-3 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायत की। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को मामले की जांच कर नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी तरह जगदीश सिंह मरावी ने छात्रावास अधीक्षक पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए शिकायत प्रस्तुत की। इस पर कलेक्टर ने बीईओ अमरपुर को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्राम कनेरी माल के ग्रामीणों ने पठना टोला, झंझा टोला एवं इमली टोला में बोर खनन के बाद हैंडपंप स्थापित कराने की मांग रखी। ग्रामीणों का कहना था कि हैंडपंप लगने से इन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या दूर हो सकेगी। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री पीएचई को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा ग्राम पंचायत भाजीटोला में विभिन्न विकास कार्यों में अनियमितता की जांच, धान खरीदी केंद्र शुरू कराने, अनुग्रह सहायता राशि दिलाने तथा अपूर्ण प्रधानमंत्री सड़क निर्माण कार्य को पूरा कराने संबंधी आवेदन भी जनसुनवाई में प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसका परीक्षण करें और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

सूर्य के सामने आएगी भूमध्य रेखा, आज बराबर होंगे दिन और रात

हमारे सौर मंडल में ना जाने कितने रहस्य छिपे हुए है। एक तरफ जहां सूर्य द्वारा पृथ्वी के दौरान पृथ्वी में अलग.अलग समय पर दिन और रात होते है। वहीं साल में 2 बार ऐसा समय भी आता है जब दिन और रात एक समान होते है। पहला 21 मार्च और दूसरा आज का दिन, यानी 23 सितंबर। आज के दिन दिन और रात दोनों का समय 12-12 घंटे का होगा। इसके बाद से दिन छोटे और रातें लंबी होनी शुरू हो जाएंगी। इसी प्रकार यही स्थिति 21 मार्च को भी होती है। तब दिन लंबे होते हैं और रातें छोटी होने लगती है।

ऐसे होती है अनोखी खगोलीय घटना

ब्रह्मांड में सूर्य अपने निर्धारित कक्ष में चक्कर लगाता है। इसकी दिशा उत्तर से दक्षिण रहती है। अपनी धुरी पर 23.5 डिग्री झुकी पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगा रही है। 21 मार्च और 23 सितंबर को पृथ्वी की भूमध्य रेखा बिल्कुल सूर्य के सामने पड़ती है, जिससे दिन और रात बराबर हो जाते हैं। इसके बाद सर्दियों के आने की आहट शुरू हो जाती है। दिन छोटे जबकि राते लंबी होती हैं।

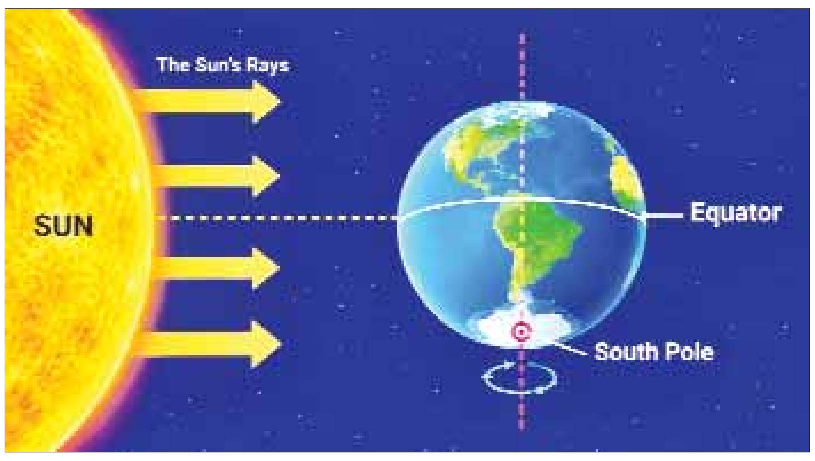

21 मार्च के बाद से गर्मी दस्तक देती है। दिन लंबे और रातें छोटी हो जाती हैं।

इस तरह बदलता है मौसम

मौसम विज्ञानिकों के अनुसार 23 सितंबर को जब सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध में प्रवेश करता है तो पृथ्वी का मौसम बदल जाता है। इसके पीछे सूर्य और पृथ्वी का सौरमंडल में रोटेशन ;नियमित आवर्तन कारण है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर तिरछी पड़ती हैं। यही वजह है कि 23 सितंबर के बाद शरद ऋतु के साथ गुलाबी ठंडक पड़ने लगती है।

सर्दियों में दिन छोटे, रात लंबी क्यों

आज के बाद सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध की ओर यानी दक्षिणायन हो जाता है। दिन छोटे और रातें लंबी होने लगती हैं, क्योंकि उत्तरी गोलार्द्ध में सूर्य की किरणें तिरछी पड़ने लगती हैं। शाम जल्दी यानी सूर्यास्त जल्दी हो जाता है। दिन के उजाले का समय घटने के साथ रातें लगातार लंबी होती जाएंगी। ये मौसमी चक्र 21-22 दिसंबर ;साल का सबसे छोटा दिन तक चलता रहता है।

प्राचीन सभ्यताओं में भी इस दिन का जिक्र

खगोलविद् बताते हैं कि इसको लेकर पूरी दुनिया में मानव सभ्यता की अनेकों प्राचीन मान्यताएं भी रही हैं। जैसे कि मिस्र की सभ्यता में कुछ पिरामिड और मंदिर विशेष स्थान एवं खगोलीय यंत्र ऐसे बनाए गए थे कि संपात बिंदू के दिन सूर्य की किरणें विशेष कोण पर पड़ें। माया सभ्यता में चिचेन इत्ज़ा के पिरामिड पर इस दिन सूर्य की छाया सांप के आकार की प्रतीत होती थीए जिसे देवता कुकुलकन का आगमन माना जाता था। यूनान और रोम में इस दिन को फसल कटाई ऋतु परिवर्तन का त्योहार माना जाता था। प्राचीन कालीन भारतीय वैज्ञानिक इतिहास में भारतीय प्राचीन पंचांग और प्राचीन खगोल विज्ञानए गणित ज्योतिष में संपात बिंदुओं को ऋतु परिवर्तन का संकेत माना है। इसे कृषि चक्र और पर्व त्योहारों आदि से भी जोड़ा गया है।

संयोगिता पांडे
शिक्षक, हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

पर्यावरणः हमारी अनमोल धरोहर

स्वच्छ हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतु हमारे जीवन का आधार हैं। इनकी रक्षा करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हमारे चारों ओर मौजूद प्राकृतिक और जीवित चीजों से मिलकर हमारा पर्यावरण बनता है। हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और अन्य जीव-जंतु सभी पर्यावरण का हिस्सा हैं। स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण का होना बेहद जरूरी है।

पर्यावरण का महत्व

पर्यावरण हमें जीवन की आवश्यक वस्तुएं प्रदान करता है। पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन देते हैं और वायु को शुद्ध करने में मदद करते हैं। नदियां, तालाब और वर्षा हमें पानी उपलब्ध कराते हैं। मिट्टी से हमें अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं। पेड़-पौधे अनेक जीवों को भोजन और आश्रय भी देते हैं। वायुमंडल की ओजोन परत सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करती है।

बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय

मानवीय गतिविधियों के कारण पर्यावरण तेजी से प्रदूषित हो रहा है। कारखानों और वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु को प्रदूषित करता है। प्लास्टिक और रासायनिक कचरा नदियों और मिट्टी को नुकसान पहुंचाता है। बढ़ते शहरों और निर्माण कार्यों के कारण पेड़ों की कटाई हो रही है। जंगल कम होने और प्रदूषण बढ़ने से जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं भी गंभीर होती जा रही हैं।

संरक्षण के लिए उठाएं कदम

पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना जरूरी है। पानी और बिजली की बर्बादी रोकें तथा वर्षा जल का संग्रह करें। प्लास्टिक की थैलियों के बजाय कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करें। गीले और सूखे कचरे को अलग रखें। छोटी दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत अपनाएं।

हमारी जिम्मेदारी

पर्यावरण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें संकल्प लेना चाहिए कि पेड़ नहीं काटेंगे, अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे और पानी, बिजली तथा प्राकृतिक संसाधनों की बचत करेंगे।

भूमिका वर्मन
कक्षा 9 वीं, हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

शिक्षक और विद्यार्थी के बीच पीढ़ीगत अंतर : दूरी नहीं, संवाद चाहिए

आज विद्यार्थी की भाषा, सीखने की गति, साधन और दुनिया को देखने का नजरिया पहले से अलग है। वह ऐसे समय में जी रहा है, जहां जानकारी कुछ ही क्षणों में उपलब्ध हो जाती है। ऐसे में यदि शिक्षक पुरानी शिक्षण पद्धतियों और पुराने संवाद तक सीमित रहें, तो शिक्षक और विद्यार्थी के बीच दूरी बढ़ना स्वाभाविक है। यह दूरी केवल उम्र की नहीं, बल्कि दो अलग-अलग समय और अनुभवों की दूरी है। शिक्षक के समय में पुस्तक, पुस्तकालय और कक्षा ज्ञान के प्रमुख स्रोत थे, जबकि आज का विद्यार्थी मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच सीख रहा है। कई बार वह शिक्षक से पहले नई तकनीक के बारे में जान लेता है और विभिन्न स्रोतों से अपनी समझ बनाता है। ऐसे में शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है, बल्कि बदल गई है। आज शिक्षक को केवल जानकारी देने वाले व्यक्ति के बजाय मार्गदर्शक, विचार विकसित करने वाले और विवेक जगाने वाले व्यक्ति की भूमिका निभानी होगी।

विद्यार्थी को समझना जरूरी

पीढ़ीगत अंतर कम करने का पहला उपाय है कि शिक्षक नई पीढ़ी को समझें। हमारे समय में ऐसा नहीं था कहने के बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आज का विद्यार्थी क्या सोचता है, किन दबावों से गुजर रहा है, उसकी रुचियां क्या हैं, वह किस तरह सीखना पसंद करता है।

शिक्षक भी रहें अपडेट

शिक्षक के लिए लगातार सीखते रहना जरूरी है। स्कूल स्तर पर बाल मनोविज्ञान, नई शिक्षण पद्धतियों और डिजिटल व्यवहार की समझ जरूरी है। वहीं महाविद्यालय के शिक्षकों को अपने विषय की नई शोध, बदलते सामाजिक संदर्भ, रोजगार की आवश्यकताओं और तकनीकी बदलावों से परिचित रहना चाहिए।

संवाद को दें प्राथमिकता

नई पीढ़ी केवल सुनना नहीं चाहती, वह अपनी बात भी रखना चाहती है। कक्षा में प्रश्न, चर्चा, गतिविधि, प्रस्तुति, समूह कार्य विचार-विमर्श के अवसर बढ़ने चाहिए। विद्यार्थी की असहमति को अनुशासनहीनता मानने के बजाय सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझना चाहिए।

तकनीक का संतुलित उपयोग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक जानकारी दे सकती है, लेकिन हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं। शिक्षक विद्यार्थियों को जानकारी की सत्यता जांचना, विश्वसनीय स्रोत पहचानना, तकनीक का उपयोग अपनी सोच को मजबूत करने के लिए करना सिखाना चाहिए।

पीढ़ीगत अंतर का समाधान यह नहीं कि शिक्षक विद्यार्थी जैसा बन जाए, बल्कि यह है कि शिक्षक विद्यार्थी की दुनिया को समझे और अपने अनुभव से उसे आगे बढ़ने की दिशा दे। शिक्षक के पास वर्षों का अनुभव है और विद्यार्थी के पास नई दुनिया की गति। यदि दोनों एक-दूसरे से सीखें, तो यही अंतर शिक्षा की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है।

डॉ. सुनीता बजाज
विभागाध्यक्ष, कला संकाय हितकारिणी महिला महाविद्यालय, जबलपुर।

एक अच्छे शिक्षक की शुरुआत स्वयं से होती है

समाज में शिक्षक को राष्ट्र निर्माता, भविष्य निर्माता और ज्ञान का दीपक कहा जाता है। हम अक्सर चर्चा करते हैं कि शिक्षक को विद्यार्थियों, विद्यालय और समाज के लिए क्या करना चाहिए। लेकिन एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि शिक्षक को स्वयं के लिए क्या करना चाहिए? जिस दीपक से पूरा घर रोशन होता है, उसमें भी तेल होना जरूरी है। इसी तरह शिक्षक का स्वयं स्वस्थ, ऊर्जावान और सीखने के लिए तैयार रहना आवश्यक है। दुनिया तेजी से बदल रही है। नई तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट क्लास ने शिक्षा के तरीके बदल दिए हैं। शिक्षक को अपने विषय की नई किताबें पढ़नी चाहिए, नए शोध से जुड़ना चाहिए और तकनीक सीखनी चाहिए। सीखते रहने वाला शिक्षक ही कक्षा को जीवंत और प्रासंगिक बना सकता है।

शिक्षक दिनभर विद्यार्थियों, कॉपियों और विद्यालय के कार्यों में व्यस्त रहता है। ऐसे में अपने स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। रोज 30-40 मिनट व्यायाम, योग या पैदल चलने के साथ संतुलित भोजन और परिवार के लिए समय निकालना जरूरी है। स्वस्थ शिक्षक ही विद्यार्थियों में ऊर्जा और उत्साह भर सकता है।

दिन के अंत में कुछ समय स्वयं से सवाल करने के लिए निकालेंकृक्या आज किसी विद्यार्थी को बेहतर समझ पाया? क्या किसी बच्चे के साथ अनजाने में भेदभाव हुआ? क्या आज मैंने कुछ नया सीखा? इन सवालों के जवाब शिक्षक को लगातार बेहतर बनने में मदद करते हैं। डायरी लिखना भी आत्मचिंतन का अच्छा माध्यम है। अनुभव बढ़ने के साथ यह भावना नहीं आनी चाहिए कि शिक्षक ही हमेशा सही है। कई बार एक छोटा विद्यार्थी भी जीवन की बड़ी सीख दे सकता है। विनम्र शिक्षक से विद्यार्थी सहज होकर सवाल पूछते हैं और अपनी बात खुलकर रखते हैं।

प्रियंका दुबे
शिक्षक, केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

आधुनिक भारतीय इतिहास के रोचक तथ्य

1 सन 1498 में वास्को-डि-गामा समुद्री मार्ग से भारत पहुंचा। वास्को-डि-गामा सबसे पहले कालीकट पहुंचा था।

2 सन 1600 में अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई। कंपनी को व्यापार का अधिकार इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने दिया।

3 सन 1613 में अंग्रेजों ने सूरत में अपनी पहली फैक्ट्री स्थापित की।

4 सन 1757 में प्लासी का युद्ध हुआ। प्लासी के युद्ध में अंग्रेजों का नेतृत्व रॉबर्ट क्लाइव ने किया। इस युद्ध में अंग्रेजों ने सिराजुद्दौला को हराया।

5 सन 1764 में बक्सर का युद्ध हुआ। बक्सर के युद्ध में अंग्रेजों की जीत हुई।

6 सन 1829 में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया गया। सती प्रथा पर प्रतिबंध के समय गवर्नर-जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिंक था।

7 राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के विरुद्ध महत्वपूर्ण अभियान चलाया। 1828 में राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज स्थापना की।

8 सन 1853 में भारत में पहली यात्री रेल चली। पहली रेल बंबई से ठाणे के बीच चली।

9 सन 1858 में भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन के अधीन चला गया। 1858 में भारत का पहला वायसराय लॉर्ड कैनिंग बना।

'सपनों को इबारत देने की जरूरत'

राजेन्द्र मिश्रा

''शिक्षा की आंखें नहीं होती हैं, यह पाठ्यक्रम के चश्मे से वही देखती हैं, जो नीतियां दिखाना चाहती हैं।''

ऐसे में स्कूल के माहौल में व्यक्तित्व विकास की गुणवत्ता के मार्ग प्रशस्त करने के लिए, कम्प्यूटर लैब को तो प्राथमिकता मिल जाती है, लेकिन पुस्तकालय में रखी किताबों या अतिरिक्त ज्ञान की कुंजी तक छात्रों को कौन पहुंचाएगा। स्कूली माहौल की दुरुस्ती में कई बदलाव गाहे बगाहे नीतियों के खाकों में होते रहते हैं, लेकिन सोच के दायरे को विस्तृत आकार देने की आवश्यकता आज भी है। पाठ्यक्रमों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन अकसर परीक्षा परिणामों की प्रक्रिया में समाया रहता है, इसलिए व्यक्तित्व विकास की स्वाभाविकता गौण होने लगी है। बच्चों को शिक्षा के आरंभिक कक्षा से ही परीक्षाओं के लिए तैयार होना सिखाया जाता है, जहां मौलिक टेलेंट और क्षमता के दोहन को नजरअंदाज होना पड़ता है। बच्चे आरंभिक आयु के दौर में जिस हुनर के करीब खुद खड़ा कर सकते हैं, वहां अगर स्कूल परिसर भी बाहें फैला दें, तो यह सोने पर सुहागा होगा। सीखने की कला को आदत बनाने के उपक्रम में आर्ट एंड क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, लीडरशिप अभियान, स्काउटिंग-एनसीसी, भाषण प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भागीदारी काम आती है, लेकिन शिक्षा के उच्चारण में ये कसौटियां फिजूल साबित होती हैं। स्कूल की हर गतिविधि का संयोग प्रोफेशनल उत्थान से जुड़ना चाहिए। उन सपनों को इबारत देने की जरूरत है, जो विज्ञान से बाहर अन्य विषयों की बुलंदी लिख सकें। प्रायः देखा यह जाता है कि छात्र जीवन के बाद अपनी क्षमता खोजते युवाओं को विभिन्न प्रोफेशनल या रोजगार की उपलब्धता से जूझना पड़ता है। स्कूलों में आठवीं और उसके बाद ऐसे मौके आ सकते हैं, जब छात्र अपने आसपास की दुनिया को देख व महसूस कर सकें। इन दोनों संभावनाओं के बीच आठवीं तक प्रदेश भ्रमण और बारहवीं तक देश भ्रमण की अनिवार्यता का पाठ्यक्रम बने, तो दुनिया और खुद को देखने का नजरिया बदलेगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड, शिक्षा विभाग, सरकार और अभिभावकों के योगदान से स्कूल स्तर की दो यात्राएं बच्चे को प्रदेश और देश से मुलाकात करवा कर उन्हें व्यापक दृष्टि विकसित करने में मदद कर सकती हैं। संस्कारधानी में कम से कम एक साइंस सिटी विकसित करके बच्चों के वैज्ञानिक सोच को आधुनिक युग की व्यावहारिकता से जोड़ना होगा। आश्चर्य यह कि स्कूली सपनों में आजकल कुछ निजी अकादमियों के व्यावसायिक लक्ष्य, प्रेरणा स्रोत बन जाते हैं और इसीलिए बच्चे आंख मूंद कर अपने हुनर या व्यक्तित्व की ऊर्जा व शक्ति को देखादेखी या होड़ में खो देते हैं।

शब्द पहेली - 8983

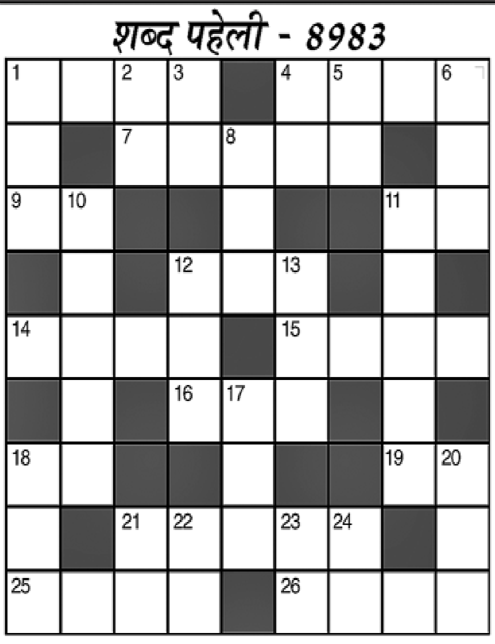

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8982 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन व लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की

संबल 2.0 में बेहतर कार्य करने वाले जनपद सीईओ को दी बधाईअगला जन संवाद शिविर 25 सितम्बर को करेलीकलां में होगा आयोजित

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा, सीएम मॉनिट, विभिन्न विभागीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अधिकारियों को शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अभियान के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा पोर्टल पर जानकारी एवं प्रगति की प्रविष्टियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा एवं मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। विदित है कि 25 सितम्बर को जनपद पंचायत गोटेगांव के करेलीकलां में जन संवाद शिविर का आयोजन होगा। बैठक में एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में होने वाली गतिविधियों के बारे में भी चर्चा की गई। जन सेवा संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2× से 26 सितंबर तक विभिन्न स्थानों पर गतिविधियां होंगी। 2× सितंबर को सरसला आगमन से यात्रा शुरू होगी और 24 सितंबर को तेंदूखेड़ा से अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान होगा। रूट क्रमांक-7 के तहत 24 सितंबर को गोटेगांव में आगमन के बाद खेल एवं स्वास्थ्य जागरूकता कैंप से गतिविधियों की शुरुआत होगी। 25 सितंबर को नरसिंहपुर से यात्रा आगे बढ़ते हुए करेली, करपगांव, बोहानी, गाडरवारा और पनागर-सालीचौंका पहुंचेगी तथा 26 सितंबर की सुबह अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

पीएम किसान और संबल 2.0 की प्रगति की समीक्षा

बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि योजना से संबंधित शिकायतों एवं उनके निराकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा इसकी दैनिक समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार संबल 2.0 योजना की प्रगति, पंजीयन एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने तथा पंजीयन एवं प्रकरणों के निराकरण की प्रगति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस कार्य में सभी जनपद पंचायत सीईओ के द्वारा बेहतर कार्य करने पर बधाई दी। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पीएम जनमन योजना एवं जनजातीय क्षेत्रों में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने तथा भ्रमण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया।

खाकी का बदला अंदाज कोठी में दिखी मानवता वाली पुलिसिंग

थाना प्रभारी संतोष तिवारी की कार्यशैली ने जीता दिल

सतना, स्वतंत्रमत

पुलिस की वर्दी का नाम आते ही अक्सर लोगों के जेहन में सख्ती रौब और दूरी का अहसास होता है। लेकिन सतना जिले के कोठी थाने में खाकी की एक बिल्कुल अलग तस्वीर देखने को मिल रही है। यहां थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष तिवारी ने अपनी मानवीय कार्यशैली से यह साबित कर दिया है कि वर्दी का मतलब सिर्फ डंडा नहीं बल्कि भरोसा और अपनापन भी होता है।

कोठी थाना प्रभारी के रूप में पदभार संभालने के बाद से ही संतोष तिवारी ने पुलिस और जनता के बीच की खाई को पाटने का काम किया है। थाने में फरियाद लेकर आने वाले बुजुर्ग हों महिला हो या युवा हर किसी से मुस्कुराकर बात करना कुर्सी पर बैठाकर उसकी पूरी बात को ध्यानपूर्वक सुनना और उसकी समस्या को अपनी समस्या समझना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। लोग बताते हैं कि थाने में अब डर नहीं लगता बल्कि लगता है कि कोई अपना सुनने वाला बैठा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि किसी पीड़ित के लिए सिर्फ उसकी रिपोर्ट दर्ज होना ही काफी नहीं होता। उसे सबसे ज्यादा जरूरत होती है कि कोई उसकी बात को धैर्य से सुने। संतोष तिवारी इसी भरोसे को मजबूत कर रहे हैं। फोन पर भी किसी भी समय सूचना मिलने पर तुरंत रिस्पांस देना और मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालना उनकी कार्यप्रणाली की सबसे बड़ी खासियत है।

कानून का सख्त पहरेदार आमजन का हमदर्द

कानून.व्यवस्था के मामले में वे बेहद सख्त हैं। अपराध और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कोताही नहीं बरतते लेकिन आम आदमी के प्रति उनका व्यवहार बेहद संवेदनशील है। यही संतुलन उन्हें दूसरे अधिकारियों से अलग बनाता है। उनकी इसी कार्यशैली के चलते आज कोठी क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों का नजरिया बदला है। पहले जहां लोग थाने जाने से कतराते थे वहीं अब बेझिझक अपनी समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। पुलिस और जनता के बीच संवाद का यह नया सेतु पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों के बीच आम चर्चा है कि अगर हर थाने में ऐसी ही संवेदनशील पुलिसिंग हो तो अपराध खुद.ब.खुद कम हो जाएगा।

वाकई वर्दी की सख्ती के साथ व्यवहार में नरमी रखना हर किसी के बस की बात नहीं। कोठी थाना प्रभारी संतोष तिवारी ने यह कर दिखाया है और खाकी को एक नया भरोसेमंद चेहरा दिया है।

युवाओं को माय भारत की गतिविधियों से जोड़ें और सहभागी बनाएं- कलेक्टर श्रीमती सिंह

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मेरा युवा भारत के तत्वाधान में माय भारत जिला सलाहकार समिति एवं माय भारत जिला समन्वय समिति की संयुक्त बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य जिले के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, एनएसएस एवं एनसीसी के नोडल अधिकारी, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नोडल अधिकारी तथा सचिव, भारत रेडक्रॉस सोसाइटी सहित समिति के सदस्य मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले के युवाओं को 'माय भारत' की विभिन्न गतिविधियों से अधिक से अधिक जोड़ने तथा युवा शक्ति को रचनात्मक एवं राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सहभागी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ युवाओं तक योजनाओं, कार्यक्रमों एवं अवसरों की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार को सकारात्मक दिशा देकर उन्हें विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया जा सकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग अपने-अपने स्तर पर युवाओं की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में समिति के सदस्य सचिव एवं जिला युवा अधिकारी श्री उमंग कुमार जैन ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया ?कि विकसित भारतञ्च2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के माध्यम से जिले के प्रतिभाशाली युवाओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने माय भारत पोर्टल पर संचालित होने वाली राष्ट्रीय एवं जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिताओं, युवा पंजीयन अभियान तथा विभिन्न डिजिटल युवा पहलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी विभागों से अपने-अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में 'माय भारत' पोर्टल से जोड़ने तथा उन्हें विभिन्न युवा गतिविधियों में सहभागी बनाने का आह्वान किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेभर में चित्रकला भाषण एवं प्रदर्शनी सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा का किया उत्साहवर्धन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए चित्रकला, भाषण, पोस्टर प्रदर्शनी एवं पुरस्कार वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय चांवरपाठा में आयोजित चित्र प्रदर्शनी का सोमवार को अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत चित्रों एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियों की सराहना की तथा प्रतियोगिता में सहभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। चित्र प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से देश के उज्वल भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों में विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत की परिकल्पना को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारतञ्च2047' के संकल्प को साकार करने में युवा और विद्यार्थी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों और विचारों में ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव दिखाई देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य संबंधितजन उपस्थित रहे। अभियान के तहत विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश और पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल की मौजूदगी में सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव में चित्रकला, भाषण और प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि खेल और युवा ही देश की असली ताकत हैं। ब'चों को खेल के साथ-साथ संस्कार और शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने ब'चों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नशा मुक्त भारत के आह्वान को पूरा करने के लिए दारू, खैनी, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट जैसी चीजों से दूर रहना होगा। मोबाइल के अधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जताई और ब'चों को मोबाइल का सीमित और सही उपयोग पढ़ाई के लिए करने की सलाह दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री हाकम सिंह चढ़ार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी और नागरिक मौजूद थे। अभियान के तहत जिले के सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में श्री अमितेंद्र नारोलिया, श्री मनमोहन सलूजा, प्राचार्य श्री प्रभात मिश्रा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रियंका मेहरा, द्वितीय कृतिका सिलावट एवं तृतीय सिद्धि नेमा ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रिचा गोस्वामी, द्वितीय रिहान अली एवं तृतीय स्तुति तिवारी रहे। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया इसी प्रकार एकीकृत शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा- गरगटा में विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों एवं पोस्टरों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम में श्री सुमित पटेल, श्री सुरेंद्र सिंह पटेल, प्राचार्य श्रीमती विनीता पांडे, शिक्षक श्री विनोद मेहरा सहित अन्य विद्यालय का स्टाफ और नागरिक मौजूद थे। चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल लिलवानी, शासकीय किसानी पूर्व माध्यमिक शाला गाडरवारा, एकीकृत माध्यमिक विद्यालय चौराखेड़ा, शासकीय कन्या उ'चतर माध्यमिक विद्यालय सालीचौका, शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय बचई सहित विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने और सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी और नागरिक मौजूद थे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा, विचारों एवं कल्पनाशीलता को अभिव्यक्त करने का अवसर मिल रहा है। विभिन्न विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली।

मकान मुझे नहीं बेचा तो जान से जाओगे

सतना, स्वतंत्र मत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सुमित बाजार के सामने चर्च के पीछे रहने वाले नईम खान पिता हबीब खान ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उसके घर के सामने रहने वाला मोहम्मद खालिक आए दिन गाली.गलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। फरियादी के अनुसार आरोपी कहता है कि अगर मकान मुझे नहीं बेचा तो तू जान से जाएगा। दिनांक 20.09.2026 को दोपहर करीब 2 बजे मोहम्मद खालिक उसके घर पहुंचा और बोला कि तुझे कहा था कि मुझे मकान बेच देए तू नहीं बेच रहा है आज तुझे निपटा दूंगा। इस दौरान उसने धारदार हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और कहा कि अगर मकान नहीं बेचा तो तेरी हत्या भी हो सकती है। पीड़ित नईम खान ने थाना प्रभारी प्रीति विश्वकर्मा से गुहार लगाई है कि यदि आरोपी खालिक को गिरफ्तार नहीं किया गया तो वह उसकी हत्या कर सकता है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

मध्यप्रदेश शासन की फ्री रजिस्ट्री योजना

सतना, स्वतंत्र मत। ग्राम पंचायत अंतर्गत आबादी क्षेत्रों में रहने वालों को फ्री रजिस्ट्री करवाएगी। शासन के आंकड़ों के अनुसार उचेहरा तहसील में बारह हजार से अधिक लोग हैं। पटवारी हल्का अनुसार उन्हीं आबादी क्षेत्र के निवासियों की रजिस्ट्री होगी जहां ड्रोन को उड़ाया गया है। जबकि 1 वर्ष पूर्व किए गए अधूरे ड्रोन सर्वे में छूटे निवासियों की संख्या दर्शाए गए आंकड़ों से बहुत ज्यादा है। ज्ञात हो कि शहरों की अपेक्षा पंचायत क्षेत्रों में राजनीतिक दांव पेंच व दुश्मनी अधिक होती है। अपने स्वार्थ के लिए ड्रोन उड़ाया गया जबकि ज्यादातर आबादी क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाया ही नहीं गया। जिससे शासन की सुविधा से हजारों ग्रामीण वशिंदे वंचित हो जाएंगे। स्थानीय ग्रामीणों ने शासन से ग्रामीण आबादी क्षेत्र का नियमानुसार सर्वे कर सभी को योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग की है।

योग शिविर में गूंजा स्वस्थ समाज स्वस्थ गाडरवारा का नारा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

नगर में स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रहे योग शिविर का नौवां दिन भी जबरदस्त उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। सुबह के शांत और मनोरम वातावरण में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने एकजुट होकर योगाभ्यास किया। हर दिन योग के साथ स्वास्थ्य की ओर नई पहल की थीम पर आयोजित इस शिविर में आज योग शिक्षिका द्वारा प्रतिभागियों को सिंहासन, हास्य योग सहित अनेक नए योगासन और प्राणायाम के अभ्यास कराए गए। हास्य योग के दौरान पूरा परिसर हंसी और सकारात्मक ऊर्जा से गूंज उठा, वहीं सिंहासन जैसे आसनों ने शरीर में लचीलेपन और मन में प्रसन्नता का संचार किया। आयोजकों ने बताया कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह तन, मन और जीवन में संतुलन बनाए रखने की सुंदर साधना है। शिविर में उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे योग को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे। इस अवसर पर स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज स्वस्थ गाडरवारा का नारा भी दिया गया।

सतना में दबंगों का कहर गरीब की झोपड़ी गिराई

सतना, स्वतंत्र मत। शहर के बीचों.बीच कानून को ठेंगा दिखाते हुए दबंगों ने एक गरीब को बेघर कर दिया। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के भजावा मोहल्ले का है जहाँ गरीब अनीस अहमद की झोपड़ी को दबंगों ने गिरा दिया। झोपड़ी गिरते ही अनीस का आशियाना उजड़ गया और अब वह अपने परिवार के साथ दर.दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। पीड़ित फकीर अनीस अहमद ने बताया कि मोहल्ले के ही दबंगों ने एकजुट होकर उसकी झोपड़ी पर धावा बोल दिया और उसे जमींदोज कर दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने दबंगों के नाम गुलाब चिकवा गैसुद्दीन उर्फ चौबे बबलू सुनील अनिल और आरिफ चच्घू बताए गए । यह भी बताया गया है कि यह सब चोर गैंग है जो चोरी करते हैं। न्याय के लिए पीड़ित फकीर अनीस अहमद सतना जिला कलेक्टर एसपी और नगर निगम कमिश्नर के दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। लिखित शिकायत देकर उसने दबंगों पर कार्रवाई और दोबारा आशियाना दिलाने की मांग की है। लेकिन अभी तक उसे कहीं से न्याय नहीं मिला है। गरीब की झोपड़ी गिराए जाने की इस घटना से पूरे मोहल्ले में आक्रोश है।

देवेंद्रनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई अंतरजिला चोर गिरोह का पर्दाफाश

सतना, स्वतंत्रमत

जिले की देवेंद्रनगर पुलिस ने चोरी की लगातार हो रही वारदातों पर लगाम लगाते हुए एक बड़े अंतरजिला चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 6 शातिर चोरों को धर दबोचा है जिसमें सतना जिले के नागौद थाना क्षेत्र के दो बदमाश भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने देवेंद्रनगर और गुनौर थाना क्षेत्रों में दहशत मचा रखी थी और करीब 10 से अधिक चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके थे।

सतना के नंदहा के हैं दो आरोपी

पकड़े गए आरोपियों में सतना जिले के नागौद थाना के पोड़ी चौकी अंतर्गत ग्राम नंदहा निवासी शिवम पटेल 21 वर्ष और अनुज विश्वकर्मा ;21 वर्ष शामिल हैं। दोनों युवक लंबे समय से इस गिरोह के साथ सक्रिय थे। इनके अलावा रीवा जिले के अन्य साथी भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। गिरोह के सदस्य दिन में गांव.गांव घूमकर सूने मकानों और निर्माणाधीन इमारतों की रेकी करते थे। मौका मिलते ही रात के अंधेरे में पिकअप वाहन और बाइकों से पहुंचकर सीमेंट सरिया अनाज और नगदी समेत कीमती सामान पार कर देते थे। पुलिस ने फेटो में दिख रहे पिकअप वाहन जय मैना भवानी को भी जब्त किया हैए जिससे वे चोरी का माल ढोते थे। लगातार बढ़ रही चोरियों से परेशान पुलिस ने मुखबिर तंत्र और साइबर तकनीक से जाल बिछाया और पूरे गैंग को थाने लाकर जमीन पर बैठा दिया। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है और कई और बड़ी चोरियों के खुलासे की उम्मीद है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 299/अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची मे उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 16/10/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
11	कंदेली	44/1	2111 वर्गफुट	सुभाष, दिनेश, संतोष, सुनील, सतीश, साकेत नेमा पिस. स्व. सीताराम नेमा सा. कंदेली	सुभाष, दिनेश, संतोष, सुनील, सतीश, साकेत नेमा पिस. स्व. सीताराम नेमा सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 21/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

श्याम कीर्तन का आयोजन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। श्री झूलेलाल गणेश उत्सव समिति सुभाष वार्ड की ओर से श्याम भजन कीर्तन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में गायक इंद्रेश तलरेजा ने बाबा खाटू श्याम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं आयोजन की शुरुआत भगवान गणेश की आरती पूजा एवं पल्लव अरदास के साथ हुई इसके पश्चात बाबा खाटू श्याम की विधिवत पूजा-अर्चना की गई पूजन के बाद श्याम भजन कीर्तन का शुभारंभ हुआ गायक इंद्रेश तलरेजा के मधुर भजनों से कार्यक्रम स्थल भक्तिमय हो उठा।

सरकारी स्कूल चोरों के निशाने में

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले में सरकारी स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। स्कूलों में चोरी की घटनाएं सामने आने के बावजूद जिम्मेदार विभाग और प्रशासन प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम नजर आ रहे हैं। नतीजा यह है कि चोरों के हौसले बुलंद हैं और सरकारी संस्थान लगातार निशाने पर हैं। जानकारी के अनुसार नैनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला में चोरों ने धावा बोलकर मध्यान्ह भोजन की सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि उक्त स्कूल में पूर्व में भी चोरी की घटना हो चुकी है। इसके बावजूद स्कूलों की सुरक्षा को लेकर ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। सरकारी स्कूलों में रखी मध्यान्ह भोजन सामग्री बच्चों के पोषण और शासन की महत्वपूर्ण योजना से जुड़ी होती है। ऐसी सामग्री की चोरी महज सामान का नुकसान नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों और सरकारी व्यवस्था की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करती है। जिले के अन्य सरकारी स्कूलों में भी चोरी की घटनाओं की शिकायतें सामने आती रही हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देखा प्रसारण

मण्डला/मोहगांव (स्वतंत्रमत)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय मोहगांव में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इकबाल खान के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी सेक्टर एवं बूथ अध्यक्ष तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी ने हजारों छात्रों से सीधा संवाद किया। संवाद के दौरान छात्रों की शिक्षा रोजगार और भविष्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। पेपर लीक बेरोजगारी महंगी शिक्षा तथा व्यापमं से जुड़े मामलों सहित युवाओं के सामने आ रही चुनौतियों को कार्यक्रम में प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में शिव कुमार मिश्रा, हसीब खान, निक्कू मलिक, इमरान खान, हीरा सिंह उइके, प्रकाश पदम, पीतम झारिया, चंद्र सिंह मरकाम, सेवकराम उइके, पवन यादव, प्रदीप बैरागी, मनोज बैरागी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समय सीमा की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं अभियानों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की गई।

मंडला लोकसभा क्षेत्र में रेल सुविधाओं का हो विस्तार

नागपुर मंडल की बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया

मण्डला(स्वतंत्र मत)। नागपुर में आयोजित नागपुर मंडल की सांसद बैठक में मंडला लोकसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण रेल मांगों और यात्री सुविधाओं के विस्तार के विषय को प्रमुखता से रखा गया। मंडला लोकसभा क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते स्वास्थ्य संबंधी कारणों से बैठक में स्वयं उपस्थित नहीं हो सके। उनके प्रतिनिधि रोचीराम गुरवानी ने बैठक में उपस्थित होकर सांसद की ओर से मंडला लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न रेल मांगों को विस्तारपूर्वक रखा। बैठक में सबसे प्रमुख मांग इंदौर-नैनपुर पेंचवैली एक्सप्रेस को तत्काल नैनपुर के स्थान पर मंडला फोर्ट तक संचालित किए जाने की रखी गई। साथ ही यह विषय भी उठाया गया कि मंडला फोर्ट स्टेशन पर प्लेटफॉर्म एवं अन्य आवश्यक कार्य पूरे होने के बावजूद ट्रेन का संचालन मंडला फोर्ट से क्यों नहीं किया जा रहा है तथा यदि कोई तकनीकी बाधा शेष है तो उसे तत्काल दूर किया जाए। इसके साथ ही मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन को पूर्ण विकसित टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित करने मांग रखी गई। इसके लिए स्टेशन पर कोचिंग डिपो, पिटलाइन, स्टेबलिंग लाइन, वॉशिंग लाइन, जल भराव वाटरिंग सुविधा स्टाफ तथा अन्य आवश्यक टर्मिनल सुविधाएं उपलब्ध कराने मांग की गई ताकि मंडला फोर्ट से लंबी दूरी की ट्रेनों का सुचारु रूप से प्रारंभ एवं संचालन किया जा सके। मंडला फोर्ट स्टेशन पर लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर गार्ड के लिए रनिंग रूम, प्लेटफॉर्म एवं आवश्यक रेल लाइनों के विस्तार तथा स्टेशन को भविष्य की यात्री एवं लंबी दूरी की ट्रेनों के अनुरूप विकसित करने का विषय भी प्रमुखता से रखा गया। बैठक में मंडला फोर्ट पर तत्काल वाटरिंग पानी भरने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई ताकि ट्रेनों को पानी भरने एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से नैनपुर में अधिक समय तक रोकना न पड़े और यात्रियों को होने वाली परेशानी कम हो। इसके अलावा 58825/58826 छिंदवाड़ा-नैनपुर ट्रेन का मंडला फोर्ट तक विस्तार, मंडला से नई यात्री एवं एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन, 20423/20424 पातालकोट एक्सप्रेस को मंडला तक लाने, मंडला-नागपुर सीधी ट्रेन सेवा सहित अन्य आवश्यक रेल सेवाओं के विस्तार का विषय भी बैठक में रखा गया। नैनपुर रेलवे स्टेशन को एक पूर्ण विकसित जंक्शन के रूप में विकसित करने की मांग करते हुए वहां अतिरिक्त प्लेटफॉर्म अतिरिक्त लूप लाइन तथा अन्य परिचालन सुविधाओं के विस्तार का विषय भी रखा गया। साथ ही नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज ब्रिज का निर्माण शीघ्र शुरू करने तथा इस संबंध में जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग रखी गई। नैनपुर के रेलवे ग्राउंड को भी आधुनिक एवं सुविधायुक्त भव्य स्टेडियम खेल परिसर के रूप में विकसित करने का विषय बैठक में रखा गया ताकि क्षेत्र के युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध हो इसके अलावा घंसौर स्टेशन पर शहडोल-नागपुर, जबलपुर-रायपुर सहित प्रमुख ट्रेनों के कम से कम 2 मिनट के ठहराव की मांग तथा पलारी स्टेशन पर पेंचवैली सहित आवश्यक ट्रेनों के ठहराव और अन्य यात्री सुविधाओं का विषय भी बैठक में रखा गया। इस बैठक में मंडला लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के सांसद एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू, बालाघाट सांसद श्रीमती भारती पारधी, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे सहित अन्य सांसद एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक नागपुर स्थित तुली इंपिरियल होटल में आयोजित हुई जिसमें नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक गुप्ता तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की उपस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित रेल विकास एवं यात्री सुविधाओं के विषयों पर चर्चा हुई राजनांदगांव-मंडला-जबलपुर नई रेल लाइन के संबंध में भी प्रतिनिधि रोचीराम गुरवानी एवं राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे द्वारा मांग उठाई गई इस महत्वपूर्ण नई रेल लाइन परियोजना के संबंध में आवश्यक पहल एवं आगे की कार्रवाई किए जाने का विषय बैठक में प्रमुखता से रखा गया।

चला विशेष सफाई अभियान, किया जुर्माना

मण्डला (स्वतंत्रमत)। स्वच्छता के प्रति जन-सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मंडला में भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में क्लीन पब्लिक प्लेसेस गतिविधि के अंतर्गत सब्जी मंडी एवं सुपर मार्केट क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इस वर्ष स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता में सहभाग स्वच्छ भारत विकसित भारत थीम के साथ संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानते हुए इसमें आम नागरिकों व्यापारियों दुकानदारों और समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य को लेकर सब्जी मंडी और सुपर मार्केट के संपूर्ण क्षेत्र में सघन साफ-सफाई कराई गई। सार्वजनिक स्थानों पर जमा कचरे को हटाने के साथ ही आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। सफाई अभियान के बाद आईईसी गतिविधि आयोजित की गई। इसके माध्यम से सब्जी मंडी में आने वाले लोगों को खरीदारी के दौरान अपने साथ कपड़े अथवा अन्य पुन उपयोग किए जा सकने वाले थैले लाने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही पथकर विक्रेताओं को अपनी-अपनी दुकानों के सामने डस्टबिन रखने के निर्देश दिए गए ताकि दुकान से निकलने वाला कचरा सार्वजनिक स्थानों पर न फैले और कचरे का उचित तरीके से संग्रहण किया जा सके। अभियान के दौरान स्वच्छता नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई भी की गई।

सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग सार्वजनिक स्थान पर गंदगी करने तथा खुले में मांस-मछली का विक्रय करने के मामलों में पथकर विक्रेताओं पर कुल 3600 रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया। अभियान के अंत में उपस्थित लोगों और विक्रेताओं को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने की स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बनाए गए प्रमाण पत्र

मण्डला/नारायणगंज। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जनपद शिक्षा केंद्र नारायणगंज में 22 सितंबर को दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 158 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 33 बच्चों के नए दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए जबकि 8 प्रमाण पत्रों का नवीनीकरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा स्थायी समिति अध्यक्ष अविनाश शर्मा ने मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। उन्होंने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमेंद्र चौहान, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित चौरसिया सहित चिकित्सकीय टीम ने बच्चों का परीक्षण किया। वहीं एलिमको जबलपुर की टीम ने सहायक उपकरणों के लिए बच्चों की जांच एवं आवश्यक नाप ली। परीक्षण के बाद 51 बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिन्हित किया गया। शिविर का संचालन एमआरसी शेख इरफान के नेतृत्व में किया गया। सहायक परियोजना समन्वयक केके उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में बीएसी जनशिक्षकों शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहयोग किया। शिविर के माध्यम से दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों को स्वास्थ्य परीक्षण प्रमाण पत्र एवं सहायक उपकरण संबंधी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं।

किन्नरों ने की महाराजा की महाआरती

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला के महाराजा बस स्टैंड समिति की ओर से गणेशोत्सव के तहत महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। आयोजन में किन्नर समाज के सदस्यों ने श्रृद्धापूर्वक सहभागिता कर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और महाआरती में शामिल होकर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि कामना की। महाआरती में बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं एवं बच्चों ने शामिल होकर भगवान श्री गणेश की आराधना की। इस दौरान गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। सिद्धिविनायक को विभिन्न प्रकार के भोग का प्रसाद अर्पित किए गए। महाआरती पूजा में किन्नर सुनीता दीदी, नंदनी दीदी, निशा दीदी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। यहां पर जनपद अध्यक्ष मंडला संतोष सोनू भलावी, पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने भी महाआरती में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। समिति के सदस्यों के द्वारा उपस्थित अतिथियों का चुनरी पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं बीते दिनों यहां पर नगरवासियों के लिए हनुमान अंश फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। जहां पर सैकड़ो की संख्या में धर्मप्रेमी फिल्म देखने पहुंचे। विवेक श्रीवास ने बताया कि 27 सितंबर को भव्यता के साथ भगवान श्रीगणेश का विसर्जन चल समारोह आयोजित किया गया है जिसमें महानगरों से अनेक ध्वनीविस्तारक यंत्र और ढोल-धमाल आ रहे हैं।

गांव के नाम पर लिया कियोस्क, चला रहे घुघरी में

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित कियोस्क व्यवस्था को लेकर घुघरी क्षेत्र में सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि ग्रामीण क्षेत्र के नाम पर स्वीकृत कियोस्क सेंटर का संचालन तहसील मुख्यालय घुघरी में किया जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि यदि कियोस्क किसी गांव के ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वीकृत किया गया है तो उसका संचालन उसी गांव या निर्धारित क्षेत्र के बजाय मुख्यालय में क्यों हो रहा है कियोस्क बैंकिंग व्यवस्था का उद्देश्य बैंक शाखा से दूर रहने वाले लोगों को उनके नजदीकी क्षेत्र में जमा निकासी और अन्य बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में स्वीकृत स्थान से अलग संचालन होने की स्थिति में यह जानना जरूरी हो जाता है कि संबंधित कियोस्क को स्थान परिवर्तन की अनुमति किस स्तर से मिली है और क्या बैंक द्वारा इसका भौतिक सत्यापन किया गया है स्थानीय स्तर पर यह सवाल प्रमुखता से उठाया जा रहा है कि यदि कियोस्क किसी ग्रामीण क्षेत्र के नाम से स्वीकृत है और उसका संचालन घुघरी मुख्यालय में हो रहा है तो संबंधित गांव के ग्रामीणों को इस सुविधा का वास्तविक लाभ कैसे मिलेगा यदि कियोस्क के संचालन स्थल में परिवर्तन की अनुमति नियमों के तहत दी गई है तो बैंक प्रबंधन को इसकी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। वहीं यदि निर्धारित स्थान से अलग संचालन की अनुमति नहीं है तो निगरानी व्यवस्था की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है घुघरी क्षेत्र में उठ रहे सवालों के बीच अब लोगों की नजर बैंक प्रबंधन की प्रतिक्रिया और जांच पर है। प्रमुख सवाल यही हैं कि गांव के नाम पर स्वीकृत कियोस्क मुख्यालय में क्यों संचालित हो रहा है क्या स्थान परिवर्तन की अनुमति ली गई है ग्राहकों से निर्धारित शुल्क कितना है अतिरिक्त राशि लिए जाने की शिकायतों की जांच किस स्तर पर हुई और कियोस्क सेंटरों का नियमित निरीक्षण कौन करता है

स्वच्छता विषय पर हुई प्रतियोगिता

मण्डला/बम्हनी (स्वतंत्रमत)। नगर परिषद बम्हनी बंजर क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में हवेली आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच स्वच्छता विषय पर पोस्टर ड्राइंग वाद विवाद लेखन एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष मीना हरदहा उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद नंदा, पार्षद विद्यालय का स्टाफ तथा निकाय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता ली और स्वच्छता के महत्व स्वच्छ वातावरण और कचरा प्रबंधन को लेकर अपने विचार एवं रचनात्मकता प्रस्तुत की पोस्टर और ड्राइंग के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छ नगर स्वच्छ विद्यालय और स्वच्छ परिवेश का संदेश दिया वहीं वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता में स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर विचार रखे गए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मीना पटेल ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र में प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत, सर्पदंश की आशंका

जांघ में दर्द, काला पड़ा त्वचा का हिस्सा और सूजन के बाद बिगड़ी हालत

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। नैनपुर थाना क्षेत्र के माखा टोला में एक मजदूर की संदिग्ध सर्पदंश से मौत हो गई। ग्राम पंचायत गौराछापर निवासी कैलाश यादव उम्र 45 वर्ष रेलवे में चल रहे काम में मजदूरी करने के बाद घर पहुंचा था। रात में कोई गोली खा ली। सुबह भी दर्द की शिकायत बनी रही, लेकिन परिजन इलाज के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे, इसी दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में शव को सिविल अस्पताल नैनपुर लाया गया, जहां पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। बताया गया कि कैलाश की जांघ में जिस स्थान पर दर्द था, वहां त्वचा काली पड़ गई थी और जले जैसे निशान के साथ सूजन भी थी। ड्यूटी डॉक्टर ने सर्पदंश की आशंका जताई है। हालांकि सांप के काटने की पुष्टि पोस्टमार्टम और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी चिकित्सकों के अनुसार सर्पदंश की आशंका होने पर शरीर पर हल्की चुभन, काटने या किसी प्रकार के निशान को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में तत्काल सिविल अस्पताल नैनपुर या नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य संस्था पहुंचना जरूरी है। अस्पताल में आवश्यक जांच के बाद चिकित्सक तय करते हैं कि सर्पदंश हुआ है या नहीं और आगे किस तरह का उपचार जरूरी है।

ग्यारस पर निकली नगर में भव्य शोभायात्रा

भगवान को पालकी में बैठाकर कराया भ्रमण

चकोर नदी में हुआ जल विहार

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। धार्मिक आस्था और भक्ति के उल्लास से सराबोर नैनपुर में डोल ग्यारस का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान की पालकी सजाकर उन्हें भ्रमण कराया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। शोभायात्रा के दौरान नगर का वातावरण भक्ति और धार्मिक जयघोष से गूंज उठा।डोल ग्यारस के अवसर पर मंदिर परिसर से भगवान की सुसज्जित प्रतिमा के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई। श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ यात्रा में शामिल हुए और भगवान के दर्शन एवं पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए चकोर नदी के तट पर पहुंची। यहां विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार भगवान को जल विहार कराया गया। जल विहार के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा-अर्चना की और सुख, समृद्धि एवं नगर की खुशहाली की कामना की। नदी तट पर कुछ समय तक धार्मिक आयोजन का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं में भगवान के प्रति गहरी आस्था और उत्साह दिखाई दिया। इसके पश्चात भगवान की शोभायात्रा पुनः मंदिर परिसर के लिए रवाना हुई। रास्ते भर श्रद्धालु भक्ति भाव से यात्रा में शामिल रहे। मंदिर पहुंचने के बाद पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ शोभायात्रा का समापन किया गया। डोल ग्यारस की शोभायात्रा में महिलाओं, पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हुए। पारंपरिक धार्मिक उत्साह के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कई श्रद्धालु पूरे मार्ग में भक्ति भाव के साथ यात्रा में शामिल रहे। बच्चों में भी शोभायात्रा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। डोल ग्यारस पर भगवान का जल विहार कराने की यह धार्मिक परंपरा श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखती है। नगर में आयोजित इस आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता और सामूहिक एकजुटता का भी संदेश दिया। मंदिर से चकोर नदी और फिर नदी से वापस मंदिर तक निकली शोभायात्रा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. अमगंवा(पदमी चौराहा) पं.क्रं. 1989 तहसील व जिला मण्डला

क्रं. 006/ अमगंवा — दिनांक- 11.09.2026

वार्षिक साधारण आम सभा की सूचना

मध्यप्रदेश सहकारी समिति अधिनियम 49 उपनियम 21 एवं 22 के अतंर्गत बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अमगंवा पं. कं. 1989 के समस्त सदस्य (अंशधारियों) को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आम सभा की बैठक समिति के बैंक परिसर पदमी चौराहा में दिनांक 29.09.2026 दिन मंगलवार को समय 1.00 बजे दोपहर से आयोजित की जायेगी है। इस सभा में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। निर्धारित समय पर गणपूर्ति न होने की दशा में आधे घण्टे पश्चात् ऊपर लिखित समय, दिनांक एवं स्थान पर ही उपस्थित सदस्यों द्वारा आम सभा की कार्यवाही की जावेगी। जिसमें कोरमपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रबंधक
बहु.प्राथ.कृषि साख सह.
समिति अमगंवा पं.क्रं. 1989

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. मधुपुरी पं.क्रं. 1988 तहसील मण्डला, जिला मण्डला

क्रं. 009/ मधुपुरी — दिनांक- 11.09.2026

वार्षिक साधारण आम सभा की सूचना

मध्यप्रदेश सहकारी समिति अधिनियम 49 उपनियम 21 एवं 22 के अतंर्गत बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मधुपुरी पं. कं. 1988 के समस्त सदस्य (अंशधारियों) को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आम सभा की बैठक समिति के कार्यालय प्रांगण बी.पैक्स मधुपुरी में दिनांक 28.09.2026 दिन सोमवार को समय 1.00 बजे दोपहर से आयोजित की जायेगी। इस सभा में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। निर्धारित समय पर गणपूर्ति न होने की दशा में आधे घण्टे पश्चात् ऊपर लिखित समय, दिनांक एवं स्थान पर ही उपस्थित सदस्यों द्वारा आम सभा की कार्यवाही की जावेगी। जिसमें कोरमपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रबंधक
बहु.प्राथ.कृषि साख सह.
समिति मधुपुरी पं.क्रं. 1988

संपादकीय

नाक और सम्मान का सवाल

देश में महंगाई और बेरोजगारी आज की सबसे बड़ी समस्या हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देश को आश्वासन दिया था कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनी, तो सालाना 2 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाएंगे। देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अनचाही, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। सरकार का ही आंकड़ा है कि खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है।

दरअसल, भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया था कि 5 साल में नौकरी समेत 70 लाख रोजगार दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे। इन रोजगारों का कुल जोड़ किया जाए, तो यह 70 लाख की तुलना में 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। उप्र सरकार ने अभी जो रोजगार मेला आयोजित किया था, उसमें सिर्फ 818 नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए। सरकार के पास मुश्किल से 4 महीने बचे हैं। उसके बाद चुनाव घोषित हो जाएंगे और आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। नौकरियां कैसे देंगे? चूंकि उप्र विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल 2027 में होना है और भाजपा के लिए यह चुनाव जीतना 'नाक और सम्मान का सवाल' है, लिहाजा प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, प्रवक्ता और मुख्यमंत्री 'जेन-जी' के प्रति प्यार, प्रतिबद्धताएं उड़ेल रहे हैं। जेन-जी और अपेक्षाकृत कुछ ज्यादा उम्र के युवाओं के रोजगार का यथार्थ यह है कि बजट में जिस 'पीएम इंटर्नशिप योजना' की ढोल पीटते हुए घोषणा की गई थी, उसके तहत 16,614 युवाओं को ही इंटर्नशिप नसीब हुई है, जबकि योजना के मुताबिक, करीब 3.68 लाख युवाओं को यह अवसर मिलना चाहिए था। इसका कारण, फासले और विसंगतियां प्रधानमंत्री या वित्त मंत्री ही जानते होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की झंडेदार योजनाओं में 'कौशल विकास' भी शामिल रही है। 2015-26 के दौरान कुल 4.73 करोड़ के करीब युवाओं के पंजीकरण, प्रशिक्षण और उन्हें प्रमाण-पत्र दिए जाने की स्थिति सामने आई है, लेकिन उनमें से सिर्फ 21.84 लाख को ही नौकरी, रोजगार प्राप्त हो सके हैं। सरकार के लिए यह आंकड़ा भी गुलगुलाने वाला होगा! सवाल किया जा सकता है कि क्या शेष 4 करोड़ से अधिक युवा 'कौशलहीन' थे? उनके रोजगार का क्या हुआ? क्या यह योजना भी नाकाम रही है? भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय के ही आंकड़े हैं कि देश में 29.4 फीसदी डिग्री या डिप्लोमा धारक युवा बेरोजगार हैं। यह यथार्थ इतिहास-जैसा असीमित है।

जलवायु परिवर्तन अकेला कारण नहीं

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़ : चेतावनी सुनें

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरुआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

साक्षरता बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी, सिर्फ सरकार के भरोसे बैठना सही नहीं होगा

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में नीति आयोग की पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की वार्षिक रिपोर्ट जारी हुई। इसके अनुसार, भारत में 14-18 साल की उम्र के लगभग दो करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। कक्षा 3-8 के करीब 11 फीसदी बच्चे स्कूल से बाहर हैं। इसके अलावा, हर साल 50 लाख से ज्यादा छात्र बोर्ड परीक्षा में फेल हो जाते हैं। रिपोर्ट कहती है कि बिहार, नगालैंड, मेघालय व असम जैसे राज्यों में स्कूल नहीं जाने वाले सबसे ज्यादा बच्चे हैं। देशभर में लगभग 7,993 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चे का नया दाखिला नहीं हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि स्कूल छोड़ने की सबसे ज्यादा दर 10वीं की पढ़ाई के बाद की है। देश में सरकारी स्कूलों के बंद होने की दर भी तेजी से बढ़ रही है।

रिपोर्ट में देश में शिक्षा, रोजगार और बेरोजगारी की असली स्थिति का लेखा-जोखा दिया गया है। यह रिपोर्ट 2021 में हुए नेशनल सैंपल सर्वे के डाटा पर आधारित है। इसके अनुसार, देश में 29.1 करोड़ लोग पढ़ाई कर रहे हैं। देश की अनुमानित साक्षरता दर 80.9 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसमें शहरी लोगों का प्रतिशत लगभग 90 फीसदी और गांवों का 77 फीसदी बताया गया है। देश में कुल 87.2 फीसदी पुरुष और 74.6 फीसदी महिलाएं पढ़ी-लिखी हैं। रिपोर्ट कुछ मामलों में देश में प्रगति की बात तो करती है, लेकिन अधिकतर मामलों में हालात अब भी चिंताजनक हैं।

यूनेस्को इंस्टीट्यूट फॉर स्टैटिस्टिक्स (यूआईएस) के आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में वयस्कों की साक्षरता दर लगभग 88 प्रतिशत है, जबकि 15 से 24 साल के युवाओं में साक्षरता दर 93 प्रतिशत। इसमें पिछले कुछ वर्षों में बढ़ोतरी हुई है। 1950 में दुनिया में लगभग 56 प्रतिशत शिक्षित युवा थे, जिनकी संख्या 1980 तक बढ़कर लगभग 70 फीसदी हो गई। इसके बावजूद, बिना पढ़े-लिखे युवाओं की अनुमानित संख्या 73.9 करोड़ बताई जाती है। इनमें दो-तिहाई महिलाएं भी शामिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि क्यों स्कूलिंग तक सबकी पहुंच बढ़ाने से साक्षरता में असमानता अपने-आप खत्म नहीं हो जाती। ये 73 करोड़ से ज्यादा युवा बुनियादी लिखना-पढ़ना भी नहीं जानते। इससे उनकी साक्षरता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। असल में साक्षरता में कमी का मुख्य कारण गरीबी, सामाजिक व आर्थिक असमानता तथा संसाधनों की कमी है। गरीब परिवारों के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना प्राथमिकता होती है। ऐसे में, बच्चे पढ़ाई करने के बजाय कम उम्र में ही काम या मजदूरी करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। वहीं ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में स्कूलों, योग्य शिक्षकों, किताबों और बुनियादी शैक्षणिक सुविधाओं का अभाव रहता है। कई समाजों में आज भी लड़कों की तुलना में लड़कियों की शिक्षा को कम महत्व दिया जाता है, जिससे महिलाओं में साक्षरता दर पिछड़ जाती है। तेज गति से बढ़ती जनसंख्या के कारण सरकार द्वारा दी जाने वाली शैक्षणिक सुविधाएं और योजनाएं हर व्यक्ति तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाती हैं। जागरूकता की कमी के कारण कई परिवारों में माता-पिता शिक्षा के महत्व को नहीं समझ पाते और बच्चों को स्कूल नहीं भेजते। असमानता के कारण कुछ वंचित समुदायों तक शिक्षा की पहुंच सुगम नहीं हो पाई है।

साक्षरता बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और सरकारी स्तर पर समन्वित प्रयास करने की जरूरत है। आधुनिक समय में डिजिटल और वित्तीय जागरूकता का प्रसार करना भी साक्षरता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बच्चों में शुरुआती स्तर पर सीखने की जिज्ञासा बढ़ानी होगी। गांवों और शहरों में मुफ्त पुस्तकालय स्थापित किए जाएं, ताकि हर व्यक्ति तक किताबों की पहुंच हो सके। साथ ही, विद्यालयों और घरों में बच्चों को पढ़ने के लिए सकारात्मक, प्रेरणादायक और संसाधन-युक्त वातावरण प्रदान किया जाए।

'विकसित भारत 2047' के विजन और आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करने की दिशा में शिक्षा मंत्रालय का स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग स्कूल से बाहर और पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा शिक्षा से जोड़ने के लिए एक देशव्यापी अभियान शुरू करने जा रहा है। 2020 में जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक प्री-स्कूल से लेकर सेकेंडरी लेवल तक 100 प्रतिशत ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यो हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन, सवाल यह है कि क्या साक्षरता दर को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास काफी हैं? आंकड़े बताते हैं कि केवल सरकार के भरोसे बैठना सही नहीं होगा। साक्षरता बढ़ाने के लिए सामाजिक संस्थाओं, शिक्षाविदों के साथ आम आदमी को भी आगे आना होगा, तभी शिक्षा की अलख जगाई जा सकती है।

आत्महत्या और सवाल: 22 वर्षीय बीटेक के छात्र की खबर क्षुब्ध करने वाली, जांच के नतीजों का इंतजार भी अहम

आईआईटी, बॉम्बे में 22 वर्षीय बीटेक के छात्र की आत्महत्या क्षुब्ध करने वाली है। तीन दिनों तक चले छात्रों के भारी विरोध प्रदर्शन के बाद संस्थान ने अपने एक प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से डीन पद से हटा दिया है। हालांकि, अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले जांच के नतीजों का इंतजार किया जाना चाहिए।

देश के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में गिने जाने वाले आईआईटी, बॉम्बे में बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल वकोड़े की आत्महत्या क्षुब्ध करने वाली तो है ही, उसके साथ जिस तरह तीन दिनों तक छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद अंततः संस्थान को एक प्रोफेसर को डीन पद से तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला लेना पड़ा, वह कई सवाल भी खड़े करता है।

उल्लेखनीय है कि आत्महत्या के कुछ ही घंटे पहले मिड सेमेस्टर परीक्षा के दौरान छात्र को कथित तौर पर मोबाइल पर चैटजीपीटी का उपयोग करते हुए पकड़ा गया था। आत्महत्या के बाद परिजनों की शिकायत पर उक्त प्रोफेसर के खिलाफ एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। परिजनों का आरोप है कि उनके बेटे को पिछले काफी समय से जातिगत उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा था। जबकि, संस्थान का कहना है कि उसके एससी/एसटी सेल को छात्र की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली। ऐसे में, जरूरी है कि इस पूरे मामले की गंभीर जांच हो और दोषियों को कड़े से कड़ा दंड भी मिले। आजादी के बाद से देश ने शायद आईआईटी जैसे कुछ ही संस्थान बनाए हैं, जिनकी वैश्विक प्रतिष्ठा हो और जो सही मायनों में भरोसे के प्रतीक रहे हों। लेकिन, अगर एक ही कैंपस में एक वर्ष के भीतर कई छात्रों ने आत्महत्या की हो, तो यह संस्थागत विफलता ही कही जाएगी। यही नहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2023 के बीच देश के विभिन्न आईआईटी संस्थानों में करीब 39 छात्रों ने आत्महत्या की। ये संस्थान आलोचनाओं से परे बिल्कुल नहीं हैं, लेकिन ऐसे हादसों के कारणों को तोड़-मरोड़ कर भी पेश नहीं किया जाना चाहिए कि मूल समस्या ही उसमें तिरोहित हो जाए। इस तरह के संवेदनशील मामलों में राजनीति से बचना चाहिए और अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले जांच के नतीजों का इंतजार किया जाना चाहिए।

कुछ भी हो, इस घटना ने आईआईटी परिसरों में छात्रों पर बढ़ते अकादमिक और सामाजिक दबाव की बहस को फिर सामने ला दिया है। सर्वोच्च न्यायालय की राष्ट्रीय कार्यबल की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार, आईआईटी के शिक्षकों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जिन्हें मानसिक सेहत संबंधी समस्याओं से जूझ रहे विद्यार्थियों की पहचान और सहायता के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं मिला है। साहिल की आत्महत्या की निष्पक्ष जांच के साथ ही यह भी जरूरी है कि जिन संस्थानों को बनाने में दशकों लगे हैं, वे खुद आत्ममंथन करें और अपनी आंतरिक व्यवस्था को अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप बनाएं।

वाशिंगटन में चीन की चर्चा : जिनपिंग अमेरिका दौरे पर जा रहे हैं, क्या खस्ताहाल अर्थव्यवस्था पर भी बात होगी?

ज्योति भास्कर

इन दिनों अमेरिकी अखबारों में इसकी खूब चर्चा है, कि 'एआई के मामले में चीन पर अमेरिका की बढ़त लगभग खत्म हो चुकी है या चीन एआई के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।' जाहिर है, इस हफ्ते जब शी जिनपिंग वाशिंगटन पहुंचेंगे, तो ऐसी चर्चाओं के बारे में जानकर उन्हें बहुत खुशी होगी।

शी के नेतृत्व में, चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को विकसित करने में बहुत तरक्की की है। लेकिन, वह एक ऐसी अर्थव्यवस्था का भी नेतृत्व करते हैं, जो दशकों में अपनी सबसे खराब हालत में है। ये दोनों बातें आपस में जुड़ी हुई हैं। चीनी अर्थशास्त्रियों और सरकार के करीबी लोगों ने भी चेतावनी दी है कि सरकार एआई जैसी तकनीक पर बहुत ज्यादा पैसा खर्च कर रही है, जबकि रोजगार बढ़ाने और पूरी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है। देश की अर्थव्यवस्था इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही है। अगस्त में युवाओं की बेरोजगारी दर 18.9 प्रतिशत पहुंच गई। लोगों की खर्च करने की क्षमता भी कम हुई है। साल की पहली छमाही में घरेलू कारों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 20 प्रतिशत और घरों की बिक्री 14 प्रतिशत घट गई। इससे पहले से जारी आर्थिक सुस्ती और बढ़ गई है। देश में कीमतें लगातार गिरने का दौर भी जारी है।

हाल के दिनों में एक सुर में देश के अर्थशास्त्रियों ने चेतावनियां दीं। चीन के केंद्रीय बैंक के पूर्व सलाहकार और सिंघुआ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ली दाओकुई ने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था 'बहुत धीमी' पड़ गई है। तेजी से बढ़ते हाई-टेक सेक्टर पूरी अर्थव्यवस्था को ऊपर नहीं उठा सकते। केंद्रीय बैंक के एक अन्य पूर्व सलाहकार लियू शिजिन ने एक फोरम में सुझाव दिया कि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की बुनियादी पेंशन की रकम बढ़ाई जाए, ताकि उनकी क्रयशक्ति को बढ़ाया जा सके। उसी फोरम में, केंद्रीय बैंक के सलाहकार हुआंग हाइझोउ ने कहा कि जो देश कीमतों में गिरावट के चक्र में फंसा हो, वह तकनीकी नवाचार हासिल नहीं कर सकता।

एआई के लिए चीनी सरकार कितनी रकम खर्च कर रही है, उसका सही पता लगाना मुश्किल है। स्टैनफोर्ड की एआई

इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2023 के बीच सरकारी निवेश फंडों ने एआई कंपनियों में अनुमानित 184 अरब डॉलर का निवेश किया। ब्लूमबर्ग के अनुसार, चीन देशभर में डाटा सेंटर बनाने के लिए अगले पांच वर्षों में करीब 295 अरब डॉलर खर्च करने की तैयारी कर रहा है, जिन्हें सरकारी कंपनियां चलाएंगी। चीन की सत्ताधारी पोलितब्यूरो की नियमित छमाही बैठक से ठीक पहले चीनी अर्थशास्त्रियों की बेबाकी बहुत कुछ बयां करती है। उन्हें बहुत ज्यादा निराशावादी बातें न करने की चेतावनी दी गई थी। जब नेतृत्व आर्थिक नीति में बदलाव करने वाला था, ठीक उससे पहले इन हस्तियों का इतनी साफगोई से बोलना दिखाता है कि वे कितने चिंतित हैं। उनका संदेश साफ था-चीनी अर्थव्यवस्था मुश्किल में है और संसाधनों का एआई-केंद्रित आवंटन आम लोगों की आजीविका और देश के आर्थिक भविष्य के लिए महंगा साबित हो सकता है।

नेतृत्व ने उनकी चेतावनियों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। पोलितब्यूरो की बैठक के बाद पार्टी ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सक्रिय कदम उठाने की जरूरत मानी। हालांकि, उसने ऐसे प्रोत्साहन उपायों पर ही भरोसा किया, जिनका असर धीरे-धीरे दिखता है। साथ ही, 'एक समझदार नई अर्थव्यवस्था' बनाने का वादा किया। सरकारी मीडिया ने पुरानी परंपरा से हटकर घरेलू विकास का कोई लक्ष्य घोषित नहीं किया। साल के पहले पांच महीनों में इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और उपकरणों समेत फिक्स्ड-एसेट इन्वेस्टमेंट में 4.1 फीसदी की गिरावट आई। केंद्रीय बैंक के पूर्व सलाहकार ली ने कहा कि चीन के इतिहास में ऐसी गिरावट सिर्फ दो बार देखी गई है-1961 में, जब भयंकर अकाल पड़ा था, और 1967 में, जब सांस्कृतिक क्रांति अपने चरम पर थी। हालांकि, तियानमेन स्क्वायर नरसंहार के बाद 1989 में भी गिरावट आई थी।

कई अर्थशास्त्रियों के सुझाव के उलट शी जिनपिंग का मानना है कि सरकार के नेतृत्व में तकनीक लागू करने से पारंपरिक उद्योगों का आधुनिकीकरण होगा और भविष्य में आर्थिक मूल्य पैदा होगा। पर, इन फायदों को हकीकत में बदलने में कई साल लग सकते हैं। चीन एआई की दौड़ से बाहर नहीं रह सकता। 2026 की पहली छमाही में सूचना सेवा क्षेत्र में निवेश 19.2 प्रतिशत बढ़ा। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मुताबिक, इस बढ़ोतरी में एआई की अहम भूमिका रही। एआई चीन की अर्थव्यवस्था को बदल सकता है और अमेरिका के साथ तकनीकी मुकाबले में उसकी स्थिति मजबूत कर सकता है। लेकिन सवाल है कि इसके लिए चीन को कितनी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ेगी? ज्यादातर देशों के मुकाबले चीन के पास ज्यादा वित्तीय और मौद्रिक लचीलापन है, क्योंकि बीजिंग का बैंकिंग प्रणाली पर नियंत्रण है। सरकारी मदद वाली तकनीक में लगाया गया हर युआन, रोजगार और खपत पर खर्च नहीं हो पाता। स्टैनफोर्ड में चीनी अर्थशास्त्री शू चेंगगांग ने कहा कि चीन जिस मुश्किल स्थिति में है, उसमें कई सरकारें नौकरियां पैदा करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन का इस्तेमाल करतीं। उन्होंने कहा कि जब लोगों के पास नौकरियां होती हैं, तो वे ज्यादा खर्च करते हैं, जिससे एक सकारात्मक आर्थिक फीडबैक लूप बनता है। इसके बजाय, बीजिंग अपना निवेश एआई में लगा रहा है, एक ऐसी टेक्नोलॉजी, जो कर्मचारियों की मांग कम करके भारी बेरोजगारी को और बढ़ा सकती है।

चीन ने बार-बार यह दिखाया है कि एक तानाशाह देश ऐसे मॉडल को भी लंबे समय तक चला सकता है, जो असल में टिकाऊ नहीं है। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि 'लंबे समय' का मतलब 'हमेशा के लिए' नहीं होता। बीजिंग के जाने-माने समाजशास्त्री सन लिपिंग ने सोवियत संघ का उदाहरण दिया। अपने चरम पर, उसकी अर्थव्यवस्था अमेरिका की अर्थव्यवस्था का लगभग 70 प्रतिशत थी, और विज्ञान व तकनीक के कुछ क्षेत्रों में वह अमेरिका से आगे निकल गया था। फिर भी, उसकी केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था आखिरकार ठप पड़ गई। सन लिपिंग ने लिखा कि चीन बड़ी मात्रा में लगातार बेहतर होते जा रहे सामान बना सकता है। लेकिन, चीन में उन्हें खरीदेगा कौन? खरीदारों के बिना, सामान बिकता नहीं है, कारोबार को कोई मुनाफा नहीं होता, परिवारों की आमदनी नहीं बढ़ पाती और रोजगार की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता। यही आज चीन की अर्थव्यवस्था की बुनियादी समस्या है।

यूएन में ऐसा गरजे जयशंकर, मनमर्जी करने वाले देशों को दे डाली चेतावनी

नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन के सबसे बड़े मंच से भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर दुनिया की तथाकथित महाशक्तियों को सीधा और कड़ा आईना दिखाया है। न्यूयॉर्क में चल रहे 81वें संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान आयोजित पार्टनर्स फॉर मल्टीलटरलिज्म समिट में दुनिया भर के दर्जनों देशों के शीर्ष राजनयिक और वैश्विक नेता मौजूद थे। इस उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन को भारत ने खुद सह प्रायोजित किया था। इस मंच से जयशंकर ने साफ कर दिया कि दुनिया आज जिस दौराहे पर खड़ी है, वहां खोखली बयानबाजी नहीं बल्कि ठोस फैसलों की दरकार है। डॉक्टर जयशंकर ने अपने संबोधन की शुरुआत में ही वैश्विक व्यवस्था के संकट को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया दशकों से एक स्वाभाविक रिबैलेंसिंग की तरफ बढ़ रही थी। लेकिन बड़े देशों के बीच की अंधी प्रतिस्पर्धा, भू-राजनीतिक तनाव और प्रत्यक्ष युद्धों ने हालात को बेहद खतरनाक बना दिया है। जयशंकर ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि इस बेलगाम टकराव को तुरंत नहीं रोका गया तो दशकों से बनी अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना पूरी तरह खत्म हो जाएगी। इतिहासकिताबें खोजें

जयशंकर ने विश्व नेताओं के सामने उन वास्तविक समस्याओं को रखा जो आज आम जनता की जिंदगी को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने दुनिया के सामने खड़े चार एफ क्राइसिस पर कड़ा रुख अपनाया। इसमें फ्यूल यानी ईंधन, ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और तेल संकट से जुड़ी समस्या है। फूड यानी खाद्य सुरक्षा, युद्ध और प्रतिबंधों के चलते भुखमरी और अनाज की कमी से जुड़ा मुद्दा है। फर्टिलाइजर यानी उर्वरक खाद की

किल्लत से जुड़ी समस्या है। जिससे गरीब देशों की खेती प्रभावित हो रही है और फाइनेंस यानी वित्त विकासशील देशों पर बढ़ते कर्ज और फंडिंग की कमी से जुड़ा संकट है। जयशंकर ने स्पष्ट कहा कि यह चार एफ संकट अपने आप ठीक नहीं होगा। इसके लिए दुनिया की बड़ी ताकतों को स्वार्थ से ऊपर उठकर जिम्मेदारी लेनी होगी। इतना ही नहीं विदेश मंत्री ने सप्लाई चेन के एकाधिकार और व्यापारिक ब्लैकमेलिंग के खतरे पर भी सख्त टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जहां भी सप्लाई चेन में रुकावट डालने या किसी एक देश के दबदबे का खतरा हो वहां दुनिया को डीरिस्किंग यानी जोखिम कम करने और डायवर्सिफाइंग यानी सप्लाई चेन में नए विकल्प तलाशने और उसका विविधिकरण करने पर जोर देना होगा। इसके साथ ही उन्होंने नई तकनीकों जैसे एआई और साइबर स्पेस के लिए कड़े नियम और गार्ड रेल्स बनाने की भी वकालत की ताकि इन तकनीकों का दुरुपयोग ना हो सके।

एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली में सुधार की जरूरत पर भी जोर देते हुए रिफॉर्मड मल्टीलटरलिज्म यानी सुधारवादी बहुपक्षवाद की मांग को दोहराया। उन्होंने ज्यादा भागीदारी और पारदर्शी तरीके से फैसले लेने की जरूरत बताई ताकि वैश्विक संस्थाएं आज की बदलती दुनिया की चुनौतियों का ज्यादा प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि बंद कमरों में लिए जाने वाले फैसले अब नहीं चलेंगे। जब तक सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों का पूरी ईमानदारी से पालन नहीं होगा और निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी व समावेशी नहीं होगी तब तक संयुक्त राष्ट्र की साख बहाल नहीं हो सकती। सैकड़ों देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में डॉ. एस जयशंकर का यह कड़ा संदेश साबित करता है कि भारत अब केवल श्रोता नहीं है बल्कि दुनिया की दिशा तय करने वाला एक निडर और स्पष्ट नेतृत्वकर्ता बनकर उभर चुका है।

155 बच्चों की मौत, 15 हजार से ज्यादा लापता... बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के हैरान करने वाले आंकड़े

ढाका

बांग्लादेश से हैरान करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने एक मानवाधिकार संगठन का हवाला देते हुए बताया कि इस साल जनवरी से अगस्त के दौरान बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं में 155 बच्चों की मौत हुई। बांग्लादेश में बच्चों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच देश भर में अपहरण के बाद हत्या, रेप, शारीरिक शोषण और हिंसा की अन्य घटनाओं इन बच्चों की जान गई है। ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन एन ओ सालिश केंद्र) ने बताया कि इस साल के पहले आठ महीनों में लापता हुए 36 बच्चों के शव बरामद किए गए, जबकि 68 बच्चों की मौत शारीरिक शोषण के कारण और 49 बच्चों की मौत परिवार से जुड़ी हिंसा की घटनाओं

में हुई।

मानवाधिकार संगठन ने बताया ऐसे 26 मामलों के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें पहले बच्चों का रेप किया गया और फिर उन्हें मार डाला। इन मामलों में दो लड़के भी शामिल थे। मानवाधिकार संगठन ने कहा कि रेप की कोशिश के बाद चार बच्चों की जान चली गई, जबकि तीन की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

शारीरिक शोषण के कारण दो घरेलू कामगारों की मौत हो गई, दो बच्चों की हत्या पीछा करने वालों (स्टॉकर) ने कर दी और एक बच्चे की हत्या अपहरण के बाद कर दी गई। बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी दौरान आत्महत्या, रहस्यमय मौतों और बच्चों के शव मिलने के 99 मामले दर्ज किए। कई मामलों में, आरोपी पीड़ितों के परिचित बताए जाते हैं।

मानवाधिकार संगठन की रिपोर्टों से पता चलता है कि लापता बच्चों के शवों का मिलना बांग्लादेश में नाबालिगों के खिलाफ हिंसा के एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है, जिसमें हाल के मामलों में रेप और हत्या, जानलेवा शारीरिक शोषण और परिवार के सदस्यों के साथ बच्चों की हत्या शामिल है।

सितंबर महीने की शुरुआत में ही बांग्लादेशी पुलिस मुख्यालय ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि साल के पहले सात महीनों में 15,717 बच्चे लापता हुए थे। हालांकि 13,679 बच्चों का पता लगा लिया गया, लेकिन 2,038 बच्चे अभी भी लापता हैं, जो कुल संख्या का लगभग 13 प्रतिशत हैं।

पश्चिम एशिया के झगड़ों के लिए तुर्की और अमेरिका के बीच करीबी बातचीत ज़रूरीः एर्दोगन

अंकारा, (स्पुतनिक/वार्ता)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि पश्चिम एशिया और दुनिया भर के देशों के सामने मौजूद झगड़ों, युद्धों और संकटों से निपटने के लिए तुर्की और अमेरिका के बीच करीबी बातचीत और तालमेल ज़रूरी है। हैबरतुर्क प्रसारक के अनुसार न्यूयॉर्क में एर्दोगन ने कहा, हमारे इलाके और दुनिया में जिन झगड़ों, युद्धों और संकटों का हम सामना कर रहे हैं, उनके लिए तुर्की और अमेरिका के बीच करीबी बातचीत ज़रूरी है। तुर्की नेता के अनुसार, वाशिंगटन के साथ बातचीत और तालमेल से अंकारा को वैश्विक असर वाले कई मुद्दों पर अच्छे नतीजे हासिल करने में मदद मिलती है। एर्दोगन ने बताया कि इसका मुख्य संबंध पश्चिम एशिया की समस्याओं के साथ-साथ अफ्रीका और एशिया पर असर डालने वाली घटनाओं से है। तुर्की के राष्ट्रपति ने ज़ोर देकर कहा कि अंकारा आने वाले समय में अमेरिका के साथ अपना सहयोग जारी रखने और उसे मज़बूत करने का इरादा रखता है।

भेजे जा रहे थे एफ-35 के पार्ट्स, आसमान में ही चीन ने कर दिया खेल ! कहां पहुंच गया प्लेन ?

नई दिल्ली

अमेरिका के सबसे एडवांस स्टील फाइटर एफ35 को लेकर एक ऐसी खबर सामने आई जिसने अमेरिका रक्षातंत्र और कांग्रेस की चिंता बढ़ा दिया। ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका मरम्मत के लिए भेजे जा रहे एफ35 के संवेदनशील पार्ट्स की खेप रास्ते में अचानक हांगकांग पहुंच गई और इसके बाद उसमें शामिल कुछ सामान भी गायब पाया गया। सबसे गंभीर बात यह है कि इस खेप में स्न35 का कॉकपिट कैनोपी भी शामिल बताया जा रहा है। जिसमें विमान की स्टील क्षमता से जुड़ी संवेदनशील तकनीक मौजूद होती है। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने एफ35 जॉइंट प्रोग्राम ऑफिस ने शिपमेंट से जुड़ी समस्या की पुष्टि की है। जेपीओ के मुताबिक अमेरिकी एजेंसियां और उद्योग साझेदार इन पार्ट्स को

वापस हासिल करने और घटना की जांच करने के लिए भविष्य में ऐसी घटना रोकने के लिए सुरक्षा उपायों पर काम कर रहे हैं। हालांकि अब यह साफ नहीं है कि खेप को हांगकांग की ओर क्यों मोड़ा गया और गायब हुए पार्ट्स इस समय कहां है?

अब सबसे बड़ा सवाल एफ35 के एनओपी को लेकर है। यह सामान्य कांच का कवर नहीं होता। रिपोर्टों के मुताबिक इसके निर्माण में ऐसी सामग्री और तकनीक का इस्तेमाल होता है जो विमान के रडार सिग्नेचर को काम करने वाली स्टील डिजाइन का हिस्सा है। यही वजह है कि अगर ऐसा संवेदनशील पार्ट्स किसी प्रतिद्वंदी देश के हाथ लग जाए तो उसकी तकनीकी जांच को लेकर सुरक्षा चिंताएं पैदा हो सकती हैं। हालांकि यहां एक अहम बात समझना जरूरी है। अभी तक कोई सार्वजनिक सबूत सामने नहीं आया कि चीन ने गायब हुए पार्ट्स को हासिल किया है या उनका निरीक्षण किया है। इसलिए ये कहना एफ35 की हिस्ट्री तकनीक चीन के हाथ लग गई। फिलहाल सही नहीं होगा। मौजूदा चिंता इस संभावना को लेकर है कि हांगकांग पहुंचने के बाद संवेदनशील सैन्य सामग्री की सुरक्षा से समझौता हुआ हो सकता है। यह पूरा मामला एफ35 की ग्लोबल सप्लाई चेन को लेकर भी सवाल खड़े करता है। एफ35 कार्यक्रम के तहत अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में इस फायर पार्ट्स को एक साझा वैश्विक नेटवर्क है।

अत्याचार से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले : धामी

देहरादून, (वार्ता)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति की बैठक केवल औपचारिक समीक्षा तक सीमित न रहे। यह सुनिश्चित किया जाए कि अत्याचार से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर न्याय, सुरक्षा, सम्मान और उसका अधिकार मिले। इसके लिए मामलों की नियमित समीक्षा के साथ पूरी व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 से अब तक अधिनियम के अंतर्गत दर्ज जिन मामलों में विवेचना लंबित है, उनके कारणों की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष न्यायालयों में लंबित मामलों की भी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। मामलों की प्रभावी पैरवी के लिए आवश्यकता के अनुसार विशेष लोक अभियोजकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पीड़ितों को अनुमन्य राहत राशि के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो। जिन मामलों में राहत देने में विलंब हुआ है, उनकी अलग से समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों की सहायता केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार उन्हें चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा, पुनर्वास और अन्य पात्र सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाए। गंभीर एवं संवेदनशील मामलों में पीड़ित और उसके परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी घटना के कारण प्रभावित परिवार के बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो तथा पात्र बच्चों को छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षिक सहायता योजनाओं से जोड़ा जाए।

यमन के पहाड़ी इलाकों पर कब्जा करने में जुटे हूती, सऊदी के कंट्रोल वाले एरिया को ब्लॉक करने की तैयारी

रियाद

यमन में चल रहा संघर्ष अब रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गया है। सोमवार को हूती लड़ाकों ने वहां की मुख्य पहाड़ियों और ऊंचे इलाकों पर कब्जा करने की पूरी कोशिश की। इनकी योजना सऊदी अरब के समर्थन वाली सेनाओं को लाल सागर के तट से पूरी तरह अलग-थलग कर देना चाहते हैं।

इसी बीच, एक हैरान करने वाली खबर भी चर्चा में है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान हूतियों पर होने वाले अमेरिकी हवाई हमलों को ऐन मौके पर रोक दिया था। ईरान के समर्थन वाले इस गुट ने इस महीने जिस तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं, उसने मध्य पूर्व के युद्ध को एक नए और खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है। इसका असर अब

सिर्फ यमन तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर की ऊर्जा आपूर्ति पर भी एक बड़ा संकट मंडराने लगा है। साल 2014 से यमन की राजधानी पर नियंत्रण रखने वाले हूतियों ने इस महीने तेजी से आगे बढ़ते हुए देश के लाल सागर तट के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त और सऊदी अरब समर्थित यमनी सरकार की सेनाओं को दक्षिण की ओर पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। हूतियों के अनुसार, सऊदी अरब ने हाल के दिनों में पहाड़ी इलाकों में उनके ठिकानों पर सैकड़ों हवाई हमले किए हैं। लेकिन इन हवाई हमलों का हूतियों की बढ़त को धीमा करने में अब तक बहुत कम असर हुआ है, क्योंकि जमीन पर सऊदी-समर्थित सरकारी सेनाएं कमजोर पड़कर पीछे हट गई हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लड़ाई तेज होने के बाद से अब तक लगभग 700 लोग मारे गए हैं और हजारों घायल हुए हैं। 1,20,000 से ज्यादा यमनी नागरिकों को अपने घर छोड़कर देश के भीतर ही विस्थापित होना पड़ा है, जबकि हजारों अन्य लोग नावों के जरिए लाल सागर पार करके अफ्रीका भाग गए हैं। रॉयटर्स के अनुसार, हूती अब ताइज और लाहिज प्रांतों में स्थित कहबूब पर्वत पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। ये इलाके लाल सागर के तट को सरकार के नियंत्रण वाले दक्षिणी हिस्से से अलग करते हैं। वर्तमान में मुख्य लड़ाई ताइज प्रांत के दूर-दराज पहाड़ी इलाके अल-वाजिया जिले के बाहरी हिस्सों और हिंद महासागर के तट पर स्थित रस अल-आरा में हो रही है। यह इलाका लाल सागर के मुहाने और अदन में मौजूद सरकारी सैन्य बेस के बीच स्थित है। सूत्रों के मुताबिक, ऊंचे इलाकों पर कब्जा करके हूती लड़ाके लाल सागर की ओर जाने वाले बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य के आस-पास अपने पिछले मोर्चे को सुरक्षित करना चाहते हैं, ताकि वे जंग के नए मोर्चे खोल सकें।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी प्रभारी राजदूत को तलब कर हवाई हमलों पर जताया विरोध

काबुल, (स्पूतनिक/वार्ता।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब कर पक्तिका और कुनार प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि ये हमले अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन हैं तथा देश इस तरह की कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है।

पाकिस्तानी राजनयिक के साथ बैठक के दौरान अफगानिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि ने पाकिस्तान में हाल में हुई सुरक्षा घटनाओं के लिए अफगानिस्तान की धरती को जिम्मेदार ठहराने वाले आरोपों को निराधार बताया। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के बयानों का मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के बयानों का इस्तेमाल सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने, तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और जनता को गुमराह करने के लिए किया जा रहा है। मंत्रालय ने पाकिस्तान से अपनी घरेलू समस्याओं के समाधान और अस्थिरता के कारणों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उसने कहा कि पाकिस्तान को जिम्मेदारी दूसरे देशों पर डालने और विदेशों में दुश्मन तलाशने से बचना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने पुष्टि की है कि कल कुनार प्रांत में हुए हवाई हमलों में कम से कम तीन नागरिकों की मौत हुई है, जिनमें एक बच्ची भी शामिल है। चार अन्य नागरिक घायल हुए हैं। यूएनएएमए के प्रतिनिधियों ने कहा कि 2026 की शुरुआत से अब तक अफगानिस्तान में सीमा पार से हुए सशस्त्र हमलों में 1,100 से अधिक नागरिकों की मौत या घायल होने के मामले दर्ज किए गए हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मिहिर आहूजा ने प्रसन्ना बिष्ट के साथ आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी की

अभिनेता मिहिर आहूजा ने प्रसन्ना बिष्ट के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।शूटिंग पूरी होने पर मिहिर ने कहा कि इस फिल्म का सफर उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने कहा, हर प्रोजेक्ट अपने साथ कुछ नया लेकर आता है और इस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ सीखने, चीजों को नए तरीके से समझने तथा प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का मौका दिया। प्रसन्ना बिष्ट के साथ काम करना भी अच्छा अनुभव रहा और शूटिंग के दौरान हमने कई यादगार पल बिताए। मिहिर ने कहा कि किसी प्रोजेक्ट के खत्म होने पर खुशी के साथ उन किरदारों और दुनिया को अलविदा कहने का एहसास भी होता है, जिसके साथ कलाकार लंबे समय तक जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने बतौर अभिनेता उनकी यात्रा में कुछ नया जोड़ा है और वह इसके अनुभव के लिए आभारी हैं।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि फिल्म के प्रदर्शित होने पर दर्शक कहानी और किरदारों से उसी तरह जुड़ पाएंगे, जैसे शूटिंग के दौरान पूरी टीम इससे जुड़ी रही।

दुर्गा खोटे ने प्रशस्त किया महिलाओं के लिये फिल्मों में काम करने का मार्ग

भारतीय सिनेमा जगत में दुर्गा खोटे को एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने महिलाओं और युवतियों के लिए फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का मार्ग प्रशस्त किया।

दुर्गा खोटे जिस समय फिल्मों में आईं, उन दिनों फिल्मों में काम करने से पहले पुरुष ही स्त्री पात्र का भी अभिनय किया करते थे। दुर्गा खोटे ने फिल्मों में काम करने का फैसला किया और इसके बाद से हीं सम्मानित परिवारों की लड़कियां और महिलाएं फिल्मों में काम करने लगीं। 14 जनवरी, 1905 को मुंबई में जन्मी दुर्गा खोटे ने वर्ष 1931 में प्रदर्शित प्रभात फिल्म कम्पनी की मूक फिल्म फरेबी जाल में एक छोटी सी भूमिका से अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने वी शांताराम की मराठी फिल्म अयोध्येचा राजा (1932) में काम किया। इस फिल्म में उन्होंने रानी तारामती की भूमिका निभाई। अयोध्येचा राजा मराठी में बनी पहली सवाक फिल्म थी। इस फिल्म की सफलता के बाद दुर्गा खोटे बतौर अभिनेत्री अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गईं।

इसके बाद प्रभात फिल्म कंपनी की ही वर्ष 1932 में प्रदर्शित फिल्म माया मछिन्द्र ने दुर्गा खोटे ने एक बहादुर योद्धा की भूमिका निभाई। इसके लिए उन्होंने योद्धा के कपड़े पहने और हाथ में तलवार पकड़ी। वर्ष 1934 में कलकत्ता की ईस्ट इंडिया फिल्म कंपनी ने सीता फिल्म का निर्माण किया जिसमें दुर्गा खोटे के नायक पृथ्वीराज कपूर थे। देवकी कुमार बोस निर्देशित इस फिल्म में उनके दमदार अभिनय ने उन्हें शीर्ष अभिनेत्रियों की कतार में खड़ा कर दिया। प्रभात फिल्म कंपनी की वर्ष 1936 में बनी फिल्म अमर योति से दुर्गा खोटे को काफी ख्याति मिली। दुर्गा खोटे के साथ फिल्मों में काम करना उनकी मजबूरी भी थी। वह जब महज 26 साल की थी तभी उनके पहले पति विश्वनाथ खोटे का असामयिक निधन हुआ। परिवार चलाने और बचों की परवरिश के लिए उन्होंने फिल्मों में काम करना जारी रखा। बाद में उन्होंने मोहम्मद राशिद नाम के व्यक्ति से दूसरा विवाह किया, लेकिन उनके साथ गृहस्थी यादा दिन नहीं चल पाई। इस बीच, उनके छोटे बेटे हरिन का भी देहांत हो गया। उन्होंने 1937 में एक फिल्म साथी का निर्माण और निर्देशन भी किया। के. आसिफ की मुगले आजम में रानी जोधाबाई के उनके किरदार को दर्शक आज तक नहीं भूल पाए हैं। इसके अलावा उन्होंने विजय भट्ट की क्लासिक फिल्म भरत मिलाप में कैकेयी की भूमिका निभाई थी। दुर्गा खोटे ने मुम्बई मराठी साहित्य संघ के लिए कई नाटकों में काम किया। शेक्सपीयर के मशहूर नाटक मैकबेथ के वी. वी.शिरवाडकर द्वारा राजमुकुट नाम से किए गए मराठी रूपांतरण में उन्होंने लेडी मैकबेथ का किरदार निभाया था, जो काफी चर्चित रहा था। दुर्गा खोटे ने अपने पांच दशक से भी अधिक लंबे कैरियर में हिन्दी और मराठी की लगभग दो सौ फिल्मों में काम किया। इसके अलावा उन्होंने अपनी कंपनी फैक्ट फिल्म्स और फिर दुर्गा खोटे प्रोडक्शंस के बैनर तले 30 साल से अधिक समय तक कई लघु फिल्मों, विज्ञापन फिल्मों, वृत्त चित्रों और धारावाहिकों का निर्माण भी किया। छोटे पर्दे के लिए उनका बनाया गया सीरियल वागले की दुनिया दर्शकों में काफी लोकप्रिय हुआ था।उन्होंने मराठी भाषा में मी दुर्गा खोटे नाम से मराठी भाषा में अपनी आत्मकथा भी लिखी जो काफी चर्चित रही। बाद में आई दुर्गा खोटे नाम से इसका अंग्रेजी अनुवाद भी किया गया। भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें 1983 में सर्वोच सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1968 में दुर्गा खोटे को पदमश्री से भी सम्मानित किया गया। अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाली महान अभिनेत्री 22 सितम्बर 1991 को इस दुनिया को अलविदा कह गईं।

नीरू शर्मा की लाइक माँ में सोनाली कुलकर्णी, पहला पोस्टर जारी

अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी फिल्मकार नीरू शर्मा की आगामी शॉर्ट फिल्म लाइक माँ में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है।

23 मिनट की यह शॉर्ट फिल्म एक उच-मध्यमवर्गीय परिवार की पृष्ठभूमि पर आधारित है और मातृत्व तथा पीढ़ियों के बीच के रिश्तों की जटिलताओं को संवेदनशीलता से प्रस्तुत करती है। फिल्म में सोनाली गृहिणी अंजना की भूमिका निभा रही हैं, जिसका अपनी किशोर बेटी के साथ रिश्ता कहानी की भावनात्मक धुरी है।

नीरू शर्मा द्वारा लिखित, निर्मित और निर्देशित लाइक माँ में पारिवारिक अनुभवों, अपेक्षाओं और सामाजिक सोच के रिश्तों पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाया गया है। फिल्म से जुड़ने के बारे में सोनाली ने कहा कि कहानी की ईमानदारी और संवेदनशीलता ने उन्हें आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि नीरू ने विषय को आत्मीयता से प्रस्तुत किया है और यह किरदार उन्हें ऐसे मानवीय भावों को जीने का अवसर देता है, जिनसे हर कोई जुड़ सकता है। फिल्म में मेहदी खान, मेहान सोनी, स्मिता इनामदार, ऐश्वर्या मनोहर, हिशा जोशी, नंदिनी शर्मा, कोमल खिमसरिया और अयाज़ खान भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। निरुवाना क्रिएशन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता राजीव पाराशर हैं। आकाश सेठी ने सिनेमैटोग्राफी, संदीप कुरुप ने संपादन, कौशल महावीर ने संगीत और रुचा देओघरकर ने प्रोडक्शन डिजाइन का जिम्मा संभाला है।

तेज आंधी-हवा से खापा बाजार एवं डोकरांजी क्षेत्र में मक्के की फसल बिछी, किसानों को भारी नुकसान

सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के खापा बाजार एवं डोकररांजी सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी-हवा के कारण खेतों में खड़ी मक्के की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। कई खेतों में तैयार हो रही मक्के की फसल पूरी तरह बिछ जाने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। क्षेत्र में प्रभावित किसानों से मुलाकात कर खेतों में पहुंचकर फसल की स्थिति एवं नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान किसानों ने बताया कि तेज हवा के कारण उनकी मेहनत से तैयार हो रही फसल खेतों में गिर गई, जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को देखते हुए संबंधित अधिकारियों से चर्चा

कर प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र फसल सर्वे एवं नुकसान का उचित आकलन करवाने तथा पात्र किसानों को नियमानुसार राहत एवं मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। किसानों की इस कठिन परिस्थिति में उनके साथ खड़े हैं और उनके हितों के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

जनहित के प्रकरणों के निराकरण में तत्परता बरतें-कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना

सिवनी। स्वतंत्र मत। शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ आमजन तक समय पर पहुंचे तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो, इसके लिए विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा में दर्ज प्रकरणों की विभागवार स्थिति की जानकारी लेने के साथ मुख्यमंत्री जनविश्वास एवं सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों की भी समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती मीना ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्वक किया जाए और संबंधित शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित हो। अधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही स्पष्ट एवं तथ्यपरक हो तथा प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर लंबित शिकायतों को कम करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएं।

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरण जिनके निराकरण में एक से अधिक विभागों की भूमिका है, उनमें आपसी समन्वय से कार्यवाही की जाए। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित रखने अथवा दूसरे स्तर पर भेजने के बजाय संबंधित अधिकारी स्वयं प्रकरण की निगरानी करें। कलेक्टर ने विभागवार लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निराकरण की गति और गुणवत्ता दोनों पर ध्यान देने के निर्देश दिए। समय-सीमा में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभागवार लंबित मामलों की स्थिति जानी। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा के प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग विभागीय स्तर पर की जाए और जिन मामलों में किसी अन्य विभाग अथवा वरिष्ठ स्तर से कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें समय रहते समन्वय स्थापित किया जाए।मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती मीना ने शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने शेष आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा आगामी शिविरों की तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से नागरिकों को शासन की सेवाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए सभी संबंधित विभाग आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ उपस्थित रहें। शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इनका लाभ उठा सकें। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की विभागवार जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने अब तक किए गए आयोजनों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को अभियान की निर्धारित गतिविधियों का नियमित एवं व्यवस्थित आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गतिविधियों के आयोजन से पहले आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं तथा संबंधित विभाग अपने दायित्वों के अनुरूप सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। अभियान के माध्यम से नागरिकों तक योजनाओं और जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर भी उन्होंने जोर दिया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने स्तर पर लंबित प्रकरणों एवं अभियान की गतिविधियों की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में समयबद्धता, समन्वय और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए आमजन को शासन की सेवाओं का सुगम लाभ उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

मृत्यु के बाद भी मानव सेवा का संकल्प जिला सिवनी अस्पताल में किया गया देहदान

सिवनी/लखनादौन। संत रामपाल जी महाराज की शिक्षाओं एवं मानव सेवा की प्रेरणा से हरिचंद दास ने देहदान कर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। ग्राम डागनगोंदी, पोस्ट करनपुर, तहसील लखनादौन, जिला सिवनी निवासी हरिचंद दास के निधन के बाद परिजनों ने उनकी देह जिला सिवनी अस्पताल में देहदान के लिए समर्पित की।

हरिचंद दास की पत्नी शांता बाई दासी एवं पुत्र हरिसिंह दास ने इस सेवा कार्य में अपनी सहमति एवं सहभागिता निभाई। परिवार के अनुसार, संत रामपाल जी

महाराज से मिली मानव कल्याण और परोपकार की प्रेरणा से देहदान का निर्णय लिया गया।

देहदान के दौरान जिला सिवनी अस्पताल में चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत पार्थिव शरीर को स्वीकार किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने देहदान को चिकित्सा शिक्षा एवं मानव कल्याण के लिए महत्वपूर्ण सेवा बताया।

परिवार का कहना है कि मनुष्य का शरीर मृत्यु के बाद भी चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन और भावी चिकित्सकों की शिक्षा में उपयोगी हो सकता है। इसी उद्देश्य से हरिचंद दास के परिवार ने यह निर्णय लेकर समाज में देहदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

मेरे सपनों का भारत संकुल स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता

सिवनी। स्वतंत्र मत। नेताजी सुभाष चंद्र बोस हायर सेकेंडरी स्कूल सिवनी में प्राचार्य श्रीमती राजेश्वरी धुर्वे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ जिसमें संकुल से आए हुए लग भग 100 छात्राओं ने भाग लिया है जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कुमारी अंसरा इमरान खान नेताजी सुभाष चंद्र बोस हायर सेकेंडरी स्कूल सिवनी दूसरा स्थान श्री दुबे मॉडर्न स्कूल शिक्षा भारती नेताजी स्कूल भूमिका मॉडर्न विद्यालय सिवनी प्राप्त किया।

इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृतिका पांडे मॉडर्न हाई द्वितीय हस्सान कुरैशी स्कूल नेताजी स्कूल तृतीय स्थान माध्यमिक शाला बमहोडी से श्याम शिव ने प्राप्त किया इस

संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती पूजा पांडे और मोहम्मद साबिर खान राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के द्वारा किया गया इसमें प्राचार्य महोदय श्रीमती राजेश्वरी धुर्वे ने अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया इसमें आए हुए अतिथि गणों में संजय जैन संजू जी ने अपने उद गार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अपने देश का विकास करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए और हमें हर मोड़ पर साहस और धैर्य के साथ काम लेना चाहिए।

संपूर्ण कार्यक्रम को उपप्राचार्य श्रीमती अंजना राय श्रीमती सुनीता डेहरिया श्री यशवंत साहू ज्योति पोरते ने नंदकिशोर रहग डाले रामेश्वर बिसेन सर ने अहम भूमिका का निरवाहन किया मंच संचालन श्रीमती पूजा पांडे के द्वारा किया गया और आभार प्रदर्शन श्रीमतिया अकीला ने खान किया।

केरल के कन्नूर में संपन्न हुआ इंडियन स्काउट गाइड फेलोशिप का 20वां राष्ट्रीय सम्मेलन

सिवनी के 4 अग्रज स्काउट्स ने की सहभागिता

सिवनी। स्वतंत्र मत। इंडियन स्काउट गाइड फेलोशिप का 3 दिवसीय 20 वां राष्ट्रीय सम्मेलन भारत के वेनिस कहे जाने वाले केरल राज्य के कन्नूर जिले में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। तेयम की धरती और मालाबार के हरित समुद्री द्वार के नाम से प्रसिद्ध कन्नूर में 18 से 20 सितंबर तक आयोजित इस त्रिदिवसीय सम्मेलन में देशभर के लगभग 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में सिवनी फेलोशिप के 4 अग्रज स्काउट्स - डॉ. महेंद्र डहरवाल, सुनील रोकड़े, हर्षा रोकड़े एवं रत्नेश कोहरू ने सिवनी का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन का आयोजन Ind SGF के कार्यकारी अध्यक्ष मैक मक्की के निर्देशन और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री सय्यद किरमानी के संरक्षण में किया गया।

सम्मेलन के पहले दिन सिवनी

दल ने उद्घाटन सत्र और फैशन शो में सहभागिता की। दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध परस्सिनिक्कडवु मुथप्पन मंदिर की काकड़ आरती, जिसे मुथप्पन तेयम कहा जाता है, और नारियल के घने वनों से आच्छादित वलियापरम्बा नदी में नौका विहार रहा, जिसमें सभी प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीसरे दिन प्रतिनिधियों ने ऐतिहासिक कन्नूर फोर्ट का भ्रमण किया।

सिवनी दल की इस उपलब्धि पर सिवनी स्त्रस्न के अध्यक्ष नितिन सक्सेना, कोषाध्यक्ष फारूक खान, समन्वयक आनंद चौरसिया और संरक्षक जिला ट्रेनिंग कमिश्नर आर. पी. कोहरू ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों को शुभकामनाए दी.

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिवनी में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन आज

सिवनी। स्वतंत्र मत। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान द्वारा 23 सितंबर 2026, बुधवार को प्रात: 9.30 बजे से एक दिवसीय रोजगार चयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह चयन शिविर क्रेस्ट एलायंस के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि रोजगार चयन शिविर का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, छिड़िया पलारी, चूना भट्टी, सिवनी में किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड, अहमदाबाद-साणंद, गुजरात द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। शिविर में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थी का नियमित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

मजदूरी के पसीने से एमपीपीएससी में रचा इतिहास

मलाजखंड की खदानों से निकलकर डॉ. राजेश राहंगडाले ने हासिल किया प्रदेश में 9 वां स्थान

बालाघाट। कभी मलाजखंड की खदानों में मजदूरी करने वाले हाथों ने आज सफलता की ऐसी इबारत लिखी है, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। कभी घर-घर अखबार बांटकर और दुकानों में काम कर पढ़ाई का खर्च जुटाने वाले डॉ. राजेश कुमार राहंगडाले ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) परीक्षा-2024 में प्रदेश की मुख्य सूची में 9वां स्थान हासिल किया है। उनकी यह सफलता केवल एक प्रतियोगी परीक्षा में मिली उपलब्धि नहीं, बल्कि अभावों, संघर्ष और लगातार प्रयासों के बीच अपने सपनों को जीवित रखने की कहानी है। वर्तमान में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, लालबर्रा में उच्च माध्यमिक शिक्षक (वाणिज्य) के रूप में कार्यरत डॉ. राजेश की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनकी जिंदगी का सफर बताता है कि आर्थिक परिस्थितियां कठिन हो सकती हैं, लेकिन दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत के सामने मंजिल दूर नहीं रहती। डॉ. राजेश का

विद्यार्थी जीवन आर्थिक चुनौतियों से भरा रहा। पढ़ाई जारी रखने के लिए उन्होंने परिस्थितियों से समझौता करने के बजाय काम करने का निर्णय लिया। मलाजखंड की खदानों में मजदूरी करने के साथ उन्होंने अलसुबह घर-घर अखबार बांटे, दुकानों में काम किया और कोचिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया। इन कामों के बीच उनकी किताबों से दोस्ती बनी रही। दिन का एक हिस्सा रोजी-रोटी के संघर्ष में गुजरता था तो दूसरा हिस्सा भविष्य को संवारने में। खास बात यह रही कि उनका संघर्ष केवल अपने भविष्य के लिए नहीं था।

महर्षि वाल्मीकि योजना के अंतर्गत 3 विद्यार्थियों को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

बालाघाट। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा महर्षि वाल्मीकि योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये तक होने पर खएए, ठएएळ और उछअळ जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित विद्यार्थियों को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने इस योजना के अंतर्गत जिले के 03 विद्यार्थियों को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि मंजूर की है। लांजी तहसील के ग्राम मोहारा की निवासी शिवानी पिता नरेश बिंझलेकर तथा खैरलांजी तहसील के ग्राम चिखलाबांध निवासी निशांत पिता जितेंद्र रानाडे को नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 50-50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। दोनों विद्यार्थी आगे की पढ़ाई आरकेडीएफ डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल में करेंगे। इसी प्रकार लालबर्रा तहसील के ग्राम धरपीवाड़ा निवासी पूर्वी मेश्राम को जेईई मेन्स परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। पूर्वी मेश्राम अब आगे की पढ़ाई आईआईटी दिल्ली में करेंगी। महर्षि वाल्मीकि योजना के माध्यम से जिले के इन विद्यार्थियों को मिली आर्थिक सहायता उनकी उच्च शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण सहयोग साबित होगी। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के बाद आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है।

जनसुनवाई में 123 आवेदको ने की शिकायतें, मजदूरी, सीमांकन, दस्तावेज सुधार और योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग उठी

बालाघाट। मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन हुआ, जिसमें 123 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे। जिन्हे अधिकारियों ने सुना और निराकरण का आश्वासन दिया। जनसुनवाई में बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बिठली के सरपंच एवं ग्रामवासी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिठली में कृषि विषय प्रारंभ कराने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि विद्यालय के अधिकांश विद्यार्थी कृषि परिवारों से जुड़े हैं और इस विषय में उनकी विशेष रुचि है। कृषि विषय शुरू होने से विद्यार्थियों को आधुनिक खेती, सिंचाई, मृदा संरक्षण एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलेगी। अत- उन्होंने विद्यालय में कृषि विषय शुरू कराने की अनुमति एवं आवश्यक व्यवस्था करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी विकासखंड अंतर्गत ग्राम सावरी की पूनम बनोटे अपने पिता स्व. सुरेश बनोटे की संबल कार्ड में दर्ज जन्मतिथि सुधारने की मांग लेकर आयी थी। पूनम का कहना था कि उसके पिता की

वास्तविक जन्मतिथि स्कूल दस्तावेजों के अनुसार 16 जुलाई 1968 है, जबकि संबल कार्ड में उम्र अधिक दर्ज है। जन्मतिथि में अंतर के चलते संबल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है और जनपद पंचायत स्तर से आवेदन निरस्त कर दिया गया। अत- शीघ्र जन्मतिथि सुधार कर संबल योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में श्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। इसी तरह बैहर विकासखंड की ग्राम पंचायत कंदई निवासी सुरिला उइके की समग्र आईडी के दूसरे जिले में प्रदर्शित होने की शिकायत लेकर आयी थी। उसने बताया कि उसकी समग्र आईडी भोपाल नगर पालिका में दिख रही है, जबकि पंचायत सचिव द्वारा ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन अनुरोध दर्ज किया गया है।

समग्र आईडी सत्यापन नहीं होने के कारण उसे मध्यान्ह भोजन रसोईया के कार्य का करीब छह माह से मानदेय नहीं मिला है। अत- शीघ्र समग्र आईडी में सुधार कराया जाए। इस प्रकरण में डीईजीएम को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।जनपद पंचायत परसवाडा के निवासी ठेकेदार नरेंद्र गिरी गोस्वामी बस स्टैण्ड शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं शौचालय सह सभा मंच निर्माण कार्य में लगी श्रमिकों की बकाया मजदूरी का भुगतान कराने की मांग लेकर आये थे। नरेंद्र का कहना था कि निर्माण कार्य के दौरान श्रमिकों की 03 लाख 48 हजार रुपए की मजदूरी की राशि शेष है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का ग्राउंड फ्लोर पूर्ण हो चुका है, जबकि फर्स्ट फ्लोर व सभा मंच का कार्य अभी जारी है। नरेंद्र ने बकाया मजदूरी का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की, ताकि शेष निर्माण कार्य समय पर पूरा कराया जा सके। इस प्रकरण में में जनपद सीईओ परसवाडा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम नगपुरा के हरिलाल मेहरबान आवेदन प्रस्तुत करने के छह माह बाद भी सीमांकन नहीं होने की शिकायत लेकर आये थे।

हरिलाल का कहना था कि उसने 05 जनवरी 2026 को भूमि सीमांकन के लिए तहसील कार्यालय लामता में आवेदन प्रस्तुत किया था किंतु राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा टालमटोल किए जाने से उसे बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर ही लगाने पड़ रहे हैं। उसने मामले में उचित एवं वैधानिक कार्रवाई कर भूमि का सीमांकन कराने की मांग की है। इस प्रकरण में लामता तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

भावांतर योजना के विरोध में बालाघाट से उठी आवाज भोपाल पहुंची

बालाघाट। धान उत्पादक किसानों के हित में किसान गर्जना संगठन द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे आंदोलन और लगातार उठाई जा रही आवाज का असर आखिरकार दिखाई दिया है। भावांतर योजना को लेकर बालाघाट, सिवनी सहित धान उत्पादक क्षेत्रों के किसानों में लगातार आक्रोश था। किसान गर्जना संगठन ने सबसे पहले धान उत्पादक जिले बालाघाट से इस मुद्दे को मजबूती से उठाते हुए सरकार से भावांतर योजना वापस लेने और धान की खरीदी पूर्व की तरह सहकारी समितियों के उपार्जन केंद्रों के माध्यम से करने की मांग की थी। किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा कि संगठन ने लगातार स्पष्ट किया था कि धान उत्पादक किसानों के लिए मंडी आधारित भावांतर व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है।

संभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता में बालाघाट की बेटियों का शानदार प्रदर्शन

फाइनल में डिंडोरी को 3-0 से हराकर मिनी वर्ग में बनीं विजेता।

10 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

बालाघाट। जबलपुर में 21 सितंबर को आयोजित संभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता के मिनी वर्ग में बालाघाट की बेटियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में बालाघाट की टीम ने डिंडोरी को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से पराजित कर प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की।बालाघाट जिले की ओर से कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट, गोंगलाई की छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। टीम की खिलाड़ियों ने पूरे टूनामेंट के दौरान बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में भी खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए डिंडोरी की टीम पर दबाव बनाए रखा और 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। टीम की इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर, जिला प्रधाधिकारी डी.के. मेश्राम, प्राचार्य सुनीता बोरकर सहित संस्था के समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों एवं टीम के प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। संस्था के पीटीआई कमल किशोर तेलासे ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर टीम की 10 खिलाड़ियों का चयन विभागीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 23 सितंबर को शहडोल में किया जाएगा। बालाघाट की खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय एवं जिले में खुशी का माहौल है।

गणेश उत्सव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

आकर्षक झांकियों और पंडालों में जुट रही भीड़

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर में गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गणेश विसर्जन में अब महज दो दिन शेष हैं, ऐसे में शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में धार्मिक आयोजनों के साथ आकर्षक सजावट और झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं। शहर के प्रमुख गणेश पंडाल गणेश चौक में भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। यहां गणेश उत्सव समिति द्वारा आकर्षक साज-सज्जा के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा शेर चौक, आजाद चौक, गाटर घाट, चांडक चौक, गांधी स्कूल, जालपा मंदिर, नई बस्ती सहित शहर के अनेक स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की भव्य स्थापना की गई है। पंडालों में सजाई गई आकर्षक झांकियां और विद्युत सजावट श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। गणेश समितियों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। उपनगरीय क्षेत्रों माधवनगर, एनकेजे, आयुध निर्माणी और बजरिया में भी गणेश उत्सव की धूम है। यहां समितियों द्वारा विशेष साज-सज्जा के साथ आकर्षक झांकियां तैयार की गई हैं। शाम होते ही इन क्षेत्रों के पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है।

25 सितंबर को होगा विसर्जन

गणेश उत्सव के समापन पर 25 सितंबर को भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इसे लेकर प्रशासन ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। विसर्जन के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

फोटो : विकास गुप्ता

गोलबाजार रामलीला का भूमि पूजन संपन्न, 4 अक्टूबर से होगा भव्य मंचन

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर की ऐतिहासिक गोलबाजार रामलीला की तैयारियों का विधिवत आगाज हो गया है। वर्ष 1884 में स्थापित गोलबाजार रामलीला में आज कमेटी के उपाध्यक्ष रवि खरे की अध्यक्षता में भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के साथ ही आगामी रामलीला आयोजन की तैयारियों का शुभारंभ हो गया है। इस वर्ष 4 अक्टूबर से मुकुट पूजन के साथ रामलीला का भव्य मंचन प्रारंभ होगा। गोलबाजार की यह ऐतिहासिक रामलीला सवा सौ वर्षों से अधिक समय से भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। बदलते दौर में भी इस धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखने के लिए गोलबाजार रामलीला कमेटी लगातार सक्रिय है। भूमि पूजन के अवसर पर भरत अग्रवाल, रवि खरे, राकेश अग्रवाल, राजेन्द्र सोंधिया, शरद अग्रवाल, रामजी यादव, नीरज अग्रवाल, बबलू अग्रवाल, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, अभिषेक अग्रवाल, रणवीर कर्ण, अंतिम गुप्ता, मनोज बाझल, गिरधारी शर्मा, नरेश सोनी, अनुभव शुक्ला, अंकुश रजक, तपन निषाद, वैभव अग्रवाल, सुग्रीव जायसवाल, मिथलेश महोबिया, श्रीदीन राठौर, संतराम टिकियामल, लखन अग्रवाल, सुरेश विश्वकर्मा और सुरजीत पटैल सहित रामलीला कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। भरत अग्रवाल ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की कि 4 अक्टूबर से शुरू होने वाले रामलीला के भव्य मंचन में प्रतिदिन शामिल हों और भगवान श्रीराम के आदर्शों एवं जीवन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें। वहीं अतिक्रमण के मुद्दे को लेकर भी कमेटी ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। भरत अग्रवाल ने कहा कि गोलबाजार रामलीला शहर का ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन है। ऐसे में रामलीला मैदान का स्वरूप और पर्याप्त स्थान सुरक्षित रहना जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से मैदान में किए गए अवैध कब्जों और अतिक्रमण को हटाने की मांग की।

आशुतोष शुक्ला के निधन पर शोकसभा

गोलबाजार रामलीला कमेटी के मीडिया कार्यों को संभालने वाले आशुतोष शुक्ला के देवलोक गमन पर कमेटी के सदस्यों द्वारा शोकसभा आयोजित की गई। इस दौरान सदस्यों ने स्वर्गीय आशुतोष शुक्ला को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रामलीला कमेटी और मीडिया कार्यों में उनके योगदान को याद किया। शोकसभा में सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि आशुतोष शुक्ला की सेवाओं और रामलीला कमेटी के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। **फोटो : विकास गुप्ता**

परिवहन विभाग का सघन जांच अभियान, दो बसों की फिटनेस निरस्त

बिना परमिट दो यात्री बसें जब्त, ओवरलोड मालवाहक और बिना फिटनेस एंबुलेंस पर भी कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर कटनी के निर्देश एवं मार्गदर्शन में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल द्वारा 22 सितंबर को कटनी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्कूल बसों, यात्री बसों, मालवाहक वाहनों एवं एंबुलेंस की जांच की गई। परिवहन विभाग की टीम द्वारा वाहनों के परमिट, फिटनेस सहित आवश्यक दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 18 स्कूल बसों एवं 22 यात्री बसों की जांच की गई। जांच में दो यात्री बसें बिना वैध परमिट के संचालित होती पाई गईं। बिना परमिट वाहन संचालन पाए जाने पर दोनों यात्री बसों को जब्त कर थाना कुठला में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। परिवहन विभाग द्वारा वाहन संचालकों को निर्धारित नियमों के अनुसार ही यात्री वाहनों का संचालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो स्कूल बसों की फिटनेस निरस्त

जांच के दौरान स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। निरीक्षण में ग्लोबल पब्लिक स्कूल की बस क्रमांक एमपी21जेडजी7043 तथा वेल वेदर स्कूल की बस क्रमांक एमपी21पी0445 में कैमरा नहीं पाया गया। इसके साथ ही वाहनों में वीएलटीडी चालू नहीं होने सहित अन्य कमियां भी सामने आईं।

विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों स्कूल बसों की फिटनेस निरस्त कर दी गई। कार्रवाई के बाद दोनों बसों को थाना कुठला में सुरक्षार्थ रखा गया। परिवहन विभाग द्वारा स्कूल संचालकों को नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जिन वाहनों की फिटनेस निरस्त की गई है, उनमें निरीक्षण के दौरान पाई गई सभी कमियों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार पूर्ण कराया जाए। इसके बाद वाहनों की पुनः फिटनेस कराकर ही उनका संचालन किया जाए।

कमियां दूर किए बिना संचालन पर होगी कार्रवाई

विभाग द्वारा स्कूल संचालकों को यह भी निर्देशित किया गया है कि यदि फिटनेस निरस्त किए गए वाहनों में पाई गई कमियों की पूर्ति कराए बिना अथवा दोबारा फिटनेस कराए बिना वाहनों का संचालन करते हुए पाया जाता हैए तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित स्कूल संचालक की होगी। ऐसे मामलों में संबंधित संचालक के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग की ओर से स्कूल बसों में विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित सभी निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार स्कूल वाहनों का संचालन केवल निर्धारित सुरक्षा मापदंडों और वैध दस्तावेजों के साथ ही किया जाना चाहिए।जांच अभियान के दौरान एक मालवाहक वाहन भी निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर संचालित होता पाया गया। ओवरलोड पाए जाने पर उक्त मालवाहक वाहन को जब्त कर थाना बड़वारा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम TOFIQ AHMED तथा मेरे पिता का नाम MEHMOOB ALI दर्ज हो गया है। जबकि मेरे समस्त दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड तथा अन्य दस्तावेज में मेरा नाम HAFIZ TOFIK AHMAD तथा मेरे पिता का नाम MAHBOOB ALI दर्ज है। अतः मुझे HAFIZ TOFIK AHMAD तथा मेरे पिता का नाम MAHBOOB ALI के नाम से लिखा पढ़ा एवं जाना जावे।

सूचनादाता

HAFIZ TOFIK AHMAD
S/o : MAHBOOB ALI
वार्ड नंबर 24, ईश्वरीपुरा वार्ड, कटनी

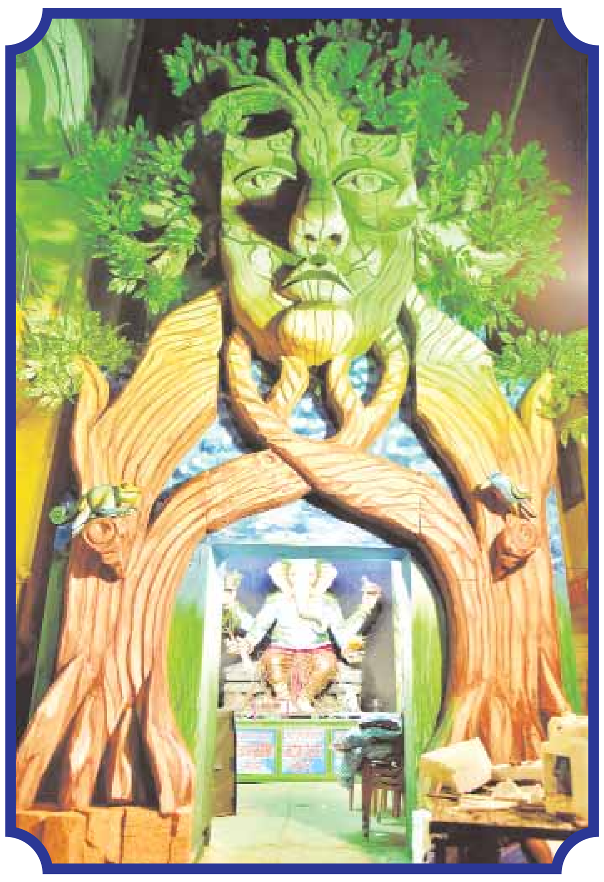

काली मंदिर एकता गणेश उत्सव समिति

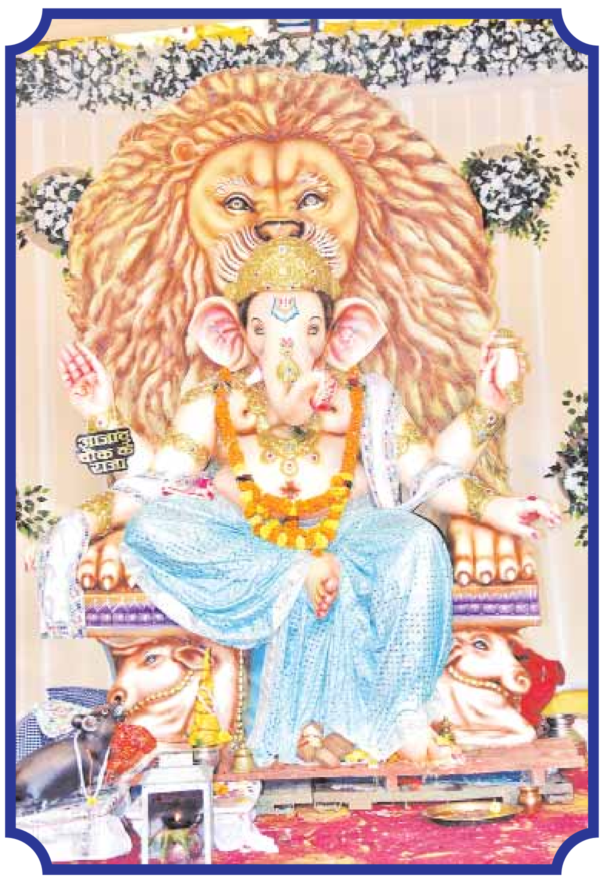

सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति आजाद चौक सदर

बाल गणेश उत्सव समिति डुमना रोड सीएमएम चौक

फोटो : अनिल तिवारी

लड्डू गणेश मंदिर गोरखपुर में स्थापित श्री गणेश

महिला क्रिकेट टीम के स्वर्ण पदक से जगमगाया भारत

पुरुष बैडमिंटन टीम का मेडल पक्का, रोशिबिना वुशु के सेमीफाइनल में

आइची नागोया।

महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को आइची के निशिन में कारोजी एथलेटिक पार्क में खेले गए फाइनल में श्रीलंका को हराकर भारत को एशियन गेम्स 2026 में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। हांगझोउ 2023 के गोल्ड मेडल मैच की तरह ही इस मुकाबले में भी भारतीय महिलाओं ने 147 रनों से जीत हासिल की और एशियन गेम्स क्रिकेट चैंपियन के तौर पर अपना दबदबा बनाए रखा। स्मृति मंधाना ने 45 गेंदों में 79 रन बनाए, जिससे भारत ने 216/3 का स्कोर खड़ा किया। यह एशियन गेम्स में महिला टी 20 क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर है। दीप्ति शर्मा ने छह रन देकर तीन विकेट लिए। एशियन गेम्स 2026 में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल है।

हॉकी:- भारत ने श्रीलंका को 16-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की-पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के पूल ए में श्रीलंका पर 16.1 की शानदार जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरी जीत हासिल की। जुगराज सिंह ने सबसे ज़्यादा चार गोल किए, जबकि अभिषेक और दिलप्रीत सिंह ने भी हैट्रिक लगाई।

कबड्डी :- भारत ने दक्षिण कोरिया को 63-31 से हराया-भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने दक्षिण कोरिया पर 63.31 की शानदार जीत के साथ एशियन गेम्स 2026 में अपनी बेहतरीन शुरुआत जारी रखी। इस जीत के साथ भारत का खिताब बचाने का अभियान बिना किसी हार के जारी रहाय इससे पहले सोमवार को ग्रुप ए के शुरुआती मैच में उन्होंने मेज़बान जापान को 49-24 से हराया था। इस जीत के साथ भारत ग्रुप ए में टॉप पर बने रहने की मज़बूत स्थिति में है, क्योंकि उन्होंने एशियाई खेलों में लगातार मैचों में मेज़बान जापान और दक्षिण कोरिया को हराया है।

बैडमिंटन:- पुरुष टीम ने मेडल किया पक्का -इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेले गए क्वार्टर.फ़ाइनल में मेज़बान जापान को हराकर भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने एशियन गेम्स 2026 में अपना मेडल पक्का कर लिया। हांगझोउ 2023 में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुँची और इस तरह लगातार दूसरे एशियन गेम्स में कम से कम ब्रॉन्ज़ मेडल पक्का किया। लेकिन महिला टीम को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

वुशु:- रोशिबिना देवी ने लगातार तीसरा एशियन गेम्स पदक पक्का किया-रोशिबिना देवी ने मकाऊ, चीन की चू मैन सिन को 5.0 से हराकर महिला 60 किग्रा सांडा के सेमीफाइनल में जगह बनाई और भारत का एक और पदक पक्का किया। इसके साथ ही रोशिबिना ने लगातार तीसरे एशियन गेम्स में पदक पक्का कर लिया है। उन्होंने जकार्ता 2018 में ब्रॉन्ज और हांगझोउ 2023 में सिल्वर मेडल जीता था।

इलावेनिल-पार्थ मिश्रित एयर राइफल पदक से चूके-इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने की जोड़ी 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक जीतने से चूक गयी और फाइनल में चौथे स्थान पर रही। भारतीय जोड़ी, जिसने दूसरे स्थान पर रहते हुए पदक राउंड के लिए क्वालिफाई किया था, क्वालिफिकेशन के अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख सकी और 376.3 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रही। वे चीन, दक्षिण कोरिया और जापान से पीछे रहे।

मुक्केबाजी:- जादुमणि सिंह पुरुषों के 55 किग्रा के राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचे-जादुमणि सिंह मंडेन्गबाम ने नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को सर्वसम्मति से 5.0 से हराकर पुरुषों के 55 किग्रा के राउंड ऑफ़ 16 में जगह बनाई। भारतीय बॉक्सर ने शुरू से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अब अगले राउंड में उनका सामना फिलीपींस के ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट कार्लो पालाम से होगा।

उज्बेकिस्तान से हारा भारत

सातवें स्थान पर खिसका, विमेंस टीम तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। समरकंद में चल रहे 46वें चेस ओलिंपियाड के छठे राउंड में भारतीय ओपन टीम को उज्बेकिस्तान से 1.5-2.5 से हार मिली। इस हार के बाद भारत 10 अंकों के साथ सातवें स्थान पर खिसक गया। वहींए महिला टीम ने अमेरिका को 3.1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच तीन बोर्ड पर मुकाबले ड्रॉ रहे। तीसरे बोर्ड पर निहाल सरीन और नोडिरबेक याकुब्बोएव का मुकाबला निर्णायक रहा। निहाल के पास शुरुआत में समय और स्थिति दोनों में बढ़त थीए लेकिन 38वें मूव में उन्होंने क्वीन गंवा दी। याकुब्बोएव ने इस गलती का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनकी जीत से उज्बेकिस्तान ने भारत को 2.5-1.5 से हराया और 12 अंकों के साथ टूर्नामेंट में अकेले टॉप पर पहुंच गया।भारत ने छठे राउंड से पहले लगातार पांच मुकाबले जीते थे। टीम 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थी। उज्बेकिस्तान से हार के बाद भारत सातवें स्थान पर पहुंच गया। चीन और आर्मेनिया 11-11 अंकों के साथ उसके ऊपर हैं। महिला टीम ने अमेरिका के खिलाफ3.1 से जीत दर्ज की। साविता श्री और वंतिका अग्रवाल ने भारत के लिए जीत हासिल की, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे। इस जीत से भारतीय टीम 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई।

इंग्लैंड के मार्क वुड ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने 36 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 11 साल के करियर में उन्होंने 146 मैचों में 253 विकेट लिए। इस दौरान वे इंग्लैंड की 2019 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 टी.20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने चार एशेज सीरीज भी खेली। वुड का इंटरनेशनल करियर उपलब्धियों के साथ-साथ चोटों से जूझने के लिए भी जाना जाएगा। घुटने की चोट के बाद उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में दर्द के बावजूद गेंदबाजी की थी। इसके बाद सर्जरी हुई। करीब 8 महीने बाद पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ एशेज टेस्ट से वापसी की, लेकिन उस मैच के दौरान घुटने में फिर परेशानी हो गई थी।

चीनी, गेहूं के दामों में आई नरमी

चावल और खाद्य तेलों के भाव चढ़े, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चीनी का औसत भाव गिर गया। चीनी के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चावल और खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी देखी गई जबकि दालों में उतार.चढ़ाव का रुख रहा।मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 14 रुपये घटकर 5,310 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ की कीमत 5,968 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 12 पैसे घटकर 58.02 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 17 रुपये बढ़कर 4,169 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं सात रुपये सस्ता हुआ और 2,876 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी 10 रुपये टूट गया। दाल.दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 36 रुपये और तुअर दाल की 27 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 16 रुपये और उड़द दाल 15 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

देश में 100 विमानों वाली कम से कम पांच विमान सेवा कंपनियों की जरूरत: नायडू

नयी दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि देश के विमानन क्षेत्र केवल दो एयरलाइंस का दबदबा सही नहीं है और भविष्य की मांग को देखते हुए 100 विमानों वाली कम से कम पांच विमान सेवा कंपनियों की जरूरत है। देश के छोटे हवाई अड्डों को विमानन नेटवर्क से जोड़ने के लिए शुरू की गई क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़े देश का आम नागरिक उड़ान.2 के तहत 21 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के साथ सहमति पत्र ;एमओयूद्ध पर हस्ताक्षर के बाद श्री नायडू ने कहा कि पिछले 12 साल में उड़ान के तहत 95 नये

हवाई अड्डे, 17 हेलीपोर्ट और दो वाटर एयरोड्रम बने हैं। अगले 10 साल में उड़ान.2 के तहत 100 नये हवाई अड्डे बनाने की योजना है। उन्होंने कहा एक बड़ी चुनौती यह है कि इन मार्गों पर परिचालन के लिए देश में विमानों की उपलब्ध संख्या अपर्याप्त है। उन्होंने राज्यों से विमान सेवा कंपनियों के साथ मिलकर काम करने की अपील की। दूसरी बड़ी चुनौती के रूप में उन्होंने नई विमान सेवा कंपनियां बनाने की वकालत की और राज्यों से क्षेत्रीय एयरलाइंस को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि देश में सिर्फ दो विमान सेवा कंपनियों का दबदबा अच्छा नहीं है। उनका इशारा इंडिगो और एयर इंडिया की ओर था जिनकी यात्रियों की संख्या के हिसाब से संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत के करीब है। इसमें अकेले इंडिगो की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत से अधिक है। बाद में मीडिया से बात करते हुए श्री नायडू ने कहा कि देश में 100 या इससे भी अधिक विमानों वाली कम से कम पांच विमान सेवा कंपनियों की जरूरत है। अपने वक्तव्य के दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से विमानन के अपने मॉडल तैयार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य हेलीकॉप्टर सेवा को बढ़ावा दे सकते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी एस26 एफई की भारत में बिक्री

नयी दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपनी गैलेक्सी एस26 सीरीज के नये स्मार्टफोन गैलेक्सी एस26 एफई की बिक्री शुरू होने की घोषणा की। इसकी कीमत 79,999 रुपये रखी गई है। कंपनी ने इसे पिस्ताचियोए ब्लूबेरी और ग्रेफाइट रंगों में पेश किया है। ग्राहक पुराना फोन एक्सचेंज करने पर 8,000 रुपये तक का अपग्रेड बोनस भी पा सकते हैं। चुनिंदा एनबीएफसी पार्टनर के जरिये किस्त के विकल्प भी दिए गए हैं जिन पर ग्राहकों को 3ए000 रुपये का अतिरिक्त अपग्रेड बोनस मिल सकता है।गैलेक्सी एस26 एफई में 6.7. इंच का बड़ा डायनैमिक एमोलेड 2एक्स डिस्प्ले मिलता है। इसमें एक्सीनॉस 2500 प्रोसेसर है। इसकी बैटरी 4,900 एमएएच की है। पानी और धूल से बचाव के लिए आईपी68 रेटिंग दी गई है। इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया हैए जिसमें 50 मेगा पिक्सल का वाइड कैमरा, 12 मेगा पिक्स का अल्ट्रा.वाइड कैमरा और 3एक्स ऑप्टिकल जूम वाला आठ मेगा पिक्सल का टेलीफोटो कैमरा शामिल है।

स्टारलक्स एयरलाइंस ने इंटरग्लोब एयर ट्रांसपोर्ट को भारत में बनाया अपना एजेंट

नयी दिल्ली। ताइवान की प्रमुख विमान सेवा कंपनी स्टारलक्स एयरलाइंस ने इंटरग्लोब एयर ट्रांसपोर्ट को भारत में अपना जनरल सेल्स एजेंट नियुक्त किया है। दोनों कंपनियों को ओर से मंगलवार को जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह रणनीतिक सहयोग यात्रियों और व्यापार में उनके सहभागियों को इस बुटीक एयरलाइन के प्रीमियम नेटवर्क तक आसान पहुंच प्रदान करेगा। यह स्टारलक्स की विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे देश भर में इसकी ब्रांड उपस्थिति को काफी मजबूती मिलेगी। ताइवान की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा कंपनी के रूप में स्टारलक्स वर्तमान में ताइवान से यात्रियों को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, मकाऊ, वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, मलेशिया, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे प्रमुख गंतव्यों से जोड़ती है। भारत में एयरलाइंस के विस्तार और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए उसने इंटरग्लोब के साथ करार किया है जो यात्री और मालवहन दोनों सेगमेंट के लिए व्यापक बिक्रीए विपणनए वितरणए परिचालन

समर्थन और नियामकीय मंजूरियां लेने की जिम्मेदारी संभालेगा। इसमें ब्रांड के बारे में जागरूकता बढ़ानेए यात्रियों की मांग बढ़ाने, व्यापारिक साझेदारी का विस्तार करने और क्षेत्र में कार्गो के अवसर विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। स्टारलक्स एयरलाइंस के मुख्य रणनीतिक अधिकारी साइमन लियू ने कहाए ष्भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। यह स्टारलक्स एयरलाइंस की दीर्घकालिक नेटवर्क विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

एयर इंडिया ने उड़ान के दौरान तैयार किया नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

नयी दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने उड़ान के दौरान मनोरंजन के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया है जिसकी उसने मंगलवार को पहली झलक दिखाई। इस प्लेटफॉर्म को श्विस्टा डिजिटल प्लेटफॉर्म नाम दिया गया है। इसे एयरलाइंस की खुद की डिजाइन और सॉफ्टवेयर टीमों ने तैयार किया है। इस प्लेटफॉर्म में कई नवाचार किए गए हैं जिनके पेटेंट के लिए आवेदन किए गए हैं। शुरुआत में इसे कुछ नये विमानों में जोड़ा जाएगा। धीरे.धीरे पूरे बेड़े में इसका विस्तार किया जाएगा। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विस्टा डिजिटल प्लेटफॉर्म को यात्रियों को ज्यादा पर्सनलाइज्ड और कनेक्टेड अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है।

शेयर बाजारों में शुरुआती तेजी के बाद गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती तेजी के बाद गिरावट देखी गई और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 330 अंक फिसल गया। सेंसेक्स 42 अंक चढ़कर 74,901.50 अंक पर खुला और ऊपर 75,038.93 अंक तक गया। हालांकि पहले घंटे के कारोबार के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गयी। अंत में यह 329.91 अंक 0.44 प्रतिशत गिरकर 74,529.08 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 सूचकांक भी 85.30 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 23,329 अंक पर बंद हुआ। पिछले दो कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक ऊपर रहे थे। वृहत बाजार में भी आज बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप.50 सूचकांक 0.01

प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 0.23 प्रतिशत गिर गया। सेक्टर आधारित सूचकांकों में मीडिया, रियल्टी, धातु और रसायन समूहों में तेजी रही। वहीं आईटी, एफएमसीजी, बैंकिंग, वित्त, ऑटो, फार्मा, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांकों में गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,670 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,867 के शेयरों में गिरावट और 1,677 में तेजी रही।

अन्य 126 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार.चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे अधिक 1ण्62 प्रतिशत फिसल गया। ट्रेंट में 1.47 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 1.46, सन फार्मा में 1.28, टीसीएस में 1.31, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.00, भारतीय स्टेट बैंक में 0.99, इंफोसिस में 0.98 और एलएंडटी में 0.93 प्रतिशत गिरावट रही। आईटीसीए एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनीलिवर, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नीचे बंद हुए। इटरनल का शेयर 1.94 प्रतिशत और इंडिगो का 1.58 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा। टाइटन और टाटा स्टील में भी तेजी देखी गई।

साइबर और फोरेंसिक क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का विस्तार आवश्यकः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर और मध्यप्रदेश शासन के बीच हुआ एमओयू

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में जिस गति से डिजिटल प्रणालियों का उपयोग बढ़ रहा है, उसी गति से इस क्षेत्र में चुनौतियां भी बढ़ रही है। डिजिटल और साइबर क्षेत्र की व्यवस्थाओं में समाज हित और जनकल्याण लगातार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सर्तकता आवश्यक है। साइबर और फॉरेंसिक क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार से ही यह संभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर और राज्य शासन के बीच हुआ एमओयू तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और राजीव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच हुआ रिलेशनशिप एग्रीमेंट साइबर क्षेत्र में सर्तकता और डिजिटल फोरेंसिक्स में दक्षता का विस्तार करेगा। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने यह विचार आज मंत्रालय में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर और मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय भोपाल के मध्य एमओयू के आदान प्रदान के अवसर पर

व्यक्त किया। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

शीघ्र आरंभ होंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम

आज हुआ एमओयू, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर द्वारा प्रदेश के जेल मुख्यालय और पुलिस मुख्यालय के अधिकारीध्कर्मचारियों के प्रशिक्षण तथा कौशल विकास के लिये राज्य शासन के साथ किया गया है। अतिशीघ्र ही प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किये जायेगें। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय परिसर, भोपाल के सुचारू संचालन एवं समन्वय के लिए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालयए गाँधीनगर और राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के मध्य रिलेशनशिप एग्रीमेंट सम्पादित किया गया। मंत्रालय में हुए एमओयू और रिलेशनशिप एग्रीमेंट कार्यक्रम में आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय भोपाल के निदेशक राकेश कुनवर तथा आरजीपीवी के कुलपति आलोक शर्मा उपस्थित थे।

10 एकड़ भूमि में विकसित होगा विवि

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर की स्थापना भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 28 सितम्बरए 2020 में की गई थी। इसका उद्देश्य देश में रक्षा के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, विस्तार एवं सेवाएँ प्रदान करना है। देश के 07 राज्यों में इस विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय परिसर स्थापित किया जा चुके हैं और अब तक लगभग 40 हजार कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। राज्य में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालयए गांधीनगर के परिसर की स्थापना भोपाल में करने के संबंध में मंत्रि.परिषद् की बैठक दिनांक 01.07.2025 में निर्णय लिया गया था। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर के लिए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में उपलब्ध भूमि में से 10 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। वर्तमान में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयए भोपाल द्वारा अस्थायी भवन उपलब्ध कराया गया है। इस अस्थायी परिसर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय दिनांक 22 सितम्बर, 2025 को 01 स्नातक एवं 01 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के साथ प्रारंभ किया गया। यहां साइबर सिक्योरिटी में बीटेक और डिजिटल फोरेंसिक साइबर सिक्योरिटी में एमएससी पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

सहकारी बैंक के सीईओ 2 माह के अंदर अधीनस्थ सभी पैक्स का कर लें निरीक्षण : मंत्री श्री सारंग

जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपने अधीनस्थ सभी पैक्स का निरीक्षण 2 माह के अंदर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अपने बैंक को अपग्रेड करने की जिम्मेदारी स्वयं मुख्य कार्यपालन अधिकारी की है। वह अनुशासन और एकरूपता के साथ सफलता हासिल कर सकते हैं। बैंक में नवाचार कर एक अलग पहचान बनाई जा सकती है। मंत्री श्री सारंग समन्वय भवन में सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीईओ के पद पर नये एवं युवा अधिकारी पदस्थ हुए हैं। उनके लिये यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लाभप्रद सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि पुराने अधिकारी-कर्मचारियों के अनुभव का लाभ भी उन्हें लेना चाहिये और उनका सम्मान भी बनाये रखना चाहिये। श्री सारंग ने कहा कि सीईओ अपने कलेक्टर से सतत सम्पर्क में रहें। साथ ही जिले के अधिकारियों से बेहतर समन्वय बनाये रखें। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्था स्थापित करने के लिये अपने अधीनस्थ पैक्स को चैनेलाइज करें।

सेवा नियमों में एकरूपता लाकर जल्द होंगे प्रमोशन- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जल्द ही सेवा नियमों में एकरूपता लाकर प्रमोशन की कार्यवाही की जायेगी। अपेक्स बैंक में भी प्रमोशन जल्द होंगे। उन्होंने सभी सीईओ से वन.टू.वन चर्चा की। कार्यशाला में राज्य शासन द्वारा खरीफ एवं रबी की अलग-अलग साख सीमाओं के स्थान पर वर्षभर एक साख सीमा की उपलब्धता एवं नवीन किसान क्रेडिट कार्ड की ऑनलाइन/तकनीकी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिला बैंकों से अपेक्षाएं, प्रक्रियाओं का सरलीकरण, कवच योजना, प्रश्न-उत्तर और फीडबेक सेशन भी हुआ।

अतिक्रमण हटाकर मार्ग चौड़ीकरण एवं संधारण का कराएं कार्य : राज्यमंत्री श्रीमति गौर

मार्गों के गड्ढे तत्काल भरने और बंद स्ट्रीट लाइटें चालू करने के दिए निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अवधपुरी स्थित आदर्श विहार, रीगल टाउन, सरला स्टेटए न्यू फोर्ट कॉलोनी एवं कंचन नगर में सड़कों की स्थिति तथा मूलभूत नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मार्गों की जर्जर स्थितिए स्थान-स्थान पर उभरे गड्ढों एवं खुले सीवेज नेटवर्क को देखकर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कार्यपालक एजेंसियों एवं ठेकेदारों की शिथिलता पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में सुधारात्मक कार्यवाही पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा आम नागरिकों को नहीं भुगतने दिया जाएगा। आगामी पर्वों एवं त्योहारों के दृष्टिगत नागरिकों को सुगमए सुरक्षित एवं बाधारहित आवागमन उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढों का भराव कार्य तत्काल एवं पूर्ण मजबूती के साथ कराने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व एवं नगर निगम दल को सीमांकन कर सड़कों पर व्याप्त अतिक्रमण अविलंब हटाने तथा

आवश्यकतानुसार मार्ग चौड़ीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि दिन के समय आमजन की आवाजाही एवं यातायात व्यवस्था प्रभावित न होए इसके लिए सड़कों के निर्माण एवं संधारण कार्य मुख्य रूप से रात्रिकालीन समय में निष्पादित किए जाएं। क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के संबंध में राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बंद पड़ी समस्त स्ट्रीट लाइटों को आगामी 10 दिवस की निर्धारित समय.सीमा में अनिवार्य रूप से चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने रहवासी क्षेत्र में नियमों के विपरीत संचालित गोदाम को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी कर सीलिंग की कठोर कार्यवाही करने के भी आदेश दिए। रहवासियों से संवाद करते हुए उन्होंने आश्वस्त किया कि मानसून पश्चात क्षतिग्रस्त मार्गों के स्थाई एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। स्थलीय निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधिए नगर पालिक निगम भोपाल तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

300 मीटर सड़क पर गड्ढों का राज, जनता बेहाल

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा-रनेह जैसे महत्वपूर्ण मार्ग का करीब 300 मीटर हिस्सा बड़े-बड़े गड्ढों और बदहाली के चलते राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। सड़क की हालत ऐसी है कि दोपहिया वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ रहा है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्कूली बच्चों से लेकर मरीजों, किसानों और बुजुर्गों तक को इस खराब हिस्से से गुजरने में परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क की इस स्थिति को लेकर क्षेत्रवासियों ने मंगलवार 22 सितंबर को एसडीएम हटा राकेश सिंह मरकाम को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सड़क निर्माण और डामरीकरण कराने की मांग की है। ज्ञापन में सवाल उठाया गया है कि आखिर महज करीब 300 मीटर सड़क का निर्माण कब तक अटका रहेगा। बताया गया कि लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे है एइस मार्ग पर चलने। लायक जगह ही नहीं बची, 50 ग्रामों को जोड़ने बाली सड़क का निर्माण तत्काल आरम्भ। किया जाए, ज्ञापन सौंपने बालो में सोनू मिश्रा, जगत सिंग लोधी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्थगन का हवाला लेकिन आदेश कहां है- क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण रोकने के पीछे व्यक्तिगत भूमि का विवाद और हाईकोर्ट के स्थगन का हवाला दिया जाता रहा है। लेकिन ज्ञापन में प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाया गया है कि हाईकोर्ट की वेबसाइट पर संबंधित स्थगन आदेश उपलब्ध नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसे में अब प्रशासन से मांग की गई है कि स्थिति स्पष्ट की जाए। कहा गया है कि सड़क निर्माण पर आपत्ति करने वाले सरमन मोदी, लखन मोदी आदि से न्यायालयीन स्थगन आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने के लिए पत्राचार किया जाए। यदि प्रभावी स्थगन आदेश मौजूद नहीं है तो सड़क निर्माण में आ रही बाधा दूर कर तत्काल काम शुरू कराया जाए।

कलेक्टर के सामने भी उठा था मामला- गौरतलब है कि पिछले दिनों कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के हटा दौरे के दौरान श्रीराम गौशाला में चर्चा के समय हटा.रनेह सड़क का मुद्दा उठाया गया था। उस समय आपत्तिकर्ता लखन मोदी भी मौजूद थे। क्षेत्रवासियों के अनुसार चर्चा के दौरान उन्होंने कुछ शर्तों के साथ सड़क निर्माण को लेकर मौखिक सहमति व्यक्त की थी। उन्हें हाईकोर्ट में लंबित याचिका वापस लेने की सलाह दिए जाने की बात भी सामने आई थी। इसके बावजूद सड़क के इस हिस्से की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। अब लोगों ने प्रशासन के सामने सीधा सवाल रखा है कि यदि न्यायालय का प्रभावी स्थगन आदेश है तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट क्यों नहीं किया जा रहा और यदिव ऐसा आदेश नहीं है तो सड़क निर्माण शुरू करने में देरी क्यों हो रही हैघ् क्षेत्रवासियों ने लोक निर्माण विभाग को सड़क के क्षतिग्रस्त करीब 300 मीटर हिस्से का निर्माणध्डामरीकरण शीघ्र कराने के निर्देश देने की मांग की है। सड़क की बदहाली और कथित न्यायालयीन रोक को लेकर उठे सवालों के बाद अब निगाह प्रशासन की कार्रवाई पर है।

सामान्य उपचार से लेकर विशेषज्ञ और क्रिटिकल केयर तक 10 वर्षों में उन्नत होती स्वास्थ्य सुविधाएं

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री की मंशा हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले इसी दिशा में जिले में स्वास्थ्य सुविधाओ का विस्तार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने लगातार कार्य किये जा रहे हे। जिले के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पिछले 10 वर्ष एतिहासिक रहें है। शासन के सहयोग से दमोह जिले की स्वास्थ्य अधोसंरचना, चिकित्सा सुविधाओं और सेवाओं में क्रमिक रूप से विस्तार हुआ है। अब सामान्य उपचार से लेकर गंभीर बीमारी और जटिल परिस्थितियों तक इलाज आमजन को जिले के भीतर ही मिल रहा है। दमोह जिले हाल ही में क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक की स्थापना से विशेषज्ञ चिकित्सा, आधुनिक जांच और जटिल रोगों के उपचार की क्षमता बड़ी है। इससे मरीजों को विशेषज्ञ सेवाओं के लिए बाहर जाने की जरूरत कम होगी और जिले में ही बेहतर विशेषज्ञ उपचार सेवाएं नागरिकों को प्राप्त हो सकेगी। गंभीर संक्रमणए हार्ट अटैकए स्ट्रोकए सांस लेने में गंभीर परेशानी या दुर्घटना जैसी स्थितियों में निरंतर निगरानी और क्रिटिकल केयर की क्षमता बढ़ने से समय पर उपचार और मरीज को स्थिर करने में मदद मिलेगी। इससे अनावश्यक देरी और रेफरल की जरूरत कम करने में सहायता मिलेगी। जिला अस्पताल से लेकर ब्लॉक स्तर तक उन्नत होती स्वास्थ्य सेवाएं-सुविधाओं के क्रमिक विस्तार के लिए वर्ष 2013 से लगातार कदम उठाएं गये है। गंभीर मरीजों और जांचों के लिए. आईसीयूए एचडीयूए डायलिसिस और सीटी स्कैन जैसी उच्च स्तरीय जांच व उपचार सुविधाओं के विस्तार ने गंभीर मरीजों की जांच और उपचार को स्थानीय स्तर पर मजबूत किया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले सभी हितग्राहियों तथा आयुष्मान कार्ड धारकों को नि:शुल्क सेवा प्रदान की जाती है। अन्य रोगियों को न्यूनतम शुल्क पर यह सेवाएं उपलब्ध करायी जाती है।

मुख्यमंत्री श्रवण कुमार की भावना के साथ कर रहे वृद्ध माता-पिता की सेवा : राज्यमंत्री लोधी

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत द्वारका-सोमनाथ यात्रा रवाना

दमोह (स्वतंत्र मत)

तीर्थयात्रियों को लेकर द्वारका-सोमनाथ यात्रा ट्रेन दमोह रेल्वे स्टेशन से रात्रि 11 बजे रवाना हुई। इस अवसर पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। उन्होंने तीर्थ यात्रियों को पुष्प गुच्छ भेटकर तीर्थ यात्रा की शुभकामनाएं दी। तीर्थ यात्रा के लिए दमोह जिले से 468 यात्रियों को तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया गया। राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत एक ट्रेन दमोह से होकर सोमनाथ-द्वारकाधीश के लिए जा रही है। ट्रेन में 468 तीर्थयात्री, दर्शन रक्षक एवं पर्यवेक्षक शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा का ट्रेन में पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने सभी यात्रियों की मंगलमय यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में धर्मस्व विभाग द्वारा यह तीर्थ दर्शन ट्रेन संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्रवण कुमार की भावना के साथ वृद्ध माता-पिता की सेवा और उन्हें तीर्थ दर्शन कराने का कार्य कर रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा दमोह जिले के नागरिक सौभाग्यशाली हैं कि मुख्यमंत्री एवं संस्कृति पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री के प्रयासों से जिले को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ मिल रहा है। हर माह रेलवे स्टेशन पहुंचकर तीर्थ यात्रियों को रवाना किया जा रहा है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों और ऐसे परिवारों के लोगों को भी तीर्थ यात्रा का अवसर मिल रहा है जो स्वयं तीर्थ यात्रा का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महेश पटेल, मनीष तिवारी, एसडीएम राकेश मोहन त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, मीडियाजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वैश्य महासम्मेलन का संभागीय सम्मेलन आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के कटनी दमोह जिला का संभागीय सम्मेलन विगत दिवस विनयम होटल में आयोजित हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल रहेए जबकि अध्यक्षता विधायक जयंत मलैया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष दमोह श्याम शिवहरे, मालती असाटी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, केसी अग्रवाल जिलाध्यक्ष सहित प्रदेश एवं संभागीय जिला तहसील के पदाधिकारी प्रतिभावान छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुरेश सोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया एवं दयाशंकर कनकने, संभागीय अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, संभागीय महामंत्री सुशील गुप्ता, असाटी समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र असाटी सहित सम्मेलन में दमोह एवं कटनी जिला के संभाग के पदाधिकारियों में श्रीमति में ऋतु अग्रवाल, जुगल अग्रवाल, विद्या असाटी, सुनीता गुप्ता, राहुल, विकास अग्रवाल, सत्यप्रकाश असाटी, अनीता अग्रवाल, रूपेंद्र असाटी, राजेंद्र चंदू असाटी महामंत्री तथा दमोह जिले की तहसीलों के अध्यक्ष में तेंदूखेड़ा से अध्यक्ष विवेक जैन, बटियागढ़ से बसंत गुप्ता पटेरा से प्रकाश गुप्ता, हटा से सीएल नेमा सदस्यों ने कटनी जिला से जिलाध्यक्ष अरविंद जैन, मनीष त्रिसोलिया जिला प्रभारी, महिला अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने आपसी समन्वय, सहयोग और सामाजिक एकता के साथ संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जनसुनवाई में 247 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 247 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में निराकरण करने के

निर्देश दिये।

जनसुनवाई में 20 आधार अपडेशन एवं 165 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर ब्रजेश सिंहए डिप्टी कलेक्टर रानी अहिरवार, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

//छठवीं निविदा सूचना//

N.I.T. No/PWD/e-tendering/PRO/591 Date 22/09/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_ 537805_1 22/09/2026	स.क्रं.-03 रामपुर अंतर्गत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्कूल के प्रथम फ्लोर में नवीन कमरे,हॉल शौचालय व सीढियों का निर्माण कार्य।	04 माह रु. 23.56 लाख	रु. 5000/- रु. 17671/-	06/10/2025

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री लोककर्म विभाग
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि में शांति बाई पटेल पति स्व. श्री ब्रजेन्द्र सिंह पटेल निवासी बरोदा तह, पनागर 483220 जबलपुर ने अपने अविवाहित पुत्र श्री केसरी प्रसाद पटेल पिता स्व. श्री ब्रजेन्द्र सिंह पटेल के नाम से पजीकृत वाहन क्र. MP20CM6435 बोलेरो कार का मृत्यु उपरांत ट्रांसफर के लिए आवेदन किया है। जिस किसी व्यक्ति संस्था को कोई आपत्ति हो वो प्रकाशन तिथि के 15 दिवस के अंदर RTO JABALPUR महोदय को सूचित करे

शांति बाई पटेल पति स्व. श्री ब्रजेन्द्र सिंह पटेल

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण /नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय नेमा पिता स्व. श्री झनकलाल नेमा द्वारा पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG -320 के हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गयाँ हैं। वर्तमान में उक्त भवन श्री गनपत कुशवाहा पिता स्व. श्री बद्री प्रसाद कुशवाहा नाम आवंटित है। श्री विजय नेमा पिता स्व. श्री झनकलाल नेमा से प्राप्त आवेदन एवं निर्धारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री. विजय नेमा पिता स्व. श्री झनकलाल नेमा के नाम से हस्तांतरण की कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भवन के हस्तांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर पुरवा कॉलोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG 320 श्री विजय नेमा पिता स्व. श्री झनकलाल नेमा के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगीं एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण /नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एल.आई. जी.-1066 श्रीमति मनीषा विश्वकर्मा पति श्री अरविंद विश्वकर्मा, श्रीमति मंजू विश्वकर्मा पति श्री ओमकार विश्वकर्मा, श्रीमति मीना विश्वकर्मा पति श्री देवराज विश्वकर्मा के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 18.12.2017 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति मनीषा विश्वकर्मा पति श्री अरविंद विश्वकर्मा, श्रीमति मंजू विश्वकर्मा पति श्री ओमकार विश्वकर्मा, श्रीमति मीना विश्वकर्मा पति श्री देवराज विश्वकर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2026 के माध्यम से श्री रानू मिश्रा पति श्री उमाकांत मिश्रा को विक्रय किया है। अतः श्री रानू मिश्रा पति श्री उमाकांत मिश्रा द्वारा उक्त भवन उनके नाम करने हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में लीज हस्तांतरण हेतु प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त सम्पत्ति के लीज हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/ दावा मान्य नही होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

रमनगरा जल शोधन संयंत्र के राइजिंग मेन में चलेगा लीकेज सुधार कार्य

शहर के कई स्थानों पर 2 वक्त के लिए जलापूर्ति रहेगी प्रभावित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रमनगरा जल शोधन संयंत्र के राइजिंग मेन में लीकेज सुधार कार्य के चलते उक्त संयंत्र से आज दिनांक 23 सितम्बर को सायंकालीन से लेकर कल दिनांक 24 सितम्बर प्रातः कालीन तक बिडला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राईट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमा गार्डन, सर्वोदय नगर, मदर टैरेसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, न्यू शोभापुर व राजीव नगर तथा अमृत योजनांतर्गत देवताल उच्चस्तरीय टंकियों से जलापूर्ति अवरूद्ध रहेगी। प्रभावित क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। यह कार्य पूरा होते ही क्षेत्र में जलापूर्ति पहले से अधिक सुचारू और प्रभावी ढंग से बहाल कर दी जाएगी।

जनता की समस्याएं सुन कार्यवाही के दिए निर्देश

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे 106 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों से 106 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 35 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जन सुनवाई में आये नागरिकों की समस्याएएं अपर कलेक्टर नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह एवं अखिलेश सिंह ने सुनी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वररित निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में प्राप्तत हुए आवेदनों में ज्यादातर आवेदन बिजली बिल, अवैध कब्जा, आधार कार्ड, अतिक्रमण, जर्जर भवन तोड़ने, मकान का कब्जा दिलाने, नक्शा सुधार, नामांतरण, सीमांकन जैसे राजस्व प्रकरण से संबंधित थे।

सागर जहरीली शराबकांड पर मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई, सरकार ने मानी 20 मौतें

एसपी, कलेक्टर को ठहराया जिम्मेदार, मुआवजे पर भी उठाया गया सवाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सागर में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में मंगलवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। राज्य सरकार ने कोर्ट में अपना जवाब पेश करते हुए बताया कि जहरीली शराब से 20 लोगों की मौत हुई है। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया है। सरकार ने कोर्ट के सामने 7 बिंदुओं पर अपना जवाब रखा। इस दौरान सरकार ने बताया कि शराबकांड की न्यायिक जांच के लिए आयोग गठित किया गया है। जस्टिस वीपीएस चौहान की अध्यक्षता में गठित आयोग पूरे मामले की जांच करेगा। सरकार के मुताबिक, 3 एफआईआर में अब तक 52 लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से 32 की गिरफ्तारी हो चुकी है। याचिकाकर्ता एडवोकेट वैभव सिंह ने हाईकोर्ट में कहा कि पुलिस-प्रशासन 20 लोगों की मौत की बात कह रहा है, जबकि मीडिया रिपोर्ट्स में 30 से 40 लोगों की मौत की बात सामने आ रही है। उन्होंने मुआवजे के तौर पर दिए गए 4-4 लाख रुपए पर भी सवाल उठाया। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार यह बताए कि मुआवजा किस आधार पर दिया गया है। वैभव सिंह ने जहरीली शराबकांड के लिए सागर एसपी और कलेक्टर को जिम्मेदार ठहराया।

जांच आयोग के सामने रखें अपनी बात

मंगलवार को वैभव सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने याचिका का निराकरण कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से गठित जांच आयोग के सामने याचिकाकर्ता अपनी बात रख सकते हैं। इधर याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर आयोग के सामने भी सुनवाई नहीं हुई तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हाईकोर्ट ने यह राहत दी है कि अगर जांच आयोग के समक्ष सुनवाई नहीं होती है तो याचिकाकर्ता दोबारा हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं।

दतिया विधायक घनश्याम सिंह की सदस्यता को हाईकोर्ट में चुनौती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दतिया उपचुनाव के बाद एक बार फिर विधानसभा सीट चर्चा में है। कांग्रेस विधायक घनश्याम सिंह के खिलाफ चुनावी शपथ पत्र में 1991 के आपराधिक मामले की जानकारी कथित तौर पर छिपाने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका भाजपा नेता और अधिवक्ता दीपक बेलपत्री ने अधिवक्ता शिवम गौतम के माध्यम से 17 सितंबर को दायर की है। इस याचिका में दावा किया गया है कि घनश्याम सिंह ने उपचुनाव के दौरान दाखिल शपथ पत्र में दो आपराधिक मामलों की जानकारी दी, लेकिन 1991 में दर्ज एक अन्य एफआईआर का उल्लेख नहीं किया। यह मामला पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद दतिया में हुए चक्काजाम से जुड़ा बताया गया है। याचिका के मुताबिक उस दौरान करीब 22 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी और उनमें घनश्याम सिंह का नाम भी शामिल था। अब घनश्याम सिंह के निर्वाचन को मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दिए जाने से यह सीट फिर सुर्खियों में है। याचिका में चुनावी शपथपत्र में 1991 के आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने का आरोप लगाया गया है।

पिता की सांप के डसने से मौत सदमे में बेटी की भी गई जान

सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा का मामला, गांव में पसरा मातम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा में पिता की सर्पदंश से मौत के बाद उनकी 15 वर्षीय बेटी की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात ग्राम बरखेड़ा निवासी बसंत कोल (40), पिता भद्दी कोल को घर में सोते समय सर्प ने डस लिया। परिजन उन्हें उपचार के लिए जबलपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सोमवार दोपहर करीब 1 बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जिस सर्प ने काटा था उसे मार दिया गया था जो घर पर ही पड़ा मिला। इधर सोमवार को बसंत कोल का शव जब गांव पहुंचा और अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही थी, इसी दौरान उनकी 15 वर्षीय बेटी की भी मौत हो गई। परिजनों ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे किशोरी के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी।

इसी दौरान सूचना मिलने पर सिहोरा पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी की मौत को संदिग्ध मानते हुए अंतिम संस्कार रुकवा दिया। पुलिस ने श्मशान घाट से ही किशोरी का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल सिहोरा की मर्चुरी पहुंचाया। फिलहाल पोस्टमार्टम की कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही किशोरी की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज ने लगाया नि:शुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी डेंटल कॉलेज की टीम द्वारा युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश लखन धनोरिया के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मानव सेवा एवं जनकल्याण की भावना से संत रविदास सामुदायिक भवन, रामलीला मैदान, बाई का बगीचा में आयोजित हुए मेगा स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता की गई। हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरावानी एवं डीन डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में डॉ. अंकिता सिंह के नेतृत्व से 6 सदस्यीय विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम ने शिविर में सहभागिता की। टीम द्वारा शिविर में आए 100 मरीजों का दंत एवं मौखिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार दंत उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर के दौरान मरीजों को दंत रोगों की रोकथाम, मौखिक स्वच्छता, नियमित दंत परीक्षण एवं समय पर उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सकीय टीम ने मरीजों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक समझते हुए उन्हें आवश्यक उपचार एवं आगे की देखभाल के संबंध में उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

जबलपुर से पुणे के लिए प्रारंभ की जाए सीधी वायुसेवा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। फेडरेशन ऑफ मप्र चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने आज नई दिल्ली में विमानन कंपनी, एलायंस एयर के सीएमडी अमित कुमार से मुलाकात कर जबलपुर से देश के प्रमुख शहरों के लिए सीधी विमान सेवाएं प्रारंभ किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। फेडरेशन के अध्यक्ष हिमांशु खरे ने विशेष तौर पर जबलपुर से पुणे सीधी वायुसेवा की आवश्यकता तथा कंपनी के व्यावसायिक दृष्टिकोण पर चर्चा की तथा बताया कि जबलपुर पुणे मार्ग जहां जबलपुर वासियों के लिए महत्वपूर्ण है वहीं एलायंस एयर को भी इस मार्ग पर पर्याप्त यात्री मिलेंगे। उन्होंने जबलपुर से चेन्नई, अहमदाबाद तथा जबलपुर से पटना के लिए सीधी विमान सेवाएं प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर एलायंस एयर के सीएमडी अमित कुमार ने चर्चा के दौरान बताया कि इन मार्गों की व्यावसायिक व्यवहार्यता का सर्वेक्षण कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के माध्यम से संबंधित मार्गों पर यात्रियों की संभावित संख्या, यात्री मांग एवं व्यावसायिक संभावनाओं का आकलन किया जाएगा। सर्वेक्षण के परिणाम के आधार पर इन मार्गों पर विमान सेवा प्रारंभ करने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। उन्होंने पुणे मार्ग के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर फेडरेशन के उपाध्यक्ष जयदेव योगेश ताम्रकार ने रीवा से मुंबई के लिए सीधी विमान सेवा प्रारंभ किए जाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि रीवा एवं आसपास के क्षेत्रों के उद्योग, व्यापार, शिक्षा एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए मुंबई से सीधी हवाई कनेक्टिविटी उपयोगी होगी तथा इससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को सुविधा मिल सकती है। प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के अध्यक्ष हिमांशु खरे, उपाध्यक्ष जयदेव योगेश ताम्रकार तथा चैंबर सचिव प्रवीण आचार्य उपस्थित रहे।

विशाल सक्सेना को पीएचडी की उपाधि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंगलायतन विश्वविद्यालय के प्रबंधन संकाय द्वारा विशाल सक्सेना को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध प्रबंध लेवरेजिंग फैक्टर्स ऑफ मार्केटिंग मिक्स इन द पर्सपेक्टिव ऑफ पीपल, प्रोसेस एंड फिजिकल एविडेंस इन प्रमोटिंग वाइल्डलाइफ टूरिज्म इन मप्र शीर्षक पर प्रस्तुत किया। आपने अपना शोध कार्य डॉ. आशीष मिश्रा, डीन मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के निर्देशन में पूर्ण किया है। आप गोविन्द सक्सेना एवं सावित्री सक्सेना के सुपुत्र हैं। इस अवसर पर मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चिंता सुधाकर, रजिस्ट्रार प्रो. बी एस नागकिशोर एवं डायरेक्टर रिसर्च प्रो. वसूजा देवी ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

संत अलॉयसियस महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मानवता की सेवा और जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा के उद्देश्य से संत अलॉयसियस महाविद्यालय (स्वशासी) में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से 22 सितंबर को महाविद्यालय के प्रेरणा ऑडिटोरियम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा रक्तदान को मानवता की सेवा के रूप में प्रोत्साहित करना था। शिविर में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इस पुनीत सामाजिक्र कार्य में अपना योगदान दिया। रक्त संग्रहण के लिए विक्टोरिया हॉस्पिटल, जबलपुर से डॉ. अमिता जैन एवं डॉ. अमितोज तथा रेड क्रॉस सोसायटी, के कार्यकारी सदस्य सुनील गर्ग की उपस्थिति में ब्लड बैंक की तकनीकी टीम ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। शिविर में कुल 181 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को उनके अमूल्य योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। महाविद्यायल के प्राचार्य डॉ. फा. जे बेन एन्टोन रोज ने रक्तदाताओं, आयोजकों, कैडेट्स, की सराहना की। उक्त कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. कल्लोल दास, डॉ. मेजर सोनल रॉय, ले. डॉ. संजय रजक आदि उपस्थित रहे।

अंधेरे में मन सकती है दिवाली हड़ताल पर रहेंगे प्रदेश के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मी

मांगों को लेकर प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों को थमाया नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र की सभी बिजली कंपनियों में कार्यरत लगभग आउटसोर्स कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर आगामी 7 से 9 नवम्बर तक हड़ताल करने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक प्रदेश की 6 बिजली कंपनी ट्रांसमिशन, जनरेशन, पॉवर मैनेजमेंट, पूर्व-पश्चिम व मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों में कार्यरत 45 हजार बिजली आउटसोर्स लाईन हेल्पर, संयंत्र सहायक, सब-स्टेशन व संयंत्र ऑपरेटर, संयंत्र पर्यवेक्षक, केपीओ, मीटर रीडर, सुरक्षा सैनिक, सर्वेयर, ड्रायवर, चपरासी द्वारा दीपावली पर्व पर 7 से 9 नवम्बर के दौरान दो दिन काम न करने की चेतावनी दिये जाने से हड़कंप मच गया है।

म.प्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक एवं विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के उपाध्यक्ष नरेन्द्र भदौरिया ने इस संबंध में आज पूर्व क्षेत्र-ट्रांसमिशन-जनरेशन-पॉवर मैनेजमेंट कंपनी को कामबंद आंदोलन का नोटिस थमा दिया है।

20 सालों से नहीं मिला अतिरिक्त पारिश्रमिक

नोटिस के माध्यम से बताया गया कि कर्मियों की विभिन्न मांगों की निरन्तर अनदेखी होती रही। पिछले 20 वर्षों से लगातार बिजली आउटसोर्स कर्मी दीपावली पर्व के दिन राष्ट्रीय त्यौहार पर अवकाश की पात्रता होने पर भी अपनी छुट्टी का बलिदान व्यापक जनहित व बिजली कंपनी हित में करते रहे, पर 90 प्रतिशत आउटसोर्स कर्मियों को श्रम प्रावधान के अनुरूप दीपावली पर्व के दिन काम का अतिरिक्त पारिश्रमिक ऑन रिकार्ड 20 सालों का अब तक नहीं मिला है।

आउटसोर्स कर्मियों की प्रमुख मांगें

आउटसोर्स कर्मियों की मांग है कि जैसे पंजाब व उप्र में ठेका प्रथा खत्म की गई, वह मप्र में भी लागू हो। पंजाब की तर्ज पर आउटसोर्स पर्सनल बिल मप्र विधानसभा में पास कर सीधे विभाग से वेतन देने के आदेश जारी हो। बिजली कंपनियों में जो बिचैलिये ठेकेदार घुसपेठिये घुस आये हैं, उन्हें बाहर किया जाये। छोटे व लघु पद सृजित कर वरिष्ठता एवं योग्यता के आधार पर बिजली कंपनी के 49 हजार रिक्त पड़े पदों पर आउटसोर्स कर्मियों को नियमित किया जाये। मुख्यमंत्री की एक वर्ष पुरानी पद भरने की घोषणा पर अमल हो। भाजपा विधानसभा वचन-पत्र 2023 के बिन्दु क्र.-81 पर अमल कर मप्र में भी केन्द्र के आउटसोर्स कर्मियों के बराबर न्यूनतम वेतन दिया जाये। तीनों वितरण कंपनी के 23 हजार अनुपयोगी पद समाप्त करने के बजाय ये पद आउटसोर्स कर्मियों से भरे जायें। जोखिमपूर्ण काम करने वाले प्रत्येक आउटसोर्स हेल्पर के अलावा सभी सब-स्टेशन ऑपरेटर, विद्युत सहायक, संयंत्र हेल्पर व संयंत्र ऑपरेटर को भी जोखिमपूर्ण भत्ता एवं नाइट एलाउंस दिया जाये। मप्र में भी उड़ीसा व हरियाणा की तरह अनुभवी आउटसोर्स को एक हजार रूपये अतिरिक्त पारिश्रमिक मिले। बंगाल व हरियाणा की तरह बीमार होने पर आउटसोर्स कर्मियों को 1 वर्ष में 10 दिन का चिकित्सा अवकाश मिले। बोनस में एकरूपता बरती जाये, तीन माह की किश्त की जगह बोनस मासिक किश्त में दें। कंप्यूटर ऑपरेटरों को कुशल की जगह उच्च कुशल का न्यूनतम वेतन दिया जाये। अब तक विद्युत दुर्घटना में मृतक हुए सभी आउटसोर्स कर्मियों के परिजनों को संविदा नियुक्ति दी जाये। रात्रि पाली में प्रत्येक 33/132/220 केबी सब-स्टेशन में सुरक्षा गार्ड व हेल्परों की तैनाती हो। इसी के साथ जनरेटिंग पॉवर कंपनी की तर्ज पर सभी बिजली कंपनियों में आउटसोर्स को अवकाश नगदीकरण देने की मांग की गई है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**